@NewsRotary /RotaryNewsIndia

August 2019

रोटरी समाचार

Vol.18, Issue 10 | Annual Subscription ₹ 420

Rotary

पेड़ के नीचे कहानी का आनंद

मैसुरू के रोटरी मैसूर वेस्ट स्कूल में मैंने इन बच्चों को जमीन पर बैठे हुये देखा इसलिए नहीं कि उनके पास बेंच और डेस्क वाली आरामदायक कक्षाएँ नहीं थी, बल्कि इसलिए क्योंकि वह एक ठंडी गर्मी की सुबह थी। सुबह-सुबह हुई बौछारों से तापमान गिर गया था और शिक्षक शनिवार के दिन बच्चों को कहानी सुनाने के लिए पेड़ की छाव में ले आए थे। 400 से भी अधिक विद्यार्थियों वाले इस स्कूल का संचालन रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट का रोटरी क्लब मैसूर वेस्ट एसोसिएशन करता है।

पाठ और चित्रः रशीदा भगत

विषयसूची

12 रेसिन विदा लेते हैं सेवा के अतुल्य वर्ष से
अपने अध्यक्षीय वर्ष के दौरान मिले अद्भुत लोगों के बारे में अध्यक्ष रेसिन बात करते है।

18 अफ्रीका में TEACH को फिर से दोहराने की सख्त ज़रूरत है
रोटरी सम्मेलन के एक ब्रेकआउट सत्र में वरिष्ठ रोटरी नेतृत्वकर्ता रोटरी के साक्षरता कार्यक्रम द्वारा की गई प्रगति के बारे में बात करते है।

22 निधन सूचना: सुदर्शन अग्रवाल
वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता, पीआरआईडी सुदर्शन अग्रवाल के साथ उनके साहचर्य की प्रिय यादें साझा करते है।

32 कोलकाता में शताब्दी समारोह का आयोजन
कोलकाता में एक सजीव कार्यक्रम का वृत्तान्त जिसने भारतीय रोटरी के शताब्दी समारोहों के प्रथम प्रदर्शन का काम किया।

36 जन्मजात दोषों से नवजातों को बचाने के लिए रोटरी साझेदारी
नवजातों की रीढ़ एवं दिमाग की जन्मजात विषमताओं के लिए रोटरी क्लब मद्रास नॉर्थ की एक पहल सुधारात्मक सर्जरियाँ प्रदान करती है।

46 रोटरी क्लब मैसूर ने मनाई प्लैटिनम जयंती
पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी और बिनोता रोटरी क्लब मैसूर की 75वीं वर्षगांठ की शोभा बढ़ाते है।

60 सत्रीया— साधुओं का नृत्य
असम के इस पारंपरिक नृत्य रूप के बारे में पढ़िये।

68 पॉन्डिचेरी की एकल यात्रा पर
लेखक के साथ घूमकर शहर की रोचक जगहों को देखिये।

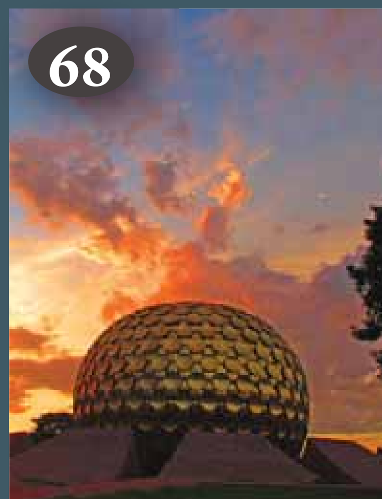

कवर पर : ब्रेकडांस प्रस्तुति जो हैमबर्ग सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में प्रतिनिधियों के लिए दृश्य दावत थी।

चित्र: रशीदा भगत

रो ई को मलोनी के रूप में एक प्रेरणाप्रद नेतृत्वकर्ता मिले है

अध्यक्ष मार्क का प्रथम सन्देश अद्भुत और सम्मोहक है। वाक्य 'रोटरी में, हममें से कोई भी आत्म-निर्भर नहीं है' एक मिलियन डॉलर का सन्देश है। हमें अच्छे पारस्परिक संबंधों को विकसित करना होगा और रोटरी पदानुक्रम में विशिष्ट कौशलों को स्थापित करना होगा।

सभी बैठकों में पढ़ी जाने वाली प्रार्थनाओं को अधिक प्रभावी और कर्मठतापूर्वक व्यव्हार में लाना होगा। हमारे नेतृत्वकर्ताओं को प्रत्येक अवसर पर प्रशिक्षित होना होगा। यह दूसरों के मध्य हमारी थीम रोटरी दुनिया को जोड़ती है का एहसास कराने में हमारी मदद करती है। हमारे नए अध्यक्ष मलोनी को एक शानदार रोटरी वर्ष के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

डॉ एन आर यू के करथा
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन, रो ई मंडल 3211

मैं 2019-20 के लिए रो ई मंडल 9102 में सहायक गवर्नर के रूप में सेवा दूँगा, और मुझे पूरा विश्वास है कि इसके पीछे मलोनी की थीम और प्रेरणा वही है जिसकी रोटरी को आवश्यकता है। हम जितने सदस्यों को शामिल कर रहे उससे अधिक खो रहे है। हमें कठोर क्लब संस्कृतियों और निस्तेज क्लबों के लिए लचीलेपन और विकल्पों की आवश्यकता है। हमें हमारे क्लबों को पारिवारिक स्थान बनाने के साथ-साथ इसे युवा पेशेवरों एवं महिलाओं के लिए कम खर्चीला बनाना होगा। शायद, टीआरएफ के लिए एक हफ्ते में 1 डॉलर अतिरिक्त सहायक नीति हो सकती है। इस शानदार साक्षात्कार के लिए अध्यक्ष मलोनी को धन्यवाद।

फ्रैंक कोफ़ी ओवुसू देब्राह
रोटरी क्लब सुनयानि सेंट्रल, घाना
रो ई मंडल 9102

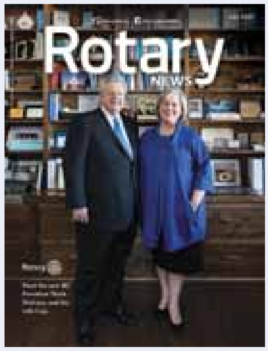

लेख 2020-21 में पहली बार रो ई बोर्ड में छह महिलाएं में प्रतिवेदित रोई अध्यक्ष का कथन प्रेरणात्मक और विचारोत्तेजक है। रोटरेगघँरों, पोलियो उन्मूलन और सबसे महत्वपूर्ण, रोटेरियनों द्वारा उच्च नैतिक मानकों को अपनाने की आवश्यकता पर उनके विचारों का हम स्वागत करते है।

आरती ठक्कर
रोटरी क्लब पूना - रो ई मंडल 3131

मैं रोटरी क्लब नारोवल, रोई मंडल 3272, पाकिस्तान का अध्यक्ष हूँ, मैंने जून अंक के लेख RIPE मार्क मलोनी रोटरी के भविष्य की रूप-रेखा बताते है को ऑनलाइन पढ़ा, वह रो ई के सर्वश्रेष्ठ नेतृत्वकर्ताओं में से एक है, जिन्होंने अनेक सामुदायिक और सेवा परियोजनाओं का नेतृत्व किया है। उन्हें मेरी शुभकामनाएँ।

बाबर खान
रोटरी क्लब नरोवाल, पाकिस्तान-रो ई मंडल 3272

मलोनी बिल्कुल सही है। रोटरी एक शानदार अनुभव है। रोटरी के माध्यम से हम स्वयं को ना केवल हमारे अपने मंडलों के विभिन्न हिस्सों, बल्कि हमारे देश से परे भाईचारे और परियोजनाओं से भी जोड़ते है। रोटरी दुनिया को जोड़ती है।

शांतनु कु पानी
रोटरी क्लब बालासोर - रो ई मंडल 3262

विचारपूर्ण लेख, सन्देश

रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी और उनके नए दल को बधाई एवं शुभकामनाएँ। दुनियाभर में रोटेरियनों द्वारा लगाए गए स्वयंसेवक घंटों के बारे में जॉन होपकिंस यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट आश्चर्यजनक है और हम इस आंकड़ें पर गर्व कर सकते है। रो ई निदेशक भरत पांड्या का सन्देश सार्थक है। इस बात की ख़ुशी है कि हम इस वर्ष भारत में रोटरी के 100 वर्षों का उत्सव मना रहे है। रोटरी और इसे मजबूत बनाने की आवश्यकता एवं पहली बार छह महिलाएं 2020-21 में रो ई बोर्ड में सेवा देंगी पर PRIP बेरी रेसिन की टिप्पणी का स्वागत है। सम्मेलन की तस्वीरें उत्तम है।

कर्नाटक के रोटेरियन पृथ्वी को हरा-भरा बनाने का समर्थन करते है, मापुका रोटरी ने किया रोबोटिक आर्म फिटमेंट शिविर का आयोजन, शब्दों के खेल अच्छी दवा होते है और कसरत में शरीर और मन का संबंध जैसे लेख रोचक एवं उपयोगी है। *मंडल गतिविधियों* में क्लब की गतिविधियाँ बहुत अच्छी तरह से कवर की गई है। सम्पादकीय टीम बहुत अच्छा कार्य कर रही है।

फिलिप मुलाप्पोन एम टी, रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन
रो ई मंडल 3211

35 साल पहले जब मैं लायंस इंटरनेशनल की यूथ विंग का अध्यक्ष बना, मेरे पहले अध्यक्षीय शब्द थे *नो मैन इस एन आइलैंड।* और अब जुलाई अंक में, हमारे अध्यक्ष मार्क उनका पहला सन्देश लिखते है जिसका शीर्षक था *नो वन इस एन आइलैंड।* यह वाक्य 17वीं शताब्दी के अंग्रेजी लेखक जॉन ड्यून के धर्मोपदेश से लिया गया है जिन्होंने कहा था कोई भी आत्मनिर्भर नहीं होता सब एक-दूसरे पर निर्भर होते है। वास्तव में, रोटरी दुनिया को जोड़ती है।

पियूष दोषी
रोटरी क्लब बेलूर
रो ई मंडल 3291

PRID भास्कर को सलाम

PRID सी भास्कर को एक बड़ा सलाम और दिल से धन्यवाद जिन्होंने

आपके पत्र

जून में रोई निदेशक के रूप में अपना कार्यकाल पूर्ण किया। हम रो ई में उनके लिए उच्च पदों की कामना करते है। अब हमारे पास दो रोई निदेशक है पांड्या और संघवी; हम अपने नेतृत्वकर्ताओं के रूप में ऐसे अनुभवी रोटेरियनों का स्वागत करके खुश है। रो ई अध्यक्ष मनोनीत होल्गर नेक ने उचित रूप से महिलाओं की सदस्यता को बढ़ाने पर ज़ोर दिया है। भारत में रोटेरियनों के लिए क्रिस चितले का निधन एक दुखद खबर है। उन्होंने रोटरी को पांच दशकों से भी अधिक समर्पित सेवा दी है और आजकल ऐसे रोटेरियन मिलना कठिन है। शोकसंतप्त परिवार को मैं अपनी सहानुभूति देता हूँ।

मैं कुयिल कुप्पम परियोजना (रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल), जिसके अंतर्गत इस गाँव के इरुलाओं के लिए कंक्रीट के 64 मकान बनाए जा रहे है, में शामिल सभी रोटेरियनों की दिल से प्रशंसा करता हूँ।

एस मुनियांडी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट
रो ई मंडल 3000

लेख *रो ई मंडल 3190 ने कॉर्पोरेट्स को उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया* (जून अंक) ने जीवनबीमानगर के रोटरी क्लब की एक अद्भुत पहल पर प्रकाश डाला जिसने लगातार दूसरे वर्ष कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम रोटरी और कॉर्पोरेट दोनों के द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्यों के बारे में जागरूकता फैलाता है जो सीएसआर पहलों के माध्यम से इन परियोजनाओं का समर्थन करते है।

पारितोष सेगल
सह-संस्थापक
सहयोग संस्थान

रोटरी न्यूज़ को तमिल में देखकर बहुत अच्छा लगा। चूंकि मैं एक रोटेरियन नहीं हूँ, मुझे नहीं पता कि तमिल में मासिक पत्रिका कब से प्रकाशित हो रही है, लेकिन इसे अपनी मातृभाषा में देखकर मैं खुश हूँ। इसके अतिरिक्त, एक पाठक के रूप में, मैं सभी लेख पढ़ता हूँ और सभी बहुत अच्छी तरह से संकलित एवं लिखे गए है। सामग्री पढ़ने योग्य है। और एक संपादक के रूप में इसका श्रेय आपको जाना चाहिए। भविष्य में भी इसी तरह तरक्की करते रहें।

अरुणाचलम वेट्रिवेल

हैम्बर्ग से अच्छी रिपोर्ट एवं तस्वीरें

रशीदा भगत द्वारा लिखित *संपादक के सन्देश* में रोटरी के शीर्ष नेतृत्वकर्ताओं की खूबसूरत तस्वीरों और दक्षिण एशियाई रोटेरियनों की महान सेवा परियोजनाओं, सदस्यता वृद्धि और टीआरएफ योगदानों के लिए PRIP बेरी रेसिन की शुभकामनाओं के साथ हैम्बर्ग सम्मेलन की अच्छी समीक्षा दी गई है।

रेसिन ने रोटरी की सेवा के लिए PRIP राजेन्द्र साबू और उषा साबू की उनके चिकित्सीय मिशनों में की गई कड़ी मेहनत की प्रशंसा की है। यह जानकर अच्छा लगा कि पहली बार, 2020-21 में रो ई बोर्ड में छह महिलाओं को जगह मिलेगी और रोटरी के भविष्य को आकार देने में रोटरेक्टरों द्वारा एक महान भूमिका निभाने के लिए उचित ज़ोर दिया जा रहा है।

RIPN होल्गर नेक पर लेख रोटरी की नैतिकता को प्रतिबिंबित करता है। PRID सुशील गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ देने के बाद, नेक ने माना कि जब उनका चुनाव प्रतिस्थापन के रूप में किया गया तो यह उनके लिए एक खट्टा-मीठा पल था। लेकिन गुप्ता ने उन्हें यह भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें शुभकामनाएँ दी। यह रोटरी का असली जादू है।

नवीन आर गर्ग
रोटरी क्लब सुनाम
रो ई मंडल 3090

सेवा उन्मुख रोई निदेशक

मैं हर माह बिना चूके रशीदा भगत का *संपादक का सन्देश* पढ़ता हूँ। जुलाई में रोटरी में नीचे से ऊपर तक संरक्षकों में हुए बदलावों का वर्णन करते हुए, दो रो ई निदेशकों, भरत पांड्या और कमल संघवी, के साक्षात्कारों से जो एकल टिप्पणी उभरती है वह यह है कि उन्होंने अपने पदों को 'सत्ता के पदों' के रूप में ना लेकर एक जिम्मेदारी के रूप में देखा है। इससे साफ पता चलता है कि हमने हमारे देश के वंचितों का उत्थान करने के लिए दो महान सेवा भावना वाले नेतृत्वकर्ताओं का चुनाव किया है।

परमेश देव चौधरी
रोटरी क्लब गुवाहाटी साउथ
रो ई मंडल 3240

रो ई निदेशक भरत पांड्या और कमल संघवी द्वारा उनकी जिम्मेदारियों के बारे में सत्य प्रकटन (जून अंक) एक सुखद कथन है।

क्लब स्तरीय सेवा पर आपका अवलोकन (संपादक का सन्देश: सुंदरा को स्कूल भेजना) अत्यंत महत्वपूर्ण है। आश्रम शाला प्रसंग और रोटेरियनों और इनर व्हील सदस्यों के प्रयासों के माध्यम से *सुंदरा को स्कूल भेजना* निरक्षरता के उन्मूलन में महत्वपूर्ण घटनाएँ है। RILM की हैप्पी स्कूल प्रणाली को इस देश में रोटेरियनों और नवीन रोटरी नेतृत्वकर्ताओं द्वारा अनुमोदित किये जाने की आवश्यकता है।

अरुण कुमार दाश
रोटरी क्लब बारीपदा
रो ई मंडल 3262

अपने विचार संपादक को भेजें: rotarynews@rosaonline.org; rushbhagat@gmail.com **पर ई-मेल करें।**

Click on Rotary News Plus in our website www.rotarynewsonline.org to read about more Rotary projects.

रोटरी को बढ़ाएँ

प्रिय रोटेरियनों और रोटरी परिवार के सदस्यों,

इस रोटरी वर्ष 2019-2020 के दौरान, मैं रोटेरियनों एवं रोटरेक्टरों को रोटरी को बढ़ाने हेतु प्रोत्साहित कर रहा हूँ। हमें अपनी सेवा को बढ़ाना होगा, हमें अपनी परियोजनाओं के प्रभाव को बढ़ाना होगा, लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण, हमें अपनी सदस्यता को बढ़ाना होगा ताकि हम और अधिक हासिल कर सके।

चलिये सदस्यता के लिए एक नई पद्धति को आजमाए, एक ऐसी जो अधिक संगठित एवं सामरिक हो। मैं सभी क्लबों से एक सक्रिय सदस्यता समिति गठित करने के लिए कह रहा हूँ जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग होंगे जो समुदाय के नेतृत्व को विधिपूर्वक देखेंगे।

आपके क्लब की सदस्यता समिति फिर रोटरी की वर्गीकरण प्रणाली - जो यह सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है कि आपके समुदाय में व्यवसायों की श्रेणी का अच्छी तरह प्रतिनिधित्व हो सके - को उन संभावित नेताओं की पहचान करने के लिए लागू करेगी जिनमें कौशल, प्रतिभा, और शख्सियत होगी जो आपके क्लब को मजबूती प्रदान करेगी। यदि आपके क्लब की सदस्यता समिति तय नहीं कर पा रही है कि कैसे आगे बढ़ना है, तो इसके कार्यों के स्पष्ट रूप से परिभाषित चरणों के लिए *rotary.org* पर क्लब सदस्यता समिति जांच-सूची को देखिये।

और किस प्रकार से हम रोटरी को बढ़ाने के लिए जुड़ेंगे? हम विविध मुलाक़ात के अनुभवों एवं आकर्षक सेवा के अवसरों वाले नए प्रकार के क्लबों - या तो स्वतंत्र क्लबों या सैटिलाइट क्लबों - का गठन करेंगे, ना केवल वहाँ जहाँ रोटरी नहीं है, बल्कि वहाँ भी जहाँ रोटरी पहले से फल-फूल रही है। दुनिया का कोई भी रोटरी क्लब शायद समुदाय के सभी खंडों की सेवा ना कर सके। इसलिए, हमें उन सामुदायिक नेताओं को संलग्न करने के लिए नए क्लबों को व्यवस्थित करना होगा जो हमारे मौजूदा क्लबों के साथ नहीं जुड़ सकते।

रोटरी को बढ़ाना उन संबन्धों को जोड़ने के बारे में है जो हमारे संगठन को दुनिया में अनूठा बनाते है एवं उन्हें मजबूत और द्विगुणित करते है। चलिए हम रोटरी को बढ़ाने एवं महिलाओं और पुरुषों की उस अगली विविध पीढ़ी को स्वीकार करने के लिए स्वयं से वादा करें क्योंकि *रोटरी दुनिया* को जोड़ती है।

मार्क डेनियल मलोनी

अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

उनकी भलाई, उनकी अस्थियों के साथ विसर्जित नहीं होगी

भारत में रोटरी जगत ने उत्तरांचल के पूर्व राज्यपाल और पूर्व रो इ निदेशक सुदर्शन अग्रवाल के निधन से हुई अपूरणीय क्षति की खबर को गहरी वेदना के साथ आत्मसात किया। सोशल मीडिया पर आये शोक सन्देश, संवेदनाएं और संस्मरण का प्रवाह देख कर लगता है कि वे काफी लम्बे समय तक याद किए जाएंगे लेकिन जैसा कि पिछले रो इ अध्यक्ष राजेंद्र साबू ने अपने शोक सन्देश में लिखा है, हिम ज्योति स्कूल की लड़कियां को उनकी कमी सबसे ज्यादा महसूस होगी। उन्होंने देहरादून में इस स्कूल की स्थापना गढ़वाल हिमालय और इसके आसपास की आर्थिक रूप से कमजोर बेटियों को अंग्रेजी माध्यम से विश्वस्तरीय शिक्षा निशुल्क प्रदान कराने के लिए की थी। साबू ने कहा, दिल्ली के श्मशान घाट में उन्हें एक भी व्यक्ति ऐसा दिखाई नहीं दिया जिसकी आँखों में नमी नहीं थी। लेकिन वहां हिम ज्योति की 30-40 लड़कियों की मौजूदगी ने उन्हें सबसे ज्यादा अचंभित किया। ''प्रत्येक लड़की ऐसे रो रही थी जैसे उनके परिवार का सम्मानीय बुज़ुर्ग चला गया हो, सुदर्शन अग्रवाल उनके लिए माता-पिता ही नहीं थे - सब कुछ थे।''

सदैव मुस्कुराने वाले, मृदुभाषी, सौम्य, और बेहद विनम्र अग्रवाल रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के ट्रस्टी थे, जो इस रोटरी न्यूज़ का प्रकाशन करता है। अगर मुझे उनकी पृष्ठभूमि के बारे में मालूम नहीं होता तो मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि वे भारतीय राज्य उत्तरांचल और सिक्किम के राज्यपाल रह चुके हैं, राज्य सभा के महासचिव और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य भी जिनका पद और दर्ज़ा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समकक्ष है। यह सब वे बड़ी सहजता से धारण करते थे। जैसा कि पूर्व रो इ अध्यक्षों कल्याण बनर्जी और के आर रविन्द्रन ने अपनी श्रद्धांजलि में भी इंगित किया है कि वह दान देने में बेहद उदार और एक मिलनसार मेज़बान थे। वो स्वयं को एक अनुभवी/''पेशेवर याचक'' कहते थे और हिम ज्योति स्कूल जैसे उद्देश्य के लिए धन जुटाने में, अपने करीबी दोस्तों के सामने हाथ फैलाने में उन्हें कोई संकोच नहीं होता था। यदि जा सकते हैं, तो आप कैंपस जाएँ और वहां विनम्र लड़कियों के साथ बातचीत करें, जिनका यहाँ शिक्षा प्राप्त करने के बाद पूरी तरह से परिवर्तन हो चुका है, जो केवल किताबी ज्ञान से कहीं अधिक है ... यह स्कूल उन्हें संवारने के साथ, उत्कृष्ट संचार कौशल, आत्मविश्वास और इन सबसे बढ़ कर आत्म सम्मान प्रदान करता है। निश्चय ही, अग्रवाल बहुत याद आएंगे ।

तो वो क्या है जो कुछ लोगों को इतना उत्साही, जज़्बाती और कभी-कभी पागल बना देता है, ऐसे उद्देश्यों के लिए जो अन्य लोगों के जीवन का रूपांतरण कर उस में परिवर्तन ला सकते हैं? वो क्या था जिसने रो क्लब बेंगलूर के पूर्व अध्यक्ष डी रविशंकर को टीआरएफ में ₹100 करोड़,उनकी संपत्ति का 85 प्रतिशत दान करने के लिए प्रेरित किया? या दुनिया और भारत के महान समाज-सेवी गेट्स, वारेन बफे, अजीम प्रेमजी, राजश्री बिड़ला, टाटा जैसे व्यक्ति अपने धन का एक बड़ा हिस्सा दुनिया में भलाई के काम में लगाते हैं ? रविशंकर रोटरी जगत के इवेंट्स में बोलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और सहजता से निमंत्रण स्वीकार कर लेते हैं ताकि कोई अन्य भी उनसे प्रेरित होकर महत्वपूर्ण दान कर सके। यह एक ऐसा विचार है जो हमारा ध्यान खींचता है और आत्मनिरीक्षण का अनुरोध करता है।

अग्रवाल को विदाई देने के साथ ही, क्षमा करें, यहां मैं महान शेक्सपियर के विचार से असहमत हूँ ... मार्क एंटनी अपने महान भाषण में कहते हैं, ''फ्रैंड्स,रोमन्स,कंट्रीमैन'' जूलियस सीजर के अंतिम संस्कार में ''आदमी के द्वारा की गई की बुराई उसकी मृत्यु के बाद भी ज़िंदा रहती है; अच्छाई अक्सर अस्थियों के साथ दफ़न हो जाती हैं।''

हिम ज्योति से शिक्षा प्राप्त कर चुकी लड़कियों के साथ ही,अग्रवाल द्वारा किये गए कल्याण कार्य, उन अनगिनत लोगों के दिलों में जीवंत रहेंगे जिनकी उन्होंने मदद की है।

रशीदा भगत

रो ई निदेशका

एक-से-एक

ओह नहीं! फिर से नहीं। मैं लगभग आपको ऐसा कहते हुये सुन सकता हूँ। सदस्यता पर कोई और लेख नहीं। क्या हमने इसके बारे में पहले नहीं पढ़ा/सुना है? लेकिन मैं आपसे एक सवाल करना चाहूँगा, अगले दशक में रोटरी के सामने सबसे बड़ा मुद्दा क्या होगा? यह आश्चर्य की बात है कि 30 वर्षों से अधिक समय से जब से मैं रोटरी से जुड़ा हूँ मैं यही सवाल सुन रहा हूँ और जवाब हमेशा सदस्यता रहा है। सदस्यता केवल संख्या के बारे में ही नहीं है; यह बढ़त हमारे संगठन की चाल है। यह हमारे मानव संसाधन को बढ़ाता है, नेतृत्व को विकसित करता है और सबसे महत्वपूर्ण जब रोटरी लगातार सदस्यों को आकर्षित करके उन्हें रोके रखती है तो यह रोटरी सदस्यता के मूल्य का सबसे बड़ा प्रमाण होता है।

तो क्यों यह मुद्दा बारंबार सामने आता है? शायद इसलिए क्योंकि हमने उतना काम नहीं किया जितना हमें करना था या जितना हम कर रहे है। अगस्त सदस्यता एवं नए क्लबों को विकसित करने का महीना है, एक ऐसा समय जब हम सभी थोड़ा अधिक करके रोटरी के पहिये को घुमाना जारी रख सकते है। मैं आप सभी से किसी ऐसे व्यक्ति जो कर्म एवं कार्यों से रोटेरियन हो के बारे में सोचने, और उस व्यक्ति को रोटरी के बारे में बताने के लिए कहता हूँ। सदस्यता बढ़त का रहस्य एक शब्द में निहित है - **पूछना**। 'इनकार' से निरुत्साहित मत होइए। पूछने के लिए किसी और की प्रतीक्षा मत कीजिए। अभी और स्वयं से शुरुआत कीजिये। एक पुरानी कहावत है पेड़ लगाने का सबसे अच्छा समय 20 वर्ष पहले था। दूसरा सबसे अच्छा समय अभी है। यही सदस्यता पर भी उचित रूप से लागू होता है। ''अपने मित्र का परिचय रोटरी से करवाने का आज ही सबसे अच्छा समय है।''

अवरोधन सबसे महत्वपूर्ण है; और इसे सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा समय तब होता है जब एक संभावित सदस्य की पहचान होती है। अवरोधन का सबसे अच्छा तरीका है केवल सदस्यों के समय पर ही नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा पर ध्यान केन्द्रित करके उन्हें संलग्न करना एवं सम्मिलित करना। सदस्यों से उनका समय देने के लिए कहने के बजाय, उनसे उनकी प्रतिभा को आपके रोटरी क्लब में देने के लिए कहिए। इसे व्यक्तिगत पद्धति बनाइये। हम गुणवत्ता या मात्रा के बारे में बहुत अधिक बात करते है। मेरी समझ से गुणवत्ता का अर्थ है - गुणवत्तापूर्ण प्रवेशण, गुणवत्तापूर्ण साहचर्य, गुणवत्तापूर्ण समावेश, परिवार का गुणवत्तापूर्ण ध्यान रखना जिसके परिणामस्वरूप समावेश एवं अवरोधन होगा। हमें अपने क्लबों में गुणवत्ता की मात्रा की आवश्यकता है। और बेशक, हमारे ज़ोन में बहुत क्षमता है, बहुत से अछूते क्षेत्र है जहाँ नए क्लबों की आवश्यकता है।

सदस्यता रोटरी का भविष्य है और वह आपके हाथों में है। चलिये परिवर्तन की शुरुआत कीजिए।

प्रचलन बदलिये, एक मित्र लाइये, उस मित्र को रोके रखिए। रोटरी का आनंद लें, स्वयं आनंद लें।

डॉ भरत पांड्या

रो ई निदेशक, जोन 4 और 7

Governors Council

RI Dist 2981	DG N Manimaran
RI Dist 2982	DG Natesan A K
RI Dist 3000	DG Dr A Zameer Pasha
RI Dist 3011	DG Suresh Bhasin
RI Dist 3012	DG Deepak Gupta
RI Dist 3020	DG M Veerabhadra Reddy
RI Dist 3030	DG Rajendra Madhukar Bhamre
RI Dist 3040	DG Dhiran Datta
RI Dist 3053	DG Harish Kumar Gaur
RI Dist 3054	DG Bina Ashish Desai
RI Dist 3060	DG Anish Shah
RI Dist 3070	DG Sunil Nagpal
RI Dist 3080	DG Jitendra Dhingra
RI Dist 3090	DG Rajeev Garg
RI Dist 3100	DG Hari Gupta
RI Dist 3110	DG Kishor Katru
RI Dist 3120	DG Sanjay Agrawal
RI Dist 3131	DG Ravee Dhotre
RI Dist 3132	DG Suhas Laxmanrao Vaidya
RI Dist 3141	DG Harjit Singh Talwar
RI Dist 3142	DG Dr Mohan Chandavarkar
RI Dist 3150	DG Pandi Sivannarayana Rao
RI Dist 3160	DG Nayan S Patil
RI Dist 3170	DG Dr Girish R Masurkar
RI Dist 3181	DG Joseph Mathew
RI Dist 3182	DG Ramesh B N
RI Dist 3190	DG Dr Sameer Hariani
RI Dist 3201	DG R Madhav Chandran
RI Dist 3202	DG A Karthikeyan
RI Dist 3211	DG Shirish Kesavan
RI Dist 3212	DG S Sheik Saleem
RI Dist 3231	DG Sridar Balaraman
RI Dist 3232	DG G Chandramohan
RI Dist 3240	DG Dr Debasish Das
RI Dist 3250	DG Gopal Khemka
RI Dist 3261	DG Ranjeet S Saini
RI Dist 3262	DG Debasish Mishra
RI Dist 3291	DG Ajay Agarwal

Printed by PT Prabhakar at Rasi Graphics Pvt Ltd, 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600 014, India, and published by PT Prabhakar on behalf of Rotary News Trust from Dugar Towers, 3rd Flr, 34, Marshalls Road, Egmore, Chennai 600 008. Editor: Rasheeda Bhagat.

The views expressed by contributors are not necessarily those of the Editor or Trustees of Rotary News Trust (RNT) or Rotary International (RI). No liability can be accepted for any loss arising from editorial or advertisement content. Contributions – original content – is welcome but the Editor reserves the right to edit for clarity or length. Content can be reproduced, but with permission from RNT.

का संदेश

विकास ही एकमात्र स्थिर चीज़ है

2019-20 के लिए हमारा मंत्र है रोटरी का विकास। इसलिए हमारे सदस्यों को हमारे संगठन के साथ उनके अपने अनुभव का चुनाव करने दें। कोई पूरी तरह से बस काम करना चाहता है; दूसरे, विशेष रूप से युवा सदस्यों को उनकी जरूरतों के अनुसार चुनाव करने देना चाहिए। चलिये हम हमारे सदस्यों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनें।

इन समूहों को आकर्षित करने के लिए कुछ रणनीतियाँ:

बेबी बूमर्स पारंपरिक तकनीकों पर बेहतर प्रतिक्रिया देते है, हो सकता है उन्हें सामाजिक मीडिया विपणन समझ में ना आए पर वे फोन पर बातचीत और रूबरू बैठकों में अच्छी तरह प्रतिक्रिया देते है। उन तक पहुँचने के लिए ऐसे सजीव, वैयक्तिक समारोहों का आयोजन कीजिए जिनमें संपर्क बनाने एवं मेल-मिलाप के अवसर हो।

जनरेशन एक्स अधिक नियम-उन्मुख है और कार्य नियमों के एक स्वीकृत सेट की सराहना करता है। उन्हें हाज़िरजवाबी पसंद होती है। जानदार समारोहों एवं ईमेल द्वारा मानवीय संपर्कों को स्थापित करके सम्बन्धों को बनाने पर ध्यान दीजिए।

मिलेनियल्स इंटरनेट की कदर करते है और सामाजिक मीडिया द्वारा प्रामाणिक संबंधों को बनाने की उम्मीद करते है। वे समीक्षाओं पर विश्वास करते है, किसी कारण की सहायता करना पसंद करते है और अपने स्मार्टफोन पर जीते है। उनके लिए, ऐसी सामग्रियाँ तैयार कीजिए जो छोटी स्क्रीन पर बढ़िया दिखे। साझा किए जा सकने योग्य डिजिटल अनुभव प्रस्तुत कीजिये।

जनरेशन ज़ेड और रोटरेक्टर सामाजिक मीडिया में निपुण होते है। वे स्नैपचैट, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे वीडियो माध्यमों की ओर खिंचे चले आते है। मिलेनियल्स की तरह, वे पहले मोबाइल को तवज्जो देते है, और आशा करते है कि सभी सामग्रियाँ मोबाइल पर देखने के अनुकूल हो।

नए सदस्यों को आकर्षित करने के नए चलन:

यूट्यूब एक दशक से भी अधिक समय से मौजूद है, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, यद्यपि 9 प्रतिशत से भी कम लोग इसका इस्तेमाल करते है, फिर भी इसके एक बिलियन से अधिक उपयोगकर्ता है जो पूरे इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का एक तिहाई है। जो लोग यूट्यूब से ज्यादा फ़ेसबुक को पसंद करते है, सामाजिक मीडिया पर मौजूद एक वीडियो 1200 प्रतिशत अधिक शेयर होता है। लोग वीडियो पसंद करते है क्योंकि इसे समझना सरल होता है। अपनी गतिविधियों के वीडियो बनाकर यूट्यूब, फ़ेसबुक, इत्यादि पर पोस्ट कीजिए। अन्य संगठनों के साथ प्रतिस्पर्धा करने, सदस्य संतुष्टि को बेहतर बनाने और अवरोधन बनाए रखने के लिए इन चलनों को अभी से समाविष्ट करना शुरू कीजिए।

कमल संघवी
रो ई निदेशक, जोन 5 और 6

Board of Permanent Trustees & Executive Committee

PRIP Rajendra K Saboo	RI Dist 3080
PRIP Kalyan Banerjee	RI Dist 3060
PRID Sudarshan Agarwal	RI Dist 3011
PRID Panduranga Setty	RI Dist 3190
PRID Sushil Gupta	RI Dist 3011
PRID Ashok Mahajan	RI Dist 3141
PRID Yash Pal Das	RI Dist 3080
PRID Shekhar Mehta	RI Dist 3291
PRID P T Prabhakar	RI Dist 3232
PRID Dr Manoj D Desai	RI Dist 3060
PRID C Basker	RI Dist 3000
TRF Trustee Gulam A Vahanvaty	RI Dist 3141
RID Dr Bharat Pandya	RI Dist 3141
RID Kamal Sanghvi	RI Dist 3250

Executive Committee Members (2019–20)

DG Deepak Gupta Chair – Governors Council	RI Dist 3012
DG Nayan Patil Secretary – Governors Council	RI Dist 3160
DG Dhiran Datta Secretary – Executive Committee	RI Dist 3040
DG Ajay Agarwal Treasurer – Executive Committee	RI Dist 3291
DG Rajendra Madhukar Bhamre Member – Advisory Committee	RI Dist 3030

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

Editor
Rasheeda Bhagat

Senior Assistant Editor
Jaishree Padmanabhan

ROTARY NEWS / ROTARY SAMACHAR

ROTARY NEWS TRUST
3rd Floor, Dugar Towers,
34 Marshalls Road, Egmore
Chennai 600 008, India.
Phone : 044 42145666
e-mail: rotarynews@rosaonline.org
Website :www.rotarynewsonline.org

District Wise TRF Contributions as on June 2019

(in US Dollars)

District Number	APF	PolioPlus	Other Restricted	Endowment Fund	Total Contributions	EREY Donors (in numbers)	EREY %
India							
2981	179,404	28,768	0	48,243	256,415	617	13.58
2982	102,156	8,702	5,947	1,243	118,048	504	17.51
3000	33,098	13,237	441,752	115,861	603,948	47	0.95
3011	182,664	22,158	1,232,672	76,410	1,513,904	510	15.35
3012	224,240	1,761	386,351	8,800	621,151	293	8.68
3020	58,139	101,559	2,625	39,250	201,573	154	4.05
3030	104,383	29	300	23,887	128,599	139	3.01
3040	8,632	0	86,686	0	95,318	21	1.00
3053	219,612	2,729	26,117	0	248,458	212	7.70
3054	(12,285)	1,674	138,210	0	127,599	48	0.83
3060	249,475	79,982	355,361	292,219	977,037	1,628	39.56
3070	163,949	315	15,388	0	179,652	759	26.34
3080	158,327	50,930	95,382	11,000	315,638	434	13.84
3090	61,182	29	200	0	61,410	187	9.28
3100	23,017	475	0	0	23,492	86	5.17
3110	48,042	4,859	53,572	0	106,473	139	3.63
3120	87,782	2,302	240,697	15,000	345,782	141	4.46
3131	672,111	29,708	590,269	96,203	1,388,290	2,132	41.69
3132	94,609	23,024	18,179	115,000	250,812	365	10.07
3141	814,476	45,788	1,618,569	118,408	2,597,241	1,610	32.05
3142	466,919	2,070	678,039	0	1,147,028	1,079	34.16
3150	141,131	33,603	88,978	584,725	848,437	918	26.45
3160	180,103	1,844	0	18,777	200,724	237	9.87
3170	330,782	8,591	384,912	0	724,285	791	14.95
3181	184,142	938	0	103	185,183	805	26.75
3182	110,108	100	11,367	9,659	131,234	552	17.57
3190	551,474	36,321	451,614	2,014,918	3,054,327	1,539	32.20
3201	400,320	41,584	591,229	29	1,033,161	735	14.09
3202	56,829	48,883	35,563	0	141,275	96	2.01
3211	134,374	5,516	188,303	2,515	330,708	562	12.74
3212	261,848	14,323	9,450	47,501	333,122	261	6.61
3231	45,221	5,131	41,411	6,528	98,292	338	11.32
3232	358,723	16,454	780,428	13,975	1,169,580	526	12.28
3240	112,287	671	7,374	0	120,332	444	15.26
3250	69,394	2,334	19,530	0	91,258	192	5.20
3261	32,109	1,100	13,208	3,000	49,418	85	3.32
3262	48,282	1,000	17,430	5,413	72,124	216	6.59
3291	284,347	9,008	107,906	54,860	456,120	541	14.88
India Total	**7,241,404**	**1,647,500**	**8,735,019**	**3,723,526**	**21,347,449**	**19,943**	**14.28**
3220 **Sri Lanka**	107,213	4,633	14,676	8,000	134,522	285	15.84
3271 **Pakistan**	46,034	38,456	2,275	0	86,764	29	2.07
3272 **Pakistan**	38,048	2,166	0	0	40,214	110	3.87
3281 **Bangladesh**	229,771	5,762	235,920	21,179	492,632	540	9.90
3282 **Bangladesh**	83,364	6,066	7,248	3,000	99,677	397	9.92
3292 **Nepal**	261,854	32,509	504,913	25,000	824,276	506	11.61
South Asia Total	**8,007,688**	**1,737,091**	**9,500,051**	**3,780,705**	**23,025,534**	**38,983**	**24.44**
World Total	**126,616,280**	**35,807,785**	**23,956,237**	**27,325,400**	**213,705,702**		

Source: RI South Asia Office

NiveshGuru™
SAMPATTI KI UNATTI

GROW YOUR WEALTH

NiveshGuru, a one-stop solution for all your investment needs.

KshetraGuru® PROPERTY

SwarnaGuru® GOLD

FDGuru® FIXED DEPOSIT

VyaparGuru® STOCK BROKING

ShuruGuru™ IPO

YojanaGuru® GOVERNMENT BONDS

NidhiGuru™ MUTUAL FUND

AmulyaGuru™ PRECIOUS STONES

Nivesh Guru Advisors Private Limited
68-B, Nariman Bhavan, Nariman Point, Mumbai - 400021

+91 22 2288 0808 info@niveshguru.in www.niveshguru.in

रेसिन विदा लेते हैं सेवा के अतुल्य वर्ष से

रशीदा भगत

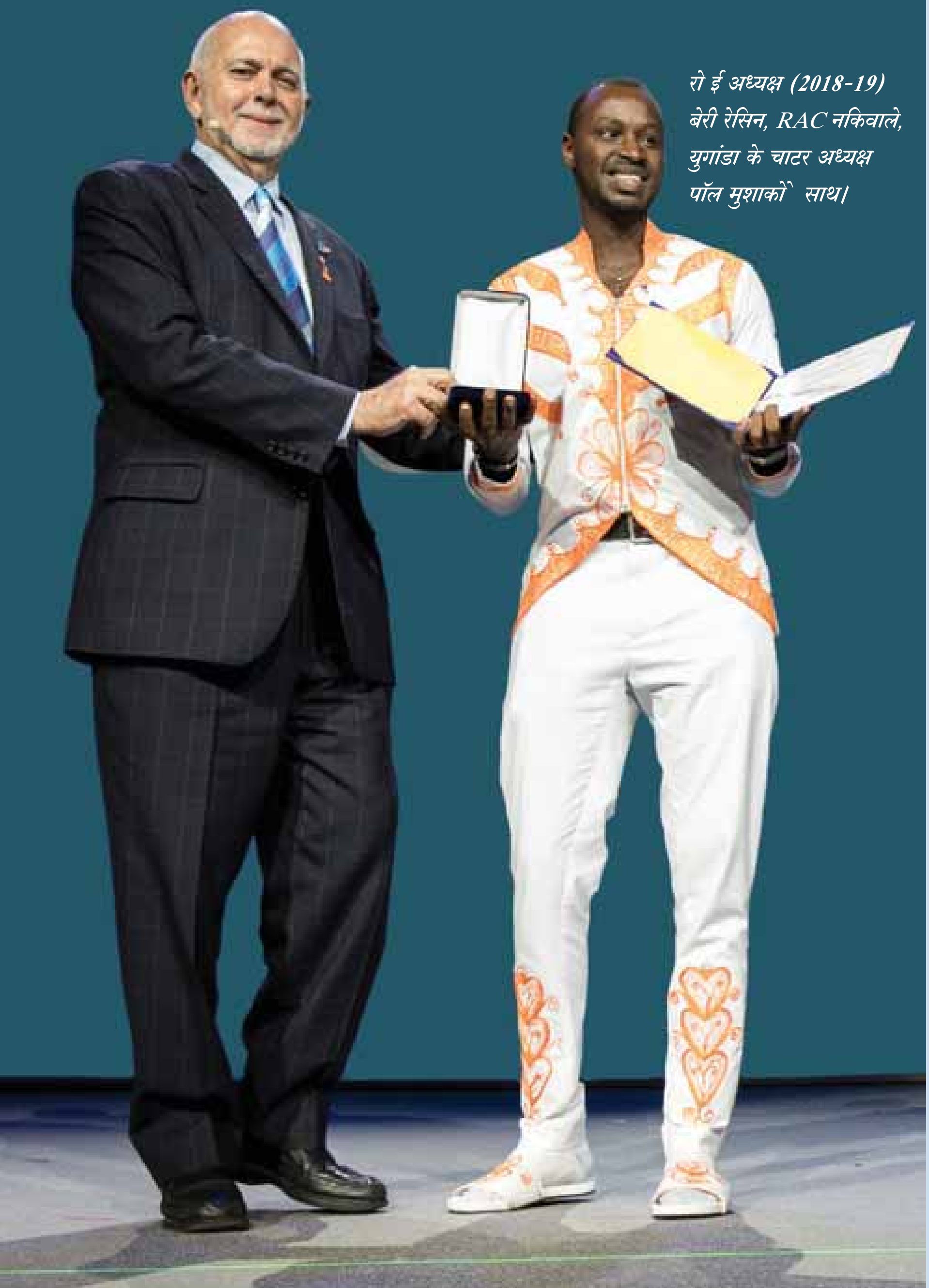

रो ई अध्यक्ष (2018-19) बेरी रेसिन, RAC नकिवाले, युगांडा के चाटर अध्यक्ष पॉल मुशाको के साथ।

हैम्बर्ग कन्वेंशन के एक समापन सत्र ''अतुल्य वर्ष'' के उपसंहार मे, जिसकी शुरुआत उन्होंने रोटरेक्टर्स के साथ की थी, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने इस वर्ष के दौरान ''अद्भुत लोगों'' से हुई मुलाक़ात के बारे में संक्षेप में बताया।

एक अंग्रेजी रॉक बैंड *'द बीटल्स'* का उदाहरण देते हुए, उन्होंने वहां आये प्रतिनिधियों को याद दिलाया कि उस बैंड के ''चारों सदस्यों ने अपने 31 वें जन्मदिन से पहले बहुत कुछ हासिल कर लिया था। लेकिन उनकी तुलना 'मोज़ार्ट' से करें जिन्होंने आठ वर्ष की उम्र में अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी या फिर जोन ऑफ आर्क से जिसने 17 साल की उम्र में फ्रांसीसी सैनिकों का युद्ध में नेतृत्व किया था।'' जो लोग ये सोच रहे हैं कि यह सब तो बहुत पहले की बात है, उनको ध्यान दिलाया कि ''बिल गेट्स ने 24 वर्ष की आयु में माइक्रोसॉफ्ट की स्थापना की थी, स्टीव जॉब्स ने 21 में एप्पल की सह-स्थापना की। मार्क ज़करबर्ग और दोस्तों ने 20 साल की उम्र में फेसबुक का सृजन किया था।''

इसलिए जब दुनिया में परिवर्तन लाने की बात आई तो वहां उम्र महत्वपूर्ण नहीं थी बल्कि महत्वपूर्ण था आपके सपनों का आकार। युवा लोगों को हम ये कहने के आदी हो गए हैं कि व्यावहारिक बनो, अपने भविष्य के बारे में सोचो, और हमें रोल मॉडल के रूप में देखो। इसके बजाय बड़ों को चाहिए कि वे युवाओं से कहें कि अपने सपनों को विस्तार दो, उन्हें विकसित करो और उन्हें और बड़ा करो। ''रोटेरियन के लिए असंभव सपने जैसी कोई चीज नहीं है।''

रेसिन ने कहा कि उनके लिए रोटरेक्टर्स से मिलना एक शानदार अनुभव रहा, जिनके पास दुनिया को बेहतर बनाने के लिए बड़े-बड़े सपने हैं; और ''हमें उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए क्योंकि हम उन्हीं की दुनिया में रह रहे हैं और इस युग की चुनौतियों को वे हमसे बेहतर समझते हैं और ये भी कि इन चुनौतियों पर कैसे विजय पाई जाए। रोटरी के भविष्य के सन्दर्भ में इन अद्भुत युवाओं को ले कर मैं अत्यंत उत्साहित हूँ।''

इस वर्ष 1,000 रोटरेक्ट क्लब जोड़े गए; और इन नौजवानों ने बहुत बढ़िया काम किया है। तुर्की में एक अस्पताल में रोटरेक्टर्स 107 बुधवार को वहां लगातार गए और बच्चों के साथ खेल कर समय

बिताया, अपने विश्वविद्यालय में नए छात्रों को परामर्श दिया और उन्हें नेतृत्व के गुर सिखाये। फिर उसके साथ प्रेरक कहानी थी पॉल मुशाहो की (जिसने एक सत्र भी संबोधित किया था), एक शरणार्थी, जो अपने देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में हुई हिंसा के बाद युगांडा चला गया था। दो साल बाद उसने एक अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की, शरणार्थी शिविर में एक रोटारैक्ट क्लब शुरू किया और वहीं संचालन भी किया था। ''अगर वो ऐसा कर सकते हैं, तो कल्पना करें कि आपके समाज में कितने सारे नए क्लब प्रस्फुटित हो सकते हैं, वर्तमान चुनौतियों के जवाब में?''

डोमिनिकन गणराज्य में, एक रोटरेक्ट प्लास्टिक को रीसायकल कर आभूषण बनाता है और इन्हें पर्यटकों को बेचता है; उसकी सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि ''प्लास्टिक अवशिष्ट ख़त्म हो सकता है!'' रोटरेक्टर्स द्वारा पर्यावरण सम्बन्धी प्रोजेक्ट्स के लिए विशेष आत्मीयता दिखाने पर वह सबसे अधिक प्रसन्न था।

रो ई अध्यक्ष के रूप में उन्हें और एस्थर को दुनिया भर के रोटेरियनों द्वारा की जा रही प्रेरक परियोजनाओं को देखने का अवसर मिला। फिलीपींस के परानाक शहर में, रोटेरियन नदी किनारे रहने वाले निराश्रित लोगों के लिए आवास उपलब्ध करवा कर, एक समुदाय में परिवर्तन ला रहे थे साथ ही असामाजिक तत्वों का सफाया भी कर रहे थे।

भारत में, WASH in Schools कार्यक्रम के अंतर्गत रोटरी हर स्कूल में स्वच्छता लाने के साथ-साथ स्वच्छ जल भी उपलब्ध करवा रहा है। ''इस प्रक्रिया में, स्वच्छता के सन्दर्भ में वे केवल स्कूलों में ही नहीं अपितु घर में परिवार के सदस्यों के आचरण में भी परिवर्तन ला रहे हैं।''

प्यूर्टो रिको में, नाटकों के माध्यम से विभिन्न समुदाय के युवाओं को रोटरी एक मंच पर साथ ला रहा था। कोलंबिया में, वे ऐसे खिलौने बाँट रहे थे (जानवरों के रुई भरे सॉफ्ट टॉयज) जिन्हें अस्पतालों में बीमार बच्चे सीने से लगा कर खुश हो जाते थे। इथियोपिया में, क्लब प्रोजेक्ट्स पर काम करने के लिए रोटरी क्लबों में इंटरेक्टर्स, रोटरेक्टर्स, और रोटेरियन सब एक साथ आगे आये थे। और हैती में, जो उनके दिल के करीब है और जहां भूकंप के बाद उन्होंने बड़े पैमाने पर काम किया था, वहां रोटेरियन्स की ''गुलाबी जीप'' परियोजना के तहत प्रसव में सहायता देने वाली दाइयां देश के दूर दराज हिस्सों में गर्भवती महिलाओं तक पहुँचती थीं।

ब्राजील में, क्लब के सदस्यों ने जापान के साथी रोटेरियनों के साथ ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट पर काम किया जिस के अंतर्गत खचाखच भरे रहने वाले (ICU) नवजात शिशुओं के गहन चिकित्सा देखभाल इकाई की क्षमता में आकस्मिक वृद्धि हुई थी। ''नए इनक्यूबेटर्स, मॉनिटर और अन्य उपकरणों की वजह से स्थानीय अस्पताल हर साल कई शिशुओं का जीवन बचाने में सफल रहा है।''

अंत में, उन्होंने कहा कि रो ई अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल में 35 राष्ट्राध्यक्षों के साथ मुलाकात की थी। वे सभी रोटरी के साथ काम करना चाहते हैं और दो ने तो ''हमारे साथ लिखित में चेण करने के लिए हामी भरी है। दुनिया भर में इतना सम्मान मेरी वजह से या मेरे अध्यक्ष कार्यालय की वजह से नहीं मिलता। यह सम्मान आप से, आपके सम्पर्क से, आपके देश में आपकी प्रतिष्ठा की वजह से मिलता है। और इसी से अवसर और संभावनाओं के द्वार खुलते जाते हैं।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

अफ्रीका में भारतीय डॉक्टरों द्वारा की गई सेवा की प्रशंसा

भारतीय VTT के साथ मेडागास्कर में PRIP राजेंद्र साबू (बीच में) के साथ अध्यक्ष रेसिन।

रोटेरियनों द्वारा दुनिया भर में की जा रही विभिन्न अतुल्य परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए, रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने हाल ही में मेडागास्कर गई वीटीटी टीम की विशेष प्रशंसा की, जहां उन्होंने स्वयं कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं।

उस विशेष मिशन में, भारत के 19 सर्जनों की एक टीम ने आठ दिनों में, PRIP राजा साबू के नेतृत्व में 3,500 चिकित्सा प्रक्रियाऐं क्रियान्वित की थी और इसे जारी रखने के लिए 12 स्थानीय सर्जनों को प्रशिक्षित किया था उन्होंने उस समुदाय का रूपांतरण कर दिया।

उन्हें काम करते हुए देख कर और रोगियों को जल्दी जल्दी दूसरे स्थान पर ले जाने में उनकी सहायता कर के, उन्होंने अत्यंत गौरवान्वित महसूस किया। वहां रह कर प्रत्येक रोटेरियन को ये अनुभव अवश्य करना चाहिए जब बच्चे नींद से जाग कर आंखें खोलते हैं, मुस्कुराते हैं और धन्यवाद कहते हैं। उन्होंने कहा ।

2019 HAMBURG

टी आर एफ संग्रह
331.9 मिलियन डॉलर की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा : ट्रस्टी चेयर

रशीदा भगत

जब उनकी बचपन की करीबी सहेली सूज़ी उनके जीवन से अचानक रहस्यमय ढंग से गायब हो गई, मैं अपनी माँ से अक्सर पूछती थी कि सूज़ी कहाँ चली गई ''मैं उस के साथ खेलना चाहती हूँ। एक दिन - अपनी आँखों में आँसू भरे - मेरी माँ ने मुझे बताया कि सूज़ी को पोलियो की बीमारी थी - अब हम कभी नहीं खेल पाएंगे।''

ट्रस्टी अध्यक्ष ब्रेंडा क्रेसी हैम्बर्ग सम्मेलन में पोलियो अभिशाप के साथ अपने व्यक्तिगत संपर्क के बारे में बता रही थी, और उन्होंने कहा, कई वर्षों तक सूज़ी की याद नहीं आई जब तक कि1989 में उन्हें रोटरी में शामिल होने को नहीं कहा गया और वहीं उन्हें रोटरी द्वारा दुनिया से पोलियो को ख़त्म करने के संकल्प के बारे में पता चला। ''अचानक, मैं पांच साल की हो गई और सूज़ी के साथ हॉप्सकॉच (कूदने का बच्चों का खेल) खेल रही थी। और मुझे तुरंत मालूम चल गया कि कि मुझे रोटरी से जुड़ना ही होगा यह सुनिश्चित करने के लिए कि फिर से कोई छोटी लड़की या लड़का पोलियो का शिकार ना बन जाए।''

TRF ट्रस्टी चेयर ब्रेंडा क्रेसी

TRF की गत वर्ष की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए क्रेसी ने दोहराया कि पोलियो ख़त्म करना रोटरी की पहली प्राथमिकता रहेगी। ''एक नए ग्लोबल ग्रांट मॉडल को लागू करने के आश्चर्यजनक परिणाम सामने आये हैं - तीन गुना! इससे और भी अधिक प्रभावशाली रहा कि हमने अपनी नई नीति के अंतर्गत अनुदान का आकलन कड़ाई से किया - यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, टिकाऊ होते हैं, और स्थायी सुधार लाते हैं। आइये इस अतुल्य गति को बनाए रखें'' उन्होंने कहा।

रोटेरियनों से फाउंडेशन में उदारतापूर्वक योगदान देने के लिए आग्रह करते हुए, उन्होंने कहा कि इस साल दुनिया भयावह अग्निकांड, चक्रवात, बाढ़ और सूखे से पीड़ित रही है ; ''ट्रस्टियों ने आपकी बात पर गौर किया और रोटरी डिजास्टर फंड की स्थापना की है। यह एक नया अनुदान है जो आपदा प्रबंधन में शीघ्रता से, प्रभावी और कुशलतापूर्वक सहायक होगा।''

क्रेसी ने कहा ,टी आर एफ ने इस साल 331.9 मिलियन डॉलर एकत्रित किये हैं और रोटेरियनों से अनुरोध किया कि साल के अंत में, ''टी आर एफ में एक योगदान करने पर विचार करें; वार्षिक निधि में आपका ये उपहार आज कई जीवन में परिवर्तन लाता है,और एंडॉमेंट फंड के लिए दिया गया आपका उपहार हमारा भविष्य सुनिश्चित करता है।'' रो ई और टी आर एफ के पास 2.025 बिलियन डॉलर का लक्ष्य है, ''और एक बार जब यह पूरी तरह से वित्त पोषित हो गया तो इस राशि से किये गए निवेश की आय से जीवन परिवर्तन करने वाली सेवा परियोजनाओं के लिए रोटेरियनों के पास सालाना 100 मिलियन डॉलर उपलब्ध होंगे।''

इसके बाद क्रेसी ने अपने वो अनुभव साझा किये जिसमें टी आर एफ परियोजनाओं से लाभान्वित हुए लोगों को खुशी और राहत मिली थी। कई साल पहले, वो पनामा जा रहे एक रोटरी मिशन की यात्रा में शामिल हुईं, जहाँ कई सेवा परियोजनाओं पर 100 से अधिक रोटेरियन, रोटरैक्टर्स, आदि काम कर रहे थे। जिनमें से एक परियोजना में शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को व्हीलचेयर उपलब्ध करवानी थी। वहाँ क्रेसी ने देखा कि एक किशोर लड़का अपनी पीठ पर एक भारी बैग लादे कमरे में प्रवेश कर रहा था, लेकिन वो एक बैग नहीं था; यह उनके दादा थे जो अपंग थे, उनके पैर नहीं थे। उसने बुज़ुर्ग को एक कुर्सी पर टिकाया; एक रोटेरियन ने धीरे से उसे उसकी नई लाल रंग की व्हीलचेयर पर बिठा दिया। ''आप देख सकते थे कि उस वक़्त इस बुज़ुर्ग के लिए यह सुबह क्रिसमस की सुबह थी। अपने चेहरे पर बहते हुए आंसुओं के साथ उसने हाथ ऊपर उठा कर ईश्वर का धन्यवाद किया, फिर उसने अपने पोपले मुंह से एक बड़ी सी मुस्कराहट के साथ हमें धन्यवाद देना जारी रखा। उस कमरे में सभी की आँखें नम हो गई थीं।'' जहां दादा तो अचानक कमरे में घूम घूम कर चक्कर लगाने लगा वहीं कमरे में पीछे खड़े किशोर के चेहरे से टप टप आँसू बह रहे थे। ''मुझे अहसास हुआ कि हमने केवल इस बुज़ुर्ग के जीवन को नहीं बदला था, बल्कि उसके आस-पास के सभी लोगों के जीवन को प्रभावित किया था, उस लड़के सहित जो अपने दादा की इच्छानुसार उन्हें अपनी कमर पर लाद कर ले जाने में कई घंटे बिताए थे।'' अब वह स्कूल जा सकता था और अपने दादा को स्वतंत्र रूप से आत्म सम्मान के साथ जीते हुए देख सकता था।

''उस एक अनुभव से मैंने टीआरएफ के प्रत्येक दान की ताक़त और उसके ज़बरदस्त असर का एहसास किया; आपके उपहार लोगों में उम्मीद जगाते हैं। वे लोगों को आत्म सम्मान से जीने का अवसर प्रदान करते हैं और अपने समुदायों को बेहतर बनाने का मौका देते हैं।''

निश्चित रूप से पोलियो हमारी प्रतिबद्धता रही है और अगर रोटेरियनों ने पोलियो समाप्त करने के लिए 2 : 1 के अनुपात से 50 मिलियन डॉलर जुटा लिए तो इस साल गेट्स फाउंडेशन ने 100 मिलियन डॉलर देने का एक और वादा किया है। इस अगस्त में, नाइजीरिया को पोलियो मुक्त घोषित किया गया ; पाकिस्तान और अफगानिस्तान अभी भी एक चुनौती हैं, लेकिन दुनिया भर में मौजूद अतुल्य पोलियोप्लस के बुनियादी ढांचे और संसाधनों को मूल रूप से इबोला के प्रकोप से बचाने के लिए इस्तेमाल किया गया था और अब इसका उपयोग खसरा के प्रकोप को रोकने में किया जा रहा है। ''हमारा पोलियो अभियान दुनिया के लिए एक अद्भुत उपहार रहा है। आइये, अब इस कार्य को समाप्त करें,'' इस के साथ ही उन्होंने समापन किया। ■

शूरवीर रोटरी

रशीदा भगत

हैम्बर्ग सम्मेलन के एक रोचक पूर्ण सत्र में इस बारे में चर्चा हुई कि कैसे एक रोटरी क्लब का सदस्य होने भर से ही रोटेरियन कठिन परिस्थितियों से निकल पाए और अक्सर उनकी ज़िंदगियाँ पूरी तरह से बदल गई।

एक सत्र, जिसकी अध्यक्षता रोई के चीफ़ स्ट्रेटजी ऑफिसर टॉम थोर्फिन्सन कर रहे थे, में पीआरआईपी के आर रविन्द्रन ने दोहराया, आज ''मैं जो हूँ रोटरी की वजह से हूँ।''

उन्होंने कहा कि वह ''एक काफी बड़ा व्यवसाय चलाते है जिसमें 700 कर्मचारी है, इसलिए मेरे दोस्त मुझसे अक्सर पूछते है कि क्यों मैं अपने व्यवसाय से दूर इतना अधिक समय व्यतीत करता हूँ। क्या इससे वित्त पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता? यह एक अच्छा सवाल है, लेकिन जवाब बहुत आसान है। मैं आज जो हूँ वह केवल रोटरी की वजह से ही हूँ।''

उन्होंने याद किया कि उनकी ज़िंदगी के शुरुआती दौर में ''परिस्थितियों ने मुझे अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए विवश किया। एक छोटी सी गेराज जितनी बड़ी जगह में, उधार के पैसों और एक विश्वासी निवेशक के साथ मैंने अपनी कंपनी की स्थापना की जो टी-बैग की पैकेजिंग बनाती थी। परंतु जैसे कि स्टार्ट-अप व्यवसायों में अक्सर होता है,'' तीन साल बाद उन्हें भी वित्तीय तंगी का सामना करना पड़ा। ''वित्तीय सहायता के लिए मैं बहुत से बैंकों के पास गया, लेकिन सभी को अतिरिक्त जमानत चाहिए थी जो मेरे पास नहीं थी।''

13वें बैंक में, संयोग से वह उनके रोटरी क्लब - रोटरी क्लब कोलंबो - के एक मित्र से मिले। ''मैंने उससे पूछा कि क्या वह मुझे ऋण

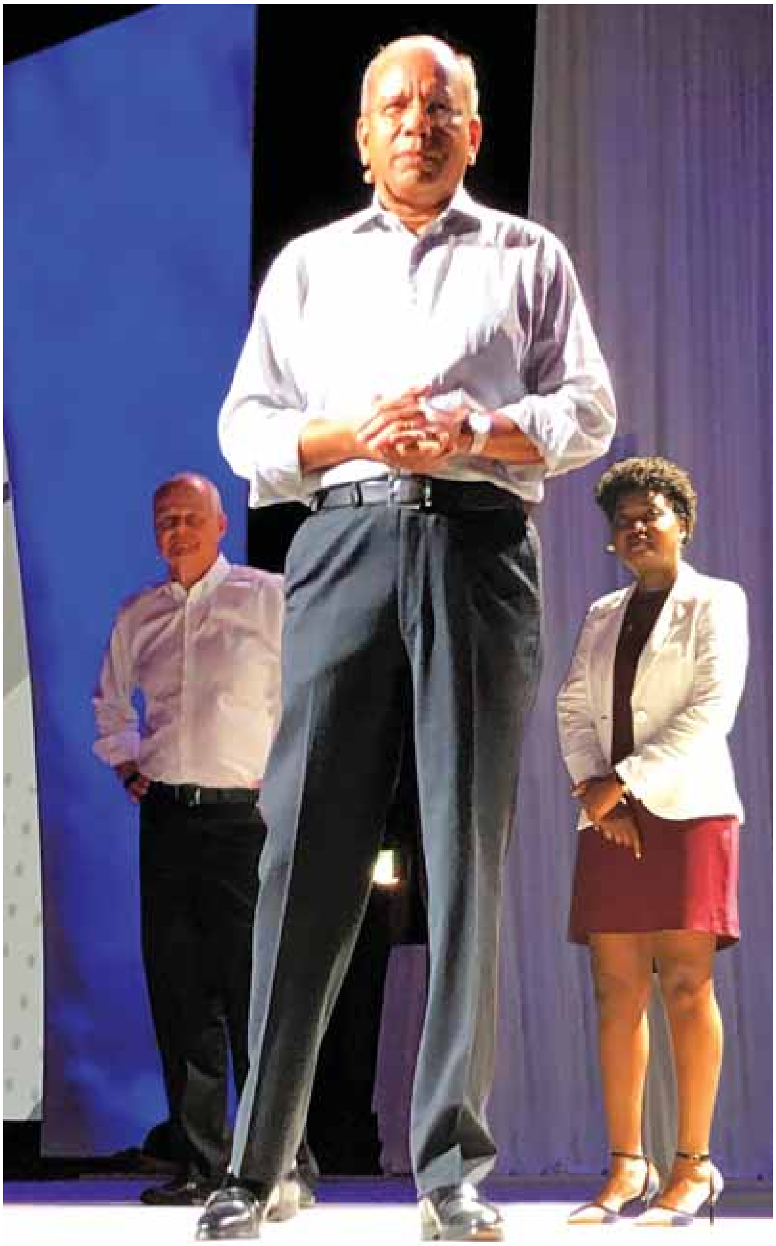

रशीदा भगत

पूर्व रो ई अध्यक्ष के आर रविंद्रन एक सत्र को संबोधित करते हुए। रोटरी प्रमुख रणनीती अधिकारी-टॉम थोरफिनसन (बाएं) और रोटरी क्लब कंपाला मैशा, युगांडा की पूर्व अध्यक्ष किम्बर्ली कसाना भी चित्र में शामिल हैं।

प्रबंधक से मिलवाएंगे।'' वे दूसरी चीज़ों के बारे में बातें करने लगे लेकिन घबराये हुए रविन्द्रन ने धीरे से विषय को बदलकर उस ऋण पर लाये जिसकी उन्हें आवश्यकता थी। ''मेरे मित्र ने अकस्मात ही कुछ काग़ज निकाले और कहा जल्द से जल्द इन्हें भरकर वापस लाओ। मैंने कागजों की तरफ देखा और पूछा यह क्या है? उसने कहा मैंने तुम्हारा ऋण अधिकृत कर दिया है। जितने ऋण की तुम्हें आवश्यकता है उसे स्वीकृत करना मेरे अधिकार में है। तुम्हें मेरे ऋण प्रबंधक से मिलने की कोई आवश्कता नहीं है!''

अविश्वासपूर्वक रविन्द्रन ने काग़ज उठाये, रोटेरियन को धन्यवाद दिया, जब वह जाने लगे तो उन्हें रोका और हिचकते हुए उनसे उस जमानत के बारे पूछा जो हर बैंक द्वारा मांगी जाती है। ''वह मुस्कराए और उन्होंने जवाब दिया: आप मेरे रोटरी क्लब के सदस्य है, नहीं है क्या? मुझे आप पर विश्वास है; अब जाइये और अपना व्यापार बनाइये।''

अगले पांच वर्षों में रविन्द्रन की कंपनी उस बैंक के सबसे बड़े ग्राहकों में से एक और दुनिया में टी-बैग पैकेजिंग की प्रमुख निर्माता बन गई। ''केवल इसलिए क्योंकि किसी ने मुझपर इसलिए विश्वास किया क्योंकि मैं एक रोटेरियन था। अब आप समझ गए होंगे कि मेरा क्या मतलब है जब मैं कहता हूँ कि मैं जो हूँ रोटरी की वजह से हूँ।''

थोर्फिन्सन ने स्वयं अपनी बेबसी की कहानी सुनाई जब उन्हें मिनेसोटा में 400 मील दूर रह रही उनकी बेटी एशली - वह अब ईवेंस्टन में रहते है - का संकटभरा कॉल आया कि उसके तहखाने में पानी भरा गया है; बर्फीली सर्दी के बाद वसंत में बर्फ पिघली और फिर तेज़ बारिश हुई। उसका पति क्रिस दूर लंदन में था और पानी ऊपरी मंजिल तक आ रहा था। 400 मील दूर होने के कारण बेबस पिता ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था। उस शाम उन्होंने बहुत से कांट्रेक्टरों को फ़ोन करके उनसे मदद मांगने की कोशिश की जो पानी की समस्याओं के विशेषज्ञ थे। किसी ने मेरे फ़ोन का जवाब तक नहीं दिया।

मैं जो हूँ रोटरी की वजह से हूँ।

वह रात भर नहीं सो सके और अगली सुबह उन्होंने उनके रोटरी क्लब (रोटरी क्लब एल्डन प्रेरी नून) के मित्र टॉड को फ़ोन लगाया। एक जल परियोजना पर हैती जाने के दौरान वे अच्छे दोस्त बन गए थे। ''मैंने सोचा, टॉड उत्खनन व्यवसाय का एक सेवानिवृत्त ठेकेदार है और शायद वह मदद कर पाएगा। उसने कहा चिंता मत करो, मैं यह संभाल लूँगा। एक घंटे के अंदर वह मेरी बेटी के घर एक व्यावसायिक पम्प के साथ पहुँच गया जिसे उसने उसके बेटे के यहाँ से उठाया था जो उसका व्यवसाय संभाल रहा था। उस दिन टॉड ने लगातार आठ घंटों तक तहखाने से और फिर पिछले आँगन से पानी निकाला। अगले दिन, क्रिस लंदन से लौट आया और एशली और क्रिस दोनों टॉड एवं रोटरी के बारे में बातें करके नहीं थके।''

एक अन्य मार्मिक कहानी रोटरी क्लब कम्पाला मैशा, रो ई मंडल 9211, की चार्टर अध्यक्ष किम्बर्ली कसाना ने सुनाई। कुछ वर्ष पूर्व, उन्होंने और उनकी बेटी तानिया ने क्रिसमस की छुट्टियों में रोम जाने का फैसला किया; ''वह उसकी पहली विदेश यात्रा थी और हम बहुत उत्तेजित थे।'' आगमन पर, अप्रवासन कतार में लगने के दौरान, उन्हें उनके पासपोर्ट नहीं मिल रहे थे। ''मैं भयभीत हो गई थी और तानिया बार-बार पूछ रही थी, 'माँ क्या गड़बड़ है'।'' कतार से बाहर निकलकर, उन्होंने व्यग्रतापूर्वक गुम हुए पासपोर्ट की तलाश की, फिर उन्हें एहसास हुआ कि दुबई में उनके आखिरी स्टॉप पर - वे एमिरेट्स से सफ़र कर रहे थे -, पासपोर्ट कंट्रोल के बाद, जब वे बोर्डिंग एरिया में बैठे थे तब उन्होंने पासपोर्टों को हैण्ड लगेज के पास रखा था और उन्हें वहीं खो दिया होगा, क्योंकि फ्लाइट में जाने के लिए उन्हें केवल बोर्डिंग पास की आवश्यकता थी। एक कोने में, उन्होंने लोगों को देखा जो शरण मांग रहे थे, ''और मैंने सोचा

सदस्यता के बहुत से आयाम रोटरी हमें प्रस्तुत करती है, व्यावसायिक सेवा या दूसरे प्रकार से वैश्विक एवं व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर हमें अन्य रोटेरियनों से जोड़ती है जिससे जीवन भर की मित्रताएं बनती है।

कौन वास्तव में विश्वास करेगा कि हमने वाकई में हमारे पासपोर्ट खो दिए है। हर एक मिनट एक घंटे जैसा लग रहा था। आखिरकार एक सज्जन हमारे पास आये... और मैंने सोचा कि वह ज़रूर निर्वासन के प्रभारी होंगे।''

लेकिन फिर चमत्कार हुआ, किम्बर्ली ने कहा, ''जब उन्होंने मुझे एक रोटेरियन कहकर संबोधित किया। रोटरी शब्द को सुनकर, मुझे लगा हम घर आ गए है,'' तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उन्होंने कहा।

''उस शूरवीर ने हमें उनके कार्यालय में आमंत्रित किया। भाषा में अंतर होने के बावजूद भी, हम बातचीत करने में कामयाब रहे। दुबई में मैं जहां कहीं भी गई थी और कहाँ मैंने मेरा पासपोर्ट खोया होगा उसे याद करने में उन्होंने मेरी मदद की। उन्होंने फिर एमिरेट्स में फ़ोन किया और कई घंटों तक विभिन्न लोगों को फ़ोन लगाते रहे जब तक उन्हें हमारे पासपोर्ट नहीं मिल गए।''

हालाँकि उन दोनों को रोम एयरपोर्ट पर एक रात गुजारनी पड़ी, ''उन्होंने सुनिश्चित किया कि हम सुविधापूर्वक रहें और अगले दिन हमारे पासपोर्ट आ गए और हमारा क्रिसमस यादगार रहा।''

थोर्फिन्सन ने आगे कहा, ''सदस्यता के बहुत से आयाम रोटरी हमें प्रस्तुत करती है, व्यावसायिक सेवा या दूसरे प्रकार से वैश्विक एवं व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर हमें अन्य रोटेरियनों से जोड़ती है जिससे जीवन भर की मित्रताएं बनती है।''■

अफ्रीका में TEACH को फिर से दोहराने की सख्त ज़रूरत है

रशीदा भगत

पांच - छह वर्ष की अल्प अवधि में ,जब से रोटरियनों ने भारत को साक्षर बनाने का बीड़ा उठाया, इस क्षेत्र में अद्भुत प्रगति हुई है। हमने 47,000 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया और इससे सात मिलियन से अधिक छात्र प्रभावित हुए हैं। ''हमने महसूस किया कि ई-लर्निंग पूरे कार्यक्रम का इंजन चालक है, अपने स्कूलों की शिक्षण पद्धति में परिवर्तन लाने के लिए हमने टेक्नोलॉजी का उपयोग किया है; 15,000 स्कूलों में ई-लर्निंग की शुरुआत की गई और अगले तीन वर्षों में हम इस संख्या को 1,00,000 स्कूलों तक ले जाना चाहते हैं,'' रोटरी इंडिया साक्षरता मिशन के अध्यक्ष PRID शेखर मेहता ने हैम्बर्ग कन्वेंशन में एक ब्रेकवे सत्र में बताया।

साक्षरता कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए हुए उन्होंने कहा कि जब कल्याण बनर्जी रो इ अध्यक्ष थे उस समय मैं निदेशक मंडल में था, ''तब हमने दक्षिण एशिया में पूर्ण साक्षरता के लिए एक मिशन शुरू किया था और सबसे पहले इसकी आवश्यकताओं का यथोचित आकलन किया।'' भारत में साक्षरता 74 प्रतिशत थी, इसकी वजह स्कूलों में प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी, उचित शिक्षण का अभाव और स्कूल छोड़ कर बीच में जाने वालों की बड़ी संख्या साथ ही अशिक्षित व अनपढ़ लोगों की काफी बड़ी तादाद जिनमें अधिकाँश महिलाएं थीं।

एक राष्ट्र को साक्षर बनाने के फायदे गिनाते हुए, मेहता ने कहा, ''साक्षरता, जैसा कि हम सब जानते हैं, संघर्ष में कमी लाती है, अपराध कम करती है, शांति का प्रसार करती है, गरीबी मिटाती है, बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देती है, और सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ाती है। यह लोकतंत्र को बढ़ावा देती है और आत्मसम्मान में वृद्धि करती है। इसकी आवश्यकताओं का पूरी तरह से आकलन करने के बाद, हम राजनेताओं, सरकारी अधिकारीयों, गैर सरकारी शिक्षा संगठनों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर काम करने वाले अन्य लोगों से मिले।''

कई सहयोगीयों से मिल कर और इसकी कमियों की पहचान करने के बाद, जिसमें स्कूलों की जीर्ण-शीर्ण इमारतें, खराब शौचालय और बेंच व डेस्क सहित पढ़ने की सामग्री जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव शामिल थी, ''हमने तय किया कि हमारे स्कूलों को पढ़ने और सीखने के लिए उपयुक्त वातावरण तैयार करना होगा। साक्षरता के

RID भरत पांड्या एक साक्षरता ब्रेकआउट सत्र को संबोधित करते हुए। चित्र में RID कमल संघवी, PRID शेखर मेहता, PDG गण नेन्सी बार्बी, फैज़ किदवाई और गीता मानेक शामिल हैं।

लिए एक सर्वांगीण कार्यक्रम होना चाहिए जिसमें बच्चे, शिक्षक और पर्यावरण सभी का ध्यान रखा जाए जो अपनेआप में एक पाठशाला था, इसलिए हैप्पी स्कूलों की अवधारणा, संक्षिप्त में ढए-उक का जन्म हुआ, उन्होंने कहा।

नेशन बिल्डर अवॉर्ड नामक एक कार्यक्रम के माध्यम से योग्य शिक्षकों को पहचानने और पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया और इसके तहत 20,000 से अधिक शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कई राज्य सरकारों ने इसमें भागीदारी की इच्छा जताई और कहा कि इस प्रमाण पत्र में सरकार का प्रतीक चिह्न भी शामिल किया जाए।

ई-लर्निंग कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर लागू किया था और इस कार्यक्रम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और कई सरकारों को अपनी ओर आकर्षित किया और जिन्होंने सहभागिता के लिए कहा था, उन राज्यों महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, आदि की सरकारों के साथ इस कार्यक्रम का गठन किया गया। ''इसके बोर्ड में मंत्री और सरकारी अधिकारी दोनों हैं और हमारा उद्देश्य है कि अगले पाँच वर्षों में भारत के प्रत्येक स्कूल में ई-लर्निंग की सुविधा हो।''

TEACH के प्रौढ़ साक्षरता के घटक के अंतर्गत जहां सरकारें रोटरी के साथ साझेदारी कर रही थीं, सबसे बड़ी समस्या भिखारियों, स्कूल कर्मियों के बच्चों के साथ- साथ और उन स्कूली बच्चों को भी वापस स्कूल भेजने की थी जिनके घर नहीं थे और वे सड़कों पर रहते थे। ''ऐसे बच्चों को स्कूल भेजना एक दुस्साध्य कार्य है। रोटेरियन और हमारे सहयोगियों के प्रयासों से, हमने ऐसे 35,000 से अधिक बच्चों को वापस स्कूल भेजा है।''

एक पुरानी कहावत है कि लड़की का सर्वश्रेष्ठ आभूषण एक हार या सोने की बाली नहीं बल्कि अच्छी शिक्षा है।

RI निदेशक **भरत पांड्या**

मेहता ने कहा कि इसके अलावा, ''एक स्कूल को हैप्पी स्कूल में बदलना एक अद्भुत अनुभव है। जहां शौचालय अपर्याप्त हैं या उनका अभाव हैं, हम वहां शौचालय बनाते हैं, जहां बच्चे फर्श पर बैठते हैं, हम उन्हें बेंच देते हैं, और जहां पुस्तकालय नहीं है, हम पुस्तकालय बनवाते हैं। 6 मिलियन डॉलर की लागत से 2,500 से अधिक हैप्पी स्कूल बनवाने में कामयाब रहे हैं और 400,000 से अधिक बच्चों को प्रभावित किया। अब यह कार्यक्रम इतना विशाल हो गया है कि सरकारें, गैर-सरकारी संगठन और कॉरपोरेट्स हमारे साथ साझेदारी करने को तैयार हैं। पोलियो में हमारी सफलता को धन्यवाद, अब कॉरपोरेट्स भी हमें फंड देने के लिए तैयार हैं,'' उन्होंने कहा।

लड़कियों को शिक्षित करने का महत्व

साक्षरता परियोजना में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शामिल रो इ निदेशक भरत पंड्या ने उस सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पुरुषों और महिलाओं के साक्षरता स्तर में इतना बड़ा अंतर देख कर इस परियोजना से जुड़े रोटेरियन बहुत व्यथित हुए ''वास्तव में यह अंतर बहुत बड़ा और चेताने वाला था। एक पुरानी कहावत है कि लड़की का सर्वश्रेष्ठ आभूषण एक हार या सोने की बाली नहीं बल्कि अच्छी शिक्षा है। इस कहावत ने हमें इस कार्यक्रम को अपनाने और लड़की को लड़के के ही समान, शिक्षा के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रेरित किया।''

एक अन्य कहावत का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ''मकड़ी के जाले मिल कर एक हो जाएँ तो वो एक शेर को भी रोक सकते हैं, यानी एकता में शक्ति है। ये शब्द, मिल जुल कर काम करने का महत्व बताते हैं। अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचने के लिए सहभागिता करके, रोटरी बेहतर और अधिक प्रभावशाली काम कर सकती है।''

इसका सटीक उदाहरण था विभिन्न एजेंसियों के साथ साझेदारी में रोटरी के द्वारा किया गया पोलियो कार्य। दुनिया की सरकारें या थक्ज, अगर वे खुद काम करते तो पोलियो उन्मूलन के इतने करीब नहीं आ सकते थे। ''इसी तरह, रोटरी और रोटेरियन ने इसे स्वयं नहीं किया है लेकिन साथ मिल कर काम करके हम पोलियो उन्मूलन के इतने करीब हैं। यही है सहभागिता की शक्ति और इसका प्रभाव।''

पंड्या ने यह भी कहा कि TEACH कार्यक्रम की सफलता और PRID मेहता ने जिस संख्या का हवाला दिया था, उसके प्रमुख कारणों में से एक थी, सरकार व अन्य गैर सरकारी संगठनों, इत्यादि के साथ की गई सहभागिता, ''जिसमें पहली सहभागिता रोटेरियनों और रोटरी क्लब के साथ हुई जिसके अंतर्गत क्लब, मंडल और जोन - सभी स्तरों पर साक्षरता अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी।''

कार्यक्रम की शुरुआत में यह महसूस किया गया कि एक उचित प्रकार से संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम बहुत आवश्यक था और इसे ज़ोन, मंडल और क्लब स्तरों पर समाविष्ट किया गया । साक्षरता परियोजना का अंतिम लक्ष्य यह सुनिश्चित करना

साक्षरता, जैसा कि हम सब जानते हैं, संघर्ष में कमी लाती है, अपराध कम करती है, शांति का प्रसार करती है, गरीबी मिटाती है, बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देती है, और सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ाती है।

PRID शेखर मेहता

है कि दक्षिण एशिया क्षेत्र के हर कोने - भारत, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान को साक्षर बनाया जाए, ये उनका कहना था।

एक अमेरिकी मंडल के साथ बहुमूल्य साझेदारी

TEACH प्रोजेक्ट से जुड़े अमेरिका के रो ई निदेशक 7730 से आई पीडीजी नैन्सी बारबी ने स्मरण किया कि 20 साल पहले, जब वह भारत आई थीं, तो रोटरी क्लब धनबाद में उनकी मुलाकात रो ई निदेशक कमल संघवी से हुई थी। ''अन्य रोटेरियन के साथ वो मुझे पोलियो सुधार सर्जरी और महिलाओं को प्रशिक्षित करने जैसी कई परियोजनाऐं दिखाने ले गए थे।'' भारत में जिस तरह ये रोटेरियन काम कर रहे थे, उससे प्रभावित होकर वह नियमित रूप से यहां आने लगीं और एक प्रवास के दौरान उनकी मुलाक़ात शेखर मेहता से हुई और ''तब से हमने कई वैश्विक अनुदानों में सहभागिता की है ताकि न केवल भारत में बल्कि अमेरिका में भी लोगों के जीवन में सुधार हो। शेखर जानते थे कि साक्षरता मेरा जुनून है और मैं जल्द ही एक पुस्तकालय स्थापित करने में जुट गई। यह देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि हमारे प्रयासों की समाज ने कितनी अधिक प्रशंसा की है।''

शीघ्र ही उनके मंडल अध्यक्ष भी इसमें शामिल हो गए और ''हमने 10 स्कूलों को हैप्पी स्कूलों में बदलने का संकल्प किया। मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि 10 में से 7 पूरे हो चुके हैं! ये कल्पना करना मुश्किल है कि दुनिया भर में बनाये जा रहे हैप्पी स्कूलों में आधे से अधिक स्कूलों का निर्माण अमेरिका के लोग कर रहे हैं। लेकिन शिक्षा सफलता की कुंजी है और प्रत्येक बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का हकदार है और मेरा मानना है कि शिक्षा के माध्यम से शांति संभव है।''

ये कल्पना करना मुश्किल है कि दुनिया भर में बनाये जा रहे हैप्पी स्कूलों में आधे से अधिक स्कूलों का निर्माण अमेरिका के लोग कर रहे हैं। लेकिन शिक्षा सफलता की कुंजी है।

PDG नेन्सी बार्बी

बार्बी ने कहा कि इस वर्ष भारत में रोटरी अपने 100 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मना रहा है, ''यथासंभव हम अधिक से अधिक वैश्विक अनुदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत मेरे दिल में बसता है और मेरा मानना है कि भारत को साक्षर बनाने का जवाब TEACH परियोजना ही है और इसे सभी दक्षिण एशियाई देशों में दोहराया जा सकता है। जहां तक संभव हो हम इसे अफ्रीका के अधिक से अधिक देशों में दोहराना चाहते हैं।''

नैरोबी में TEACH परियोजना करने के लिए उनके मंडल को वैश्विक अनुदान पहले ही मिल चुका है, उन्होंने बताया।

पाकिस्तान में महिला कॉलेज का निर्माण

रोटरी साउथ एशिया सोसाइटी फॉर कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट में पाकिस्तान को शामिल करने के लिए, रो ई मंडल 3271 से पीडीजी फैज़ किदवई ने पूर्व रो ई अध्यक्ष बनर्जी और पीआरआईडी मेहता की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत जैसे बड़े देश ने इस का नेतृत्व किया, तेजी से आगे बढ़े, और मेहता इस परियोजना को वहां तक ले गए जहां ये आज पहुँची है ''विचार मंच की ज्यादातर बैठकों में पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के रोटेरियन मौजूद थे, जिन में समाज की आवश्यकताओं के आकलन में सभी दक्षिण एशियाई देशों के मध्य समानता दिखाई थी।''

उन्होंने पाकिस्तान साक्षरता मिशन द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया और कहा कि पिछले दो दशकों में पाकिस्तान ने ''कई चुनौतियों का सामना किया है और खासकर शिक्षा की बात करें तो हमने बहुत कुछ सहा है। पाकिस्तान के उत्तरी हिस्से में सैकड़ों स्कूल नष्ट कर दिए गए और 6,00,000 से अधिक बच्चे स्कूल से वंचित हो गए। सरकार के साथ काम करना दूसरी चुनौती थी। लेकिन हमारे रोटेरियन और रोटरैक्टर्स ने इन चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया और उत्तर हिस्से में पहली बार हमने गर्ल्स कॉलेज की स्थापना की है। कई लड़कियों के सपनों को पूरा करने के लिए हमने स्थानीय प्रशासन के साथ सहभागिता की, जिन्हें सांस्कृतिक प्रतिबंधों के कारण अपनी शिक्षा अधूरी छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। आज इस कॉलेज में 1,200 लड़कियां पढ़ती हैं।''

शिक्षा की बात करें तो हमने बहुत कुछ सहा है। पाकिस्तान के उत्तरी हिस्से में सैकड़ों स्कूल नष्ट कर दिए गए और 6,00,000 से अधिक बच्चे स्कूल से वंचित हो गए।

PDG फैज़ किदवाई

केन्या के रो इ मंडल 9212 से पीडीजी गीता मानेक ने अफ्रीकी देशों में साक्षरता कार्यक्रम को लागू करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और कहा कि ब्रेकआउट सत्र में आये कई प्रतिभागी इस कार्यक्रम को अपने देश में दोहराने में रुचि रखते थे। ''हम सभी जानते हैं कि शिक्षा के उद्देश्य सब के लिए समान हैं, ये शांति लाती है और अफ्रीका के लिए तो यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र में साक्षरता की बहुत आवश्यकता है।'' प्रत्येक अफ्रीकी देश की अपनी चुनौतियां हैं, लेकिन उपयुक्त सहभागिता और कड़ी मेहनत से, इस पर विजय पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और ई-लर्निंग का डिजिटलीकरण अफ्रीकी देशों में बहुत बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

अपने प्रारंभिक सम्बोधन में रो इ निदेशक कमल सँघवी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान ने कहा था कि ''साक्षरता मानव की प्रगति का मार्ग और ये वो साधन है जिसके माध्यम से हर पुरुष, महिला या बच्चा अपनी पूरी क्षमता को पहचान सकता है। और नोबल लॉरिएट मलाला यूसुफजई ने भी तो कहा है कि शिक्षा न तो पश्चिमी है और न ही पूर्वी है। शिक्षा सिर्फ शिक्षा है।''

चित्र: रशीदा भगत

थोड़ा और उदार बने

नी हाओ, रोटेरियनों!

हमारे सामने कुछ बहुत अच्छी समस्याएँ है जिनके बारे में मैं आपसे चर्चा करना चाहता हूँ। रोटरी वैश्विक अनुदान निवेदनों की संख्या में विस्फोटक रूप से इजाफा हो रहा है। रोटेरियन हमारे अनुदानों के अद्भुत प्रभावों को देख रहे है, और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को करने के लिए वे वैश्विक अनुदानों की शक्ति का उपयोग करना चाहते है।

किसी परियोजना की योजना बनाते समय संवहनीयता पर ज़ोर देना हमारे वैश्विक अनुदानों का एक अहम पहलू है। जब हम किसी समस्या का सामना करने के लिए एक साथ आते है, तो हम बस उसपर रोक लगाकर ही वापस नहीं आ जाते है। हम ज़िंदगियाँ बदलते है। हम संवहनीय समाधान लाते है। वैश्विक अनुदानों के लिए आवेदनों की संख्या में वृद्धि एक अच्छी समस्या है; यह सेवा के प्रति रोटेरियनों के समर्पण को दर्शाता है। लेकिन अधिक वैश्विक अनुदानों के निधीयन के लिए, हमें रोटरी संस्थान को बढ़ाना जारी रखना होगा।

हमारे सामने एक अन्य अच्छी समस्या है कि कैसे विपत्ति के समय में राहत पहुँचाने की रोटेरियनों की इच्छा का सबसे अच्छी तरह समर्थन किया जाए। हमारे आपदा प्रतिक्रिया कार्यक्रम के माध्यम से, आपदा आने पर क्लब एक नए कोष से अनुदान प्राप्त कर सकते है - लेकिन केवल तब जब आप उसमें पैसा डालेंगे। हम तेजी से पुनर्निर्माण करने में हमारे साथी रोटेरियनों की मदद कर सकते है, लेकिन हमें आवश्यकता है कि आप आगे आएं।

और हम पोलियो को हमेशा के लिए मिटाने की कगार पर है। हम सभी ने अपनी ज़िंदगियों में अच्छे कार्य किए है। लेकिन कल्पना कीजिये कि आप दान देते है जो उन अंतिम बूंदों के लिए काम आता है जो दुनिया से पोलियो को सदा के लिए खत्म कर देगा। आप कभी भी अपने जीवन में इतना अच्छा और इतना महत्वपूर्ण काम नहीं करेंगे।

एक पुरानी कहावत है जिसके अनुसार, ''आप जहाँ भी जाएं, पूरे मन से जाएं।'' इसलिए दिल खोलकर अपने संगठन को दान दीजिये। हो सकता है यह सबसे महत्वपूर्ण चीज़ हो जो आप कभी करेंगे।

आज ही दान कीजिये, फिर मेरे फ़ेसबुक पेज पर डालकर सबको बताइये कि दान देकर आप कितना अच्छा महसूस कर रहे है। चलिये जुड़ते है और एक साथ दुनिया को बदलते है।

गेरी सी के हुआंग
फाउंडेशन ट्रस्टी अध्यक्ष

हमारे पोलियो फंड का निर्माण

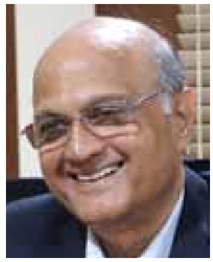

मेरे साथी रोटेरियनों,

2018-19 के दौरान, संस्थान को हमारे द्वारा दिए जाने वाले योगदानों ने 21 मिलियन डॉलर का सर्वकालिक रिकॉर्ड बनाया है और हम दुनिया में हमारे नम्बर 2 के स्थान पर बने हुए है। इससे अधिक महत्वपूर्ण, रोई मंडल 3190 और मंडल 3141 दुनियाभर के मंडलों में क्रमशः नम्बर 1 और नम्बर 2 पर है। मैं इन दोनों मंडलों के नेतृत्व की सराहना करता हूँ और हमारे महान दानदाताओं का धन्यवाद करता हूँ।

2019-20 के लिए, चुनौतीपूर्ण टीआरएफ लक्ष्य निर्धारित किये गए है; मेरा आपसे निवेदन है कि आप किसी भी टीआरएफ निधि में योगदान करें, क्योंकि प्रत्येक समान रूप से महत्वपूर्ण है। वार्षिक कोष में योगदान यह सुनिश्चित करता है कि आधी राशी मंडलों में डीडीएफ के रूप में वापस आए और शेष आधी विश्व कोष में जाए।

विश्व कोष महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मानवीय परियोजनाओं, छात्रवृत्ति, वीटीटी इत्यादि के लिए अति आवश्यक धन उपलब्ध करवाता है। इसे मजबूती से बढ़ना चाहिए और इसलिए वार्षिक कोष में योगदान महत्वपूर्ण है।

हम दुनिया को पोलियो से मुक्त कराने की कगार पर है। हमारे प्रयासों का गेट्स फाउंडेशन द्वारा समर्थन किया गया और रोटरी के 50 मिलियन डॉलर के वार्षिक लक्ष्य का मिलान गेट्स फाउंडेशन के 100 मिलियन डॉलर से किया गया। रोटरी के पोलियो कोष संग्रह में किसी भी तरह की कमी विनाशकारी साबित हो सकती है।

लेकिन जून 2019 की शुरुआत में, हम रोटरी के पोलियो निधि लक्ष्य से पीछे थे, लेकिन हमने अनेक व्यक्तिगत फ़ोन कॉल के बाद 50 मिलियन का लक्ष्य प्राप्त किया। हमें राजश्री बिड़ला से 1 मिलियन डॉलर, एक एस्टेट से 2.2 मिलियन डॉलर और एक अज्ञात दानकर्ता से अन्य 1 मिलियन डॉलर मिले। हो सकता है 2019-20 में इनसे हमें दान ना मिले। इसलिए हमें चाहिए कि प्रत्येक मंडल कम से कम 20 प्रतिशत डीडीएफ निर्धारित करें और प्रत्येक क्लब कम से कम 1,500 डॉलर दें। चलिए पोलियो का उन्मूलन करें।

अक्षयनिधि लगातार बढ़ रही है और मुझे विश्वास है कि यह वर्तमान वर्ष में भी अनेक बड़े योगदानों को आकर्षित करेगी। चलिए जल्दी शुरू करते है; एक अच्छी शुरुआत आधा काम पूरा कर देती है। जैसा कि एन फ्रैंक ने कहा है ''देने से कभी कोई गरीब नहीं हुआ है।''

गुलाम ए वाहनवती
ट्रस्टी, रोटरी इंटरनेशनल

निधन सूचना: सुदर्शन अग्रवाल

एक दिग्गज

राजेन्द्र साबू

क्या आदमी थे वो! क्या वह एक नौकरशाह, न्यायविद, प्रशासक, जन-हितैषी, कर्ता, याचक, स्वप्नदर्शी या एक धर्म-प्रचारक थे? जब मैं उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए दिल्ली के लोदी शमशान में था, तो वहाँ मुझे किसी की भी आँखें सूखी नहीं दिखी। 88 वर्ष की उम्र में मृत्यु कोई असामान्य बात नहीं है, लेकिन शायद हिम ज्योति स्कूल की लगभग 30-40 लड़कियाँ जो इतनी दूर देहरादून से यात्रा करके यहाँ आई थी को इस बात का एहसास नहीं था। हर एक लड़की ऐसे रो रही थी जैसे उनके कुलपिता चले गए हो। उनके लिए, सुदर्शन अग्रवाल उनके माता-पिता थे - सबकुछ थे।

1974 में मैं सुदर्शन अग्रवाल से मिला जो रोटरी क्लब दिल्ली के अध्यक्ष थे। दिल्ली और चंडीगढ़ तब एक ही मंडल में आते थे। उनके साथ मेरी यात्रा की वह शुरुआत थी।

वर्ष 1978-79 के लिए सुदर्शन गवर्नर बनें, एक प्रतिष्ठित वर्ग जैसा कि मैं देख सकता था, क्योंकि तब मैं इंटरनेशनल असेंबली डिस्कशन लीडर था। वह दल सौभाग्यशाली था कि उसमें रोटरी के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से एक - सर क्लेम रेनॉफ़ - उसके अध्यक्ष थे। 1987-89 में सुदर्शन रोई निदेशक बने और 1991-94 में रोई संविधान एवं उपनियम समिति के एक सदस्य थे।

उन्होंने उनके द्वारा चुने गए प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, लेकिन उनका ध्यान रोटरी की सीढ़ी चढ़ने पर नहीं था। चाहे वह रोटरी कार्यक्रम हो या उनके द्वारा शुरू किया गया कोई भी अभियान हो, वह उसे पूरे उत्साह और जोश के साथ एक मिशन के रूप में निष्पादित करते थे।

यह वह समय था जब रोटरी जगत पूरी तरह से पोलियोप्लस कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध था और सुदर्शन ने पूरे दिल से पोलियो उन्मूलन को अपनाया था। तब वह राज्यसभा, भारतीय संसद का उच्च सदन, के महासचिव थे; भारत पोलियो के मुद्दे पर कुछ खास प्रगति नहीं कर रहा था। उन्होंने सरकार के साथ-साथ संसद के वरिष्ठ जनों के साथ अपने संपर्कों का इस्तेमाल किया और राज्यसभा के कुछ सदस्यों को यह सवाल उठाने के लिए उत्तेजित किया कि ''पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम में इतनी सुस्ती क्यों है।'' इसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री, जिनके पास स्वास्थ्य विभाग भी था, ने आश्वासन दिया कि एक नई रणनीति बनाई जा रही है। उस समय, डॉ हर्ष वर्धन, दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री, NID (राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस) रणनीति पर विचार कर रहे थे। सुदर्शन उनसे मिले, और वे एक साथ जुड़ गए, जिसका मतलब था रोटरी और दिल्ली सरकार एक साथ जुड़े। यह पूरे देश के लिए NID प्रक्रिया

बाएं से: *माइक्रोसाफ्ट फाउंडर बिल गेट्स, PRID ओ पी वैश, PRID सुदर्शन अग्रवाल और PRIP राजेंद्र साबू।*

की शुरुआत थी। सुदर्शन को वास्तव में पोलियो मुक्त भारत के प्रवर्तकों में से एक कहा जा सकता है।

राज्यसभा के महासचिव के रूप में सेवानिवृत्त होने के बाद उन्हें राष्ट्रीय मानवाधिकार समिति के एक सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, जिसका पद और दर्जा सर्वोच्च न्यायालय के जज के समतुल्य होता है। उनके कार्यकाल के पूरा हो जाने के बाद, उन्होंने दिल्ली में रोटरी ब्लड बैंक के निर्माण का कार्य शुरू किया जिसका उद्घाटन मार्च, 2002 में किया गया था। यह ब्लड बैंक आजतक देश में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है, और रोटरी की छवि को बढ़ाते हुए यह मानवता की सेवा के लिए उनकी दृढ़ता के एक स्मरणार्थ प्रतीक के रूप में मौजूद है।

सुदर्शन की रचनात्मकता उनकी दूरदर्शिता, मिशन और कार्य के साथ 7 जनवरी, 2003 को चरम पर पहुँच गई थी, जब वह अपनी पत्नी उषा और दोस्तों के साथ दिल्ली से देहरादून उत्तराँचल (अब उत्तराखंड) के राज्यपाल का पदभार सँभालने हेतु एक ट्रेन से यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपने विचार ट्रेन में मौजूद अपने दोस्तों, और मेरे साथ साझा किये, क्योंकि मैं भी चंडीगढ़ से देहरादून आ गया था। वह ₹25 लाख की राशी की घोषणा करना चाहते थे, जिसकी आय प्रतिभावान विद्यार्थियों, मुख्य रूप से उत्तराँचल की लड़कियों, के लिए उच्च तकनीकी अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति देने में खर्च की जाएगी। उन्होंने अपने दोस्तों से ₹25 लाख एकत्रित किये, प्रत्येक ने ₹1 लाख का योगदान दिया। और इसकी घोषणा उन्होंने राज्य के लिए स्वयं को सुपुर्द करके, शपथ ग्रहण समारोह के बाद की। इस प्रकार शिक्षा के लिए हिम ज्योति संस्थान की स्थापना हुई, और आज यह लगभग ₹40 करोड़ का है। इस स्कूल में अत्यंत गरीब परिवारों की 280 लड़कियाँ है, और यहाँ से प्रतिवर्ष 35 मेधावी छात्राएं निकलती है, जिनमें से कई शिक्षा और पेशेवर योग्यता के उच्चतम स्तर तक पहुँचती है। वास्तव में, यह अशोधित कच्चे माल जैसे कोयले से हीरे में परिवर्तन जैसा है। इसके अतिरिक्त, एक व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों से 100 विद्यार्थियों का चुनाव करके उन्हें 6-माह के कोर्स के माध्यम से विभिन्न कौशल प्रदान करता है। वे सभी रोजगार प्राप्त करते है या उद्यमी बन जाते है। ये संस्थान उनके लिए दिव्य आह्वान की तरह थे, और जिन्होंने ये साबित किया कि वह कार्य करने वाले व्यक्ति है सिर्फ बाते करने वाले नहीं।

सुदर्शन स्वयं को पेशेवर याचक कहते थे। वह जिस भी सेवा का बीड़ा उठाते थे, उसे निष्पादित करने के लिए धन एकत्रित करने में वह माहिर थे। हाँ, एक संसाधन के रूप में धन महत्वपूर्ण है लेकिन वह जिस विरासत को मानते थे वह थे चरित्र और विश्वास। वह ''मानवता के लिए सेवा'' के संस्थापक न्यासियों में से एक थे और इसके माध्यम से उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वालो को प्रेरित किया और उनकी पहचान की। अन्ना हजारे इस तरह से पहचाने जाने वाले प्रथम व्यक्तियों में से एक थे, और एक ऐसे समय में जब वह ज्यादा प्रसिद्ध भी नहीं थे।

दिवंगत पूर्व रोई निदेशक रोटरी के चार मार्ग परीक्षण के आदी थे और उन्होंने एक बार मुझसे कहा था कि उत्तरांचल के राज्यपाल के रूप में, जब उन्हें मौत की सजा की एक याचिका पर फैसला लेना था, तो उन्होंने फैसला लेने के लिए चार मार्ग परीक्षण का उपयोग किया और राज्य सरकार से सिफ़ारिश की। वह स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस पर अपने

हिम ज्योति स्कूल की रुदन करती हुई छात्राएं और उनके जैसी शिक्षा की खोज करती हुई पीढ़ियाँ अकेली नहीं है। यह महान व्यक्ति हमेशा जीवित रहेंगे।

संबोधनों या संदेशों में ''चार मार्ग परीक्षण'' या रोटरी के दर्शन को उद्धृत करते थे।

इस महान मानव में साधारण मानव के लक्षण थे, और जब भी वह यात्रा करते थे उनका एक शौक खरीददारी करना था। एक बार हम ढाका, बांग्लादेश, में एक साथ थे, और उन्होंने मुझे उनके साथ बाज़ार जाने हेतु राज़ी कर लिया। वह क्या खरीदेंगे, मैं जानने के लिए उत्सुक था! मेरे सामने एक नया ही दृश्य था, उन्होंने क्राकरी के सेट खरीदे! लेकिन वह अपनी पत्नी उषा से डरते थे क्योंकि वह हमेशा कहती थी कि घर में जगह नहीं है। जब हम दिल्ली लौटे, मैंने उन्हें ड्राईवर को कहते सुना कि इन पैक क्राकरी को कार में ही रहने दो, और बीबीजी (उषा) को मत बताना, और अगली सुबह वह इसे ऑफिस ले जाएँगे। अधिकतर, वह अपने द्वारा खरीदी हुई चीज़ों को उपहार स्वरूप दे देते थे। देना उनकी आदत थी और वह कहा करते थे, ''अधिक प्राप्त करने के लिए अधिक दो।''

जाने-माने नाटककार और पत्रकार डगलस विलियम जेर्रोल्ड ने कहा था, ''वह इतने दयालु, कृपालु है कि गलती से जूनून में, उन्होंने बारिश की बौछार में एक बतख के ऊपर छाता पकड़ लिया था। यह सुदर्शन की प्रकृति और संस्कृति के लिए एकदम उपयुक्त है।''

इस व्यक्ति की महानता ने उनकी पत्नी उषा, उनका बेटा राजीव और बेटी ऋतु और उनके परिवार के बाकि लोगों, उनके दोस्तों और जिस समाज में वह रहते थे, के लिए दयालुता, पूर्णता, सहायता और अच्छाई की विरासत छोड़ी है। हिम ज्योति स्कूल की रुदन करती हुई छात्राएं और उनके जैसी शिक्षा की खोज करती हुई पीढ़ियाँ अकेली नहीं है। यह महान व्यक्ति हमेशा जीवित रहेंगे।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष हैं।

निधन सूचना: सुदर्शन अग्रवाल

अग्रवाल की विरासत जीवित रहेगी

रशीदा भगत

वर्ष 2014 में *रोटरी न्यूज़* से एक संपादक के रूप में जुड़ने के तुरंत बाद, मुझे एक सुन्दर लेटरहेड पर पूर्व रोई निदेशक सुदर्शन अग्रवाल का लिखा हुआ पत्र मिला। लेखन की शैली, इसके विनम्र स्वर और विषय ने मुझे प्रभावित किया और उस पत्र ने लेखक के बारे में एक छाप छोड़ी। रोटरी में नई होने के नाते, कुछ चार दशक पूर्व *इंडियन एक्सप्रेस* की एक नवसमाचारदाता के रूप में मैंने चेन्नई में मद्रास के रोटरी क्लब की बैठकें कवर की थी, मैंने अपने दल के सदस्यों से पूछा कि वह कौन है।

श्रद्धा और सम्मान के साथ, एक सहकर्मी ने मुझे बताया कि वह उत्तराखंड के पूर्व गवर्नर, राज्यसभा के पूर्व महासचिव और एक अच्छी तरह सम्बद्ध एवं शक्तिशाली व्यक्ति है। और भारत में रोटरी के सबसे वरिष्ठ पूर्व निदेशकों में से एक है। ''एक बार जब हम दर्शन के लिए केदारनाथ गए थे, हमने उनसे उनकी मदद मांगी और उन्होंने हमारे लिए बहुत ही बेहतरीन व्यवस्था करवाई थी। हमें लंबी कतार में इंतजार नहीं करना पड़ा था और दर्शन भी अच्छे से हो गए थे,'' उन्होंने साभार याद किया।

उस पत्र में अग्रवाल ने मुझसे देहरादून के हिम ज्योति विद्यालय जाने का अनुरोध किया था जिसे उन्होंने बेहद गरीब परिवारों की लड़कियों के लिए स्थापित किया था जो मुख्य रूप से उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों की रहने वाली थी। एक महीने बाद मैं वहाँ गई और एक साथी के साथ उस यात्रा को सुविधाजनक बनाते हुए मैंने PRID वाय पी दास के नेतृत्व में गढ़वाल हिमालय में 2013 में आई विनाशकारी बाढ़ से क्षतिग्रस्त स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए रोटरी द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्यों को भी देखा।

हिम ज्योति, जो एक आवासीय विद्यालय है, में एक दिन बिताने और बच्चों से बात करने के बाद, मैं बहुत प्रभावित हुई। शेक्सपियर के नाटक के एक दृश्य को प्रस्तुत करते हुए उन्हें दोषरहित अंग्रेजी का उच्चारण करते और बिना अटके अंग्रेजी बोलते देखकर, मैं इन निचले तबके से ताल्लुक रखने वाले बच्चों में आए परिवर्तन को देखकर चकित थी जो केवल एक अकेले व्यक्ति की दूरदृष्टिता और उदारता के कारण हो पाया था। लड़कियों ने मेरे लिए गाना गाया, नृत्य किया, मुझसे बात की, मेरे साथ खाना खाया... और यह सब वे पूरे विश्वास के साथ कर रही थी जो उस आत्मविश्वास से आता है जो एक अच्छी शिक्षा आपको देती है।

पिछले कुछ वर्षों में मैं अग्रवाल, जो एक पूर्व रोई निदेशक होने के साथ ही इस पत्रिका को चलाने वाली रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के न्यासियों में से एक थे, से विभिन्न रोटरी समारोहों जैसे ज़ोन इंस्टिट्यूट और साक्षरता सम्मेलनों में मिली। मैंने हमेशा उन्हें मृदुभाषी, दयालु और विनम्र, मिलनसार और हाजिरजवाब ही पाया। वह भारत में रोटरी बिरादरी द्वारा अत्यधिक याद किये जाएँगे इसका अनुमान सामाजिक मीडिया पर स्वैच्छिक रूप से दी जाने वाली श्रद्धांजलियों से लगाया जा सकता है और यह रोटरी के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की तरफ से आ रही है।

एक महान टीम निर्माता

पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी कहते है, ''उत्तराँचल के गवर्नर एवं राज्यसभा के महासचिव होने के नाते लगभग सभी उनके अच्छे संपर्कों एवं उनके महान प्रभाव के बारे में बात करते है। उन्होंने बिना किसी मदद के दिल्ली ब्लड बैंक को स्थापित किया और उसे बहुत अच्छी तरह से चलाया। लोग कहते है कि उनका प्रभाव था इसलिए उन्हें विभिन्न लोगों का समर्थन मिला और इससे काम बन गया। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण चीज़ यह है कि उन्होंने अपने प्रभाव और उस समर्थन का प्रयोग हमेशा अच्छे कारणों के लिए किया।''

हालाँकि ब्लड बैंक उनकी प्रमुख उपलब्धियों में से एक थी, उनकी दूसरी बड़ी उपलब्धि थी हिम

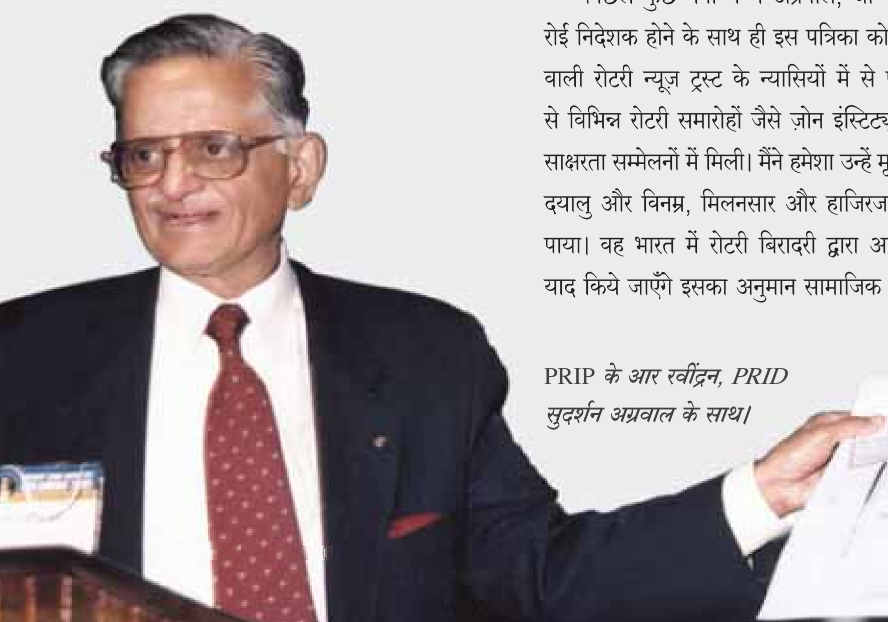

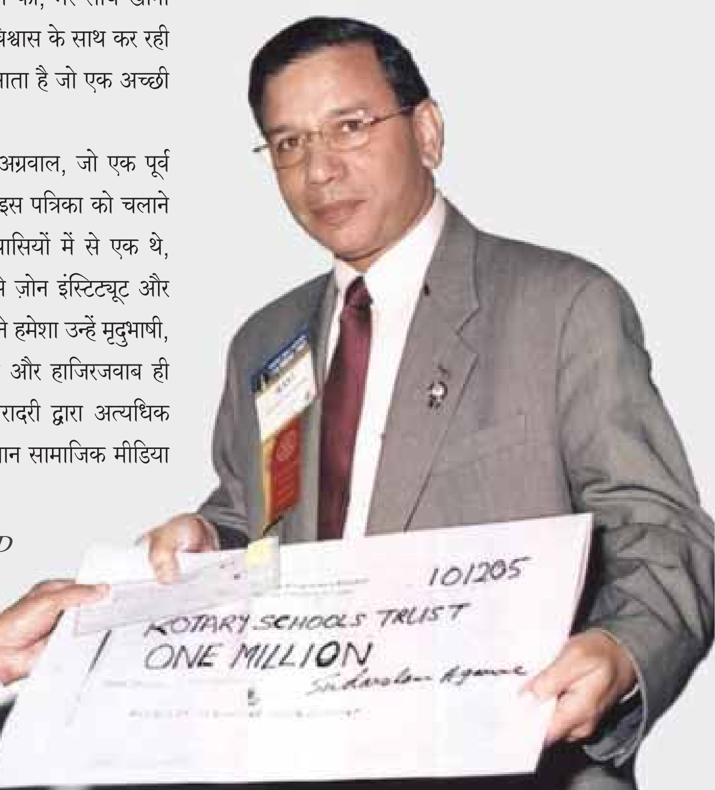

PRIP के आर रवींद्रन, PRID सुदर्शन अग्रवाल के साथ।

दिल्ली में आयोजित दक्षिण एशिया सद्भावना शिखर सम्मेलन में (बाएं से) भारत के पूर्व प्रधान मंत्री आई के गुजराल, PRID ओ पी वैश, PRIP विलफ विलकिन्सन, श्रीलंका की पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका कुमारतुंगा PRIP कल्याण बेनर्जी और अशोक महाजन के साथ PRID अग्रवाल।

ज्योति स्कूल, जिसने गरीब और वंचित परिवारों की लड़कियों को ''बिल्कुल अलग तरह का जीवन; एक सापेक्ष समृद्धि का जीवन और एक ऐसा जीवन दिया जिसने समुदाय में उनके अस्तित्व को एक नयी पहचान दी। यह कुछ अनोखा था और इसने बहुत अच्छी तरह से काम किया।''

वह आगे कहते है, ''किसी भी चीज़ को शुरू करने के लिए टीमों का गठन करने हेतु सही लोगों को आकर्षित करने एवं उनका चुनाव करने की उनके पास एक महान प्रतिभा थी। सबसे महत्वपूर्ण चीज़ यह थी कि एक बार उन्हें चुनने के बाद, वह उनका पूरा समर्थन करते थे और साथ ही उन्हें सलाह भी देते थे... वह एक महान और सफल दल निर्माता थे।''

PRIP के आर रविन्द्रन ने याद किया कि वह अग्रवाल से पहली बार फिलाडेल्फिया सम्मेलन में मिले जब वह उनके क्लब के अध्यक्ष थे। वनाथी को रेशम की साड़ी में देखकर, उन्होंने शायद सोचा होगा हम भारत से है और हमसे बात की। ''जब हमने उन्हें बताया कि हम श्रीलंका से है तो उन्होंने फ़ौरन हमें उनके होटल के कमरे में एक स्वागत समारोह के लिए आमंत्रित किया जिसकी मेजबानी वह शाम को कर रहे थे।''

एक मिलनसार मेज़बान

एक बार जब रविन्द्रन डीजी बन गए, तो उन्होंने अग्रवाल को बेहतर तरीके से जाना, उनकी मित्रता का आनंद उठाया, ''उनके घर में ठहरे और उनके आतिथ्य का आनंद उठाया। सुदर्शन और उषा अग्रवाल मिलनसार मेज़बान थे। उनसे मिलने पर जो पहली चीज़ आपके सामने आती थी वह था उनका असाधारण आकर्षण, गहन उदारता और नेतृत्व का एक बड़ा दिल।''

''चंडीगढ़ इंस्टिट्यूट के बाद, जब मैं पीडीजी था, तो उन्होंने मुझे मेरे सभी श्रीलंकाई पूर्व गवर्नरों के साथ नैनीताल के राजभवन में उनके और उषा के साथ दो दिन बिताने हेतु आमंत्रित किया। यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक असाधारण अनुभव था कि हमें राज्य के गवर्नर और कुमाओं पहाड़ियों के स्कॉटिश कैसल के मालिक की मेज़बानी प्राप्त हुई। सुदर्शन ने हमें यह नहीं बताया था कि दिसंबर में उस जगह गज़ब की ठण्ड पड़ती है! लेकिन यह कारण भी हमें सबसे सुन्दर जागीरों में से एक में छुट्टियाँ बिताने से नहीं रोक पाया जिसे अंग्रेजों ने उनके शासकों के लिए बनवाया था। वह मुझे उनके गवर्नर के हेलीकॉप्टर में राज्य के कुछ स्कूलों का दौरा करवाने के लिए ले गए जिनका वह समर्थन करते थे।''

बेनर्जी ने अग्रवाल के मिलनसार होने और उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य की बात का समर्थन किया, चाहे वह राज्यसभा में उनके कक्ष में हो या दिल्ली में उनके घर में, और वह कहते है कि वह अपने पद और अधिकार का इस्तेमाल कम करते थे। ''जब कभी भी आप संसद जाते थे, वह आपका स्वागत पूरी गर्मजोशी के साथ करते थे। भले ही वह उनके कक्ष में ना हो लेकिन उनके आने तक, उनके लोग आपको बिठाते थे, आपको चाय देते थे। और वह आपसे उस तरह से बात करते थे जैसे वह किसी भी अन्य रोटेरियन से करते थे। वह राज्यसभा के महासचिव की तरह बर्ताव नहीं करते थे।

यहाँ तक कि जब भी हम उनके घर गए, चाहे पंडारा रोड पर उनके आधिकारिक निवास पर या बाद में उनके स्वयं के घर पर, सबसे पहले वह स्वयं आपको चाय का एक कप, और कुछ खाने को देते थे। वह और उषा शानदार मेज़बान थे।''

अग्रवाल की उदारता को ''महान'' बताते हुए, रविन्द्रन कहते है ''वह व्यक्तिगत रूप से देने के लिए त्वरित, विभिन्न मुद्दों को उठाने में तेज़ और उनके समक्ष लाए गए पूर्ण रूप से असंबंधित सामुदायिक मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने एवं उनका समाधान करने में तेज़ थे। 2004 की सुनामी के बाद जिसने

श्रीलंका को बर्बाद कर दिया था, उन्होंने तुरंत ही कोलोंबो इंस्टिट्यूट के मंच से एक मिलियन रूपए दान करने की घोषणा कर दी थी। वह हमें चकित करने के लिए साथ में एक चेक तैयार करके ही लाए थे।''

एक व्यक्ति के रूप में रत्न

अग्रवाल को श्रद्धांजलि देते हुए, पूर्व रोई निदेशक सुशील गुप्ता कहते है ''वह ना सिर्फ एक बहुत अच्छे रोटेरियन थे बल्कि एक बहुत अच्छे इन्सान भी थे। मैं उन्हें 40 वर्षों से अधिक समय से जानता हूँ और मेरी रोटरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा समर्थन रहा है। वह व्यक्ति के रूप में एक रत्न थे; हमेशा मुस्कराते हुए; हमेशा सेवा के लिए तैयार और हमेशा रचनात्मक विचारों से भरपूर। दिल्ली का रोटरी ब्लड बैंक और देहरादून का हिम ज्योति स्कूल समाज और वंचितों के कल्याण के लिए उनके महान योगदानों की गवाही देते है। उनका निधन, उन्होंने आगे कहा, केवल रोटरी ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए एक बड़ा नुकसान है।''

महत्वपूर्ण मुद्दों से दोस्ती को अलग करने की क्षमता के बारे में बात करते हुए, रविन्द्रन याद करते है कि कैसे 2009 में, जब रोई बोर्ड, जिसके वह निदेशक थे, ने उन्हें मिलाकर अग्रवाल के मंडल के सभी पूर्व अधिकारियों को साधारण चेतावनी दी, ''स्वाभाविक रूप से उन्होंने उस दुखद स्थिति के लिए मुझे जिम्मेदार ठहराया था।'' बाद में, रविन्द्रन उनसे मिले क्योंकि ''मुझे लगा कि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलूँ, हालाँकि मैं जानता था कि वह मुझसे बेहद खफा होंगे।''

कड़ी फटकार लगाने वाला!

सुदर्शन बहुत गर्मजोशी के साथ और शिष्टतापूर्वक मुझे कार तक लेने आए और फिर ''उनके कार्यालय की निजता में मुझे निर्दयतापूर्वक फटकारा। वह एक कड़ी फटकार थी जो मैंने ज़िंदगी में कभी नहीं खाई थी! लेकिन सुदर्शन के साथ यह जानते हुए कि वह कौन है, मैं अपने पक्ष में बिना एक भी शब्द बोले चुपचाप सुनता रहा। बल्कि मैं तो यह कहूँगा कि मुझे इसका आनंद ही आया क्योंकि यह बिल्कुल वैसा था जैसे बचपन में स्कूल के दिनों में मेरे पिता मेरे किसी कृत्य पर मुझे फटकार लगाते थे।''

लेकिन एक बार गुस्सा निकलने के बाद, ''वह फिर से अपने पुराने स्वरूप में आ गए, मेरे साथ बहुत प्यार से पेश आते हुये। उसके बाद उन्होंने मुझे ध्यान से सुना और इस बात पर सहमत हुए कि जिन परिस्थितियों में, जिन घटनाओं को लोकविदित किया गया वह आवश्यक थी।''

रविन्द्रन आगे कहते है कि रो ई अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने शायद ही कभी व्यक्तियों की व्यक्तिगत परियोजनाओं का दौरा किया होगा, लेकिन ''हिम ज्योति स्कूल एक अपवाद है जिसकी ईंट से ईंट, स्तंभ से स्तंभ अग्रवाल ने ही स्थापित किये थे। वंचित पृष्ठभूमियों से आने वाली लड़कियों के लिए चलाया जाने वाला एक शानदार स्कूल, यहाँ की छात्राएं धोबियों, आया, खेतिहर मजदूरों, जिल्द्साजों, रिक्शा चलाने वालों की लड़कियाँ है। जब मैं वहाँ था उन्होंने शेक्सपियर के एक दृश्य को प्रस्तुत किया। ये लड़कियाँ जो अंग्रेजी जानती भी नहीं थी वे अब शेक्सपियर का नाटक प्रस्तुत कर रही थी, और बहुत शानदार तरीके से, उनके माता-पिता के सामने, जो बहुत ही साधारण लोग थे। कितना अद्भुत दृश्य था वह!''

लेकिन सबसे बड़ा रोमांच, रविन्द्रन आगे कहते है, ''सुदर्शन का चेहरा देखने का था – वह गर्व और प्यार जो सिर्फ एक पिता अपने बच्चे के लिए दिखा सकता है। यह विस्मयकारी स्कूल उनकी परिकल्पना का ही सृजन था। उनमें कुछ अलग सोचने की क्षमता थी; यह यकीन रखने का साहस था कि वह कुछ ना कुछ सफल जरूर करेंगे और ऐसा करने के लिए वह प्रतिभाशाली थे। हाँ, सुदर्शन को याद किया जाएगा, मगर उनकी आत्मा हमेशा जीवित रहेगी और वह प्रत्येक बच्चा जो उस स्कूल से पास होकर निकलेगा उसपर उनकी छाया हमेशा अंकित रहेगी। क्या विरासत है!''

मंडल 3012 के ऊऋ दीपक गुप्ता ने घोषण की, की वे 300 गरीब बच्चों के लिए हम ज्योती जैसी स्कूल बनायेंगे। ''इसकी लगत ₹40 करोड़ होगी और मे सुदर्शन अग्रवाल की तरह हर दरवाज़े पर दस्तक दूंगा और मेरा सपना साकार करने की पूरी कोशीश करूंगा।

दो हजार वर्षों से भी अधिक पहले से सोफोकल्स ने लिखा था ''किसी को यह देखने के लिए शाम तक इंतजार करना चाहिए कि दिन कैसा रहा।'' अगर सुदर्शन पीछे मुड़कर देख सकते, तो वह जरूर कहते ''दिन बहुत शानदार रहा।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

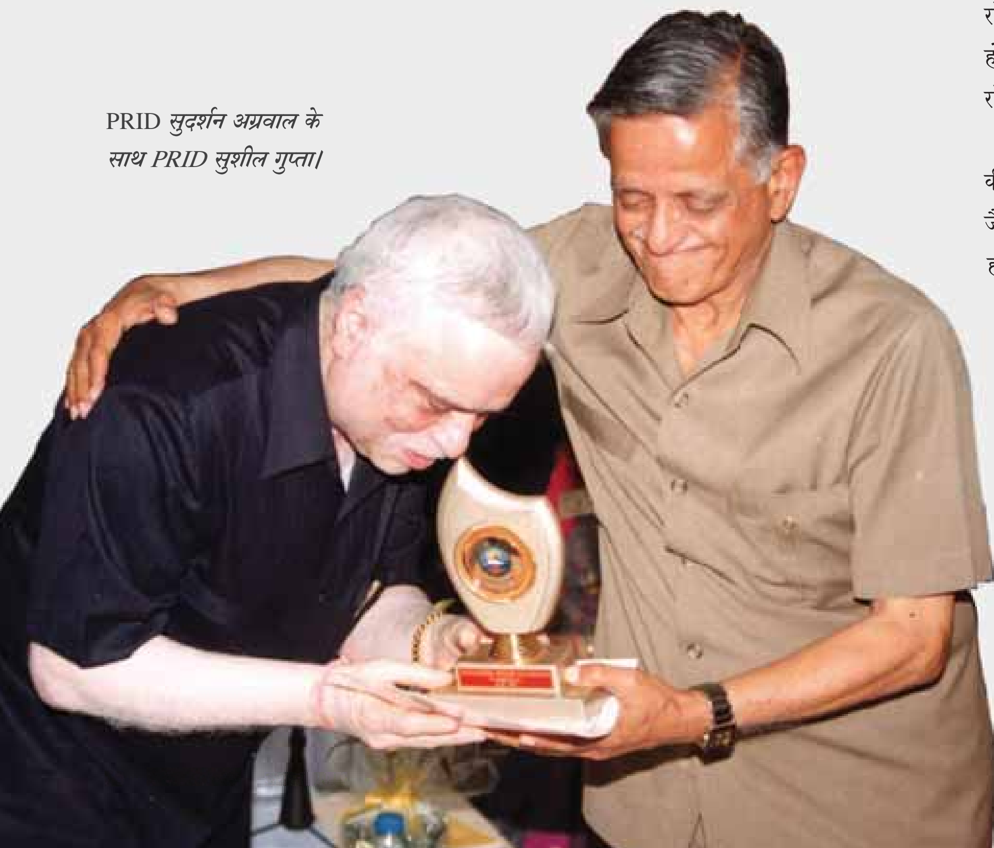

PRID *सुदर्शन अग्रवाल के साथ* *PRID सुशील गुप्ता।*

एक रोटेरियन ने आरआई प्रेसिडेंट से सेवा पुरस्कार प्राप्त किया

टीम रोटरी न्यूज़

DG ज़मिर पाशा, IPDG आर वि एन कण्णन और DGE ए एल चोक्कलिंगम से पुरस्कार प्राप्त करते हुए रोटेरियन आर श्रीनिवासन।

डीजी आरवीएन कन्नन (2018-19) की अनुशंसा के बाद, रोटेरियन आर श्रीनिवासन को पिछले चार दशकों में रो ई मंडल 3000 में उनके योगदान के लिए रो ई के एवेन्यू ऑफ सर्विस अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

डीजी डॉ ए जमीर पाशा, डीजीई एएल चोक्कलिंगम और मंडल के अन्य रोटरी नेताओं की उपस्थिति में मदुरै में एक विशेष कार्यक्रम में रो ई अध्यक्ष बेरी रासिन (2018-19) की ओर से कन्नन ने एक विशेष रोटरी पिन के साथ एक आकर्षक पट्टिका श्रीनिवासन को प्रदान की।

श्रीनिवासन वर्ष 1977-78 में रोटरी क्लब मदुरै वेस्ट से जुड़े थे और फिर वर्ष 1980-81 में रोटरी क्लब मदुरै मिडटाउन के चार्टर सदस्य बने। अपने लंबे कार्यकाल के दौरान, उन्होंने क्लब अध्यक्ष, मंडल सचिव, मंडल सम्मेलन सचिव और ओसाका, जापान के जीएसई नेता सहित अनेक पदों पर कार्यरत्त रहते हुए रोटरी की सेवा की। टीवीएस समूह की कंपनियों के वरिष्ठ कार्यकारी के रूप में, श्रीनिवासन वर्तमान में टीवीएस श्रीचक्र के सलाहकार हैं, जो मदुरै में एक टायर निर्माता कंपनी है।

पुरस्कार पट्टिका कहती है, ''करुणामय उत्साह और सेवा के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से, वह उस सर्वश्रेष्ठ का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसे रोटरी समुदाय को प्रदान करता है।'' अपने संदेश में रो ई के अध्यक्ष बेरी रेसिन (2018-19) ने कहा है कि पुरस्कार श्रीनिवासन को उनके ''सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रयास के लिए दिया गया था।'' ■

कोलकाता में स्कूल का नवीकरण

स्कूल के लिए ई-लर्निंग किट्स।

WinS परियोजना के हिस्से के रूप में, रोटरी क्लब चंदननगर, रो ई मंडल 3291 ने सेंट्रल जीएसटी और केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के सहयोग से, हुगली मंडल के भद्रेश्वर में एक स्कूल अरविंदा विद्यापीठ में शौचालय ब्लॉक का निर्माण किया।

स्कूल में नए पानी और स्वच्छता सुविधा का उद्घाटन आयकर आयुक्त देवेंद्र नागवेकर द्वारा किया गया।

छात्रों के लिए कक्षा में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से, रोटेरियन ने दो अन्य स्कूलों, अर्थात, डॉ शीतल प्रसाद घोष आदर्श एचएस स्कूल और इंदुमती गर्ल्स हाई स्कूल को ई-लर्निंग किट उपलब्ध कराया। स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए किताबें और यूनिफार्म खरीदने के लिए, क्लब नियमित रूप से ₹5,000 की वित्तीय सहायता जरूरतमंद व्यक्तियों को उपलब्ध कराता है। ■

एक रोटरेक्टर
हैम्बर्ग सम्मेलन में छा गया

रशीदा भगत

रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन, एस्थर और PRR क्रिस वेल्स, युके के एक रोटरेक्ट सम्मेलन में। चित्र में RIBI रोटरेक्ट लाइसोनज़िम डेविस (बाएं) और RID ब्रायन स्टॉयल (दाएं) शामिल हैं।

न्यायसंगत कारणों से, हैम्बर्ग सम्मेलन के मुख्य आकर्षणों में से एक था युवा नेतृत्व का जश्न मनाना और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए युवाओं की ऊर्जा, जुनून और उत्साह को खोजना, और इस प्रक्रिया में, रोटेरियनों की औसत आयु को नीचे लाना।

इसलिए जब रोई अध्यक्ष बेरी रेसिन ने क्रिस वेल्स, रोटरेक्ट क्लब ऑफ़ मार्केट हार्बोरो, इंग्लैंड, के संस्थापक पूर्व अध्यक्ष, और रोई मंडल 1070 के वर्तमान डीआरआर, को हैम्बर्ग के एक पूर्ण सत्र में प्रस्तुतिकरण देने के लिए आमंत्रित किया, तो यह नि:संदेह उन सर्वाधिक भयावह चीज़ों में से एक थी जो उन्होंने कभी की थी, जिसमें स्काय डाइविंग शामिल है, वेल्स ने कहा। लेकिन साथ ही साथ, रोटेरियनों की ऐसी विशिष्ट सभा को संबोधित करना उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा था।

एक बार घबराहट कम हो जाने के बाद, उन्होंने वह किया जो अधिकतर लोग करते है; इंटरनेट का सहारा लिया। लेकिन जब नेट ने सभी प्रकार की अप्रासंगिक चीज़ें देना शुरू किया - जिसमें *द लार्ड ऑफ़ द रिंग्स* पर बहुत सी जानकारी शामिल थी, तब मैंने लोगों के इंटरनेट का सहारा लिया।

उनके प्रमुख संबोधन हेतु जिस व्यक्ति से उन्होंने मदद मांगी वह थे रोटरी क्लब मार्केट हार्बोरो के जिम डेविस, जो वर्तमान में ठखइख रोटरेक्ट लायसन है, और जो 2015 में वेल्स के रोटरी से जुड़ने में सर्वप्रथम जिम्मेदार थे।

मंच पर उछल-कूद, हो-हल्ला, हंसी-मजाक से भरे अपने संबोधन में एक मर्मभेदी बात करते हुए, वेल्स ने कहा कि 2015 में, वह एक ऐसी स्थिति में थे जो बहुत लोगों के लिए उनकी उम्र के तीसरे दशक में आम होती है। वह स्नातक हो गए थे और उनके पास एक मीडिया

हम अच्छे कामों के लिए बढ़िया चीज़ें कर रहे थे और उसे करते वक्त मजा करते थे। मेरा मानना है कि रोटरी जो सामूहिक रूप से करती है यही उसका मूल है।

रशीदा भगत

नेट द्वारा सशक्त पीढ़ी, फिर भी अकेली

मस्ती और हंसी से भरे उनके संबोधन में एक गंभीर बात करते हुए, रोई मंडल 1070 के डीआरआर क्रिस वेल्स ने हैम्बर्ग सम्मेलन के प्रतिनिधियों से कहा कि ''हालाँकि अपनी बात की शुरुआत में उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अकेलेपन और निराशा की भावना का चिंता के रूप में जिक्र किया था मुझे वास्तव में अवसाद था। मेरे साथ वे सभी चीज़ें हो रही थी जो आपने अवसाद के बारे में सुनी होंगी... खाने का स्वाद चला गया था, संगीत में मजा नहीं था और दुनिया रंगहीन हो गई थी और यह वास्तव में डरावना था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं स्वयं को खो रहा हूँ। यह सब बहुत से लोगों के लिए उनकी उम्र के तीसरे दशक में आम बात है। यह विडंबना है कि संचार के ऐसे खुले और व्यापक युग में, लोगों द्वारा अकेलापन महसूस करने की रिपोर्ट बढ़ रही है। और ऐसे कठिन समय में आगे बढ़ते रहने या लोगों तक पहुँचने के लिए कारण ढूंढना बहुत मुश्किल होता है।''

हाल ही में हुये एक अध्ययन का हवाला देते हुए, वेल्स ने कहा कि अकेलेपन से जूझ रहे हजारों लोगों की वजह से अकेलेपन को जीवन की अनेक मुश्किलों से जोड़ा गया था। यह विडंबना है कि ''युवा, सफल और व्यस्त होने के बावजूद भी, इंटरनेट द्वारा सशक्त एक पीढ़ी अकेलेपन से ग्रस्त थी,'' रिपोर्ट ने कहा।

वेल्स ने यह स्पष्ट किया कि ''रोटरी अवसाद का इलाज करने के लिए नहीं है और इससे जूझ रहे लोगों को चिकित्सा और व्यावसायिक मदद लेने में शर्माना नहीं चाहिए। इसपर ध्यान नहीं दिया जाए तो यह काफी खतरनाक हो सकती है। लेकिन मेरे लिए रोटरेक्ट ने वाकई में मेरे अंदर की कुछ अंधियारी और खाली जगह को भरा था।''

उन्होंने आगे कहा कि वह बहुत भाग्यशाली महसूस करते है कि रोटरी और रोटरेक्ट ने उन्हें गले लगाया और ''आज मैं यहाँ हूँ। यह अद्भुत है। सोचिए दुनिया में ऐसे बहुत लोग है जो उनके जीवन को दिशा देने और इस तरह के परिवर्तन लाने के लिए रोटरी और रोटरेक्ट जैसी किसी चीज़ का इंतजार कर रहे है।''

(जब वह रोटरेक्ट नहीं थे, क्रिस एक गैर-लाभकारी संस्था गो मेक अ डिफरेंस के लिए काम करते थे जो 25 वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए प्रभावी सोच उपकरणों को साझा और विकसित करता है)

डिग्री थी लेकिन वह थोड़ा निराश महसूस कर रहे थे और जीवन एवं उसके उद्देश्य के बारे में सोच रहे थे। उन्होंने शिक्षा ले ली थी, उसके बाद काम करना था, कर चुकाना था और फिर मर जाना था। ''सौभाग्य से, एक सहकर्मी ने मेरी चिंता पर ध्यान दिया और मुझे एक रोटेरियन (जिम डेविस) से मिलवाया। मैं उनसे मिला और मैंने पूछा रोटरी वास्तव में करती क्या है? आखिरकार हमने एकसाथ मिलकर एक रोटरेक्ट क्लब बनाने का निश्चय किया हालाँकि मैं इस बात को लेकर सुनिश्चित नहीं था कि वास्तव में वह होता क्या है!''

वेल्स ने कहा कि 2015 में, मंडल 1070 में केवल तीन क्लबों के मध्य ''12 रोटरेकटर एक ऐसे मंडल में थे जो लगभग 9,000 वर्ग किलोमीटर का था। 1990 के दशक में उस मंडल में हजारों रोटरेकटर थे और अब केवल 12 थे।''

हालांकी इंग्लैंड के ज़्यादातर हिस्सों में यही स्थिति थी, ''नए क्लबों ने दोस्तों को पकड़कर और उनसे यह कहकर कि अब आप हम में से एक है, सदस्य बनाना शुरू किया! हालाँकि हम नहीं जानते थे कि वास्तव में हम क्या कर रहे थे, फिर भी हम मिले...''

अब बेशक वह इस सवाल का जवाब जानते है कि रोटरी क्या करती है: ''डूगुडरी, बेशक,'' वह मुस्कराते है!

एक बार क्लब के शुरू होने के बाद, धीरे-धीरे जादू होने लगा; उन्होंने काम करना शुरू किया, बहुत सारा काम, जैसे कि डिब्बाबंद खाद्य एकत्रित करना, प्रश्नोत्तरी, अनुदान संचयन समारोह, इत्यादि। पूरे मंडल में अन्य क्लब बनने लगे और वे सभी बढ़ने लगे। हम अच्छे कारणों से बढ़िया काम कर रहे है और स्वाभाविक रूप से हमें उसे करने में मज़ा आ रहा था। मेरा मानना है कि रोटरी सामूहिक रूप से क्या करती है यही उसका मर्म है।

वेल्स के सन्देश का मूल बिंदु यह था कि उनके रोटरेक्ट क्लब ने बहुत कुछ इसलिए हासिल किया है ''क्योंकि हम रोटेरियनों के साथ काम कर रहे थे; हम लगातार संपर्क में थे, पूरी तरह से सम्मिलित थे और डूगुडरी के समान लक्ष्य की ओर अग्रसर थे!''

जहाँ रोटेरियनों ने रोटरेकटरों द्वारा नई परियोजनाओं के निर्माण और उनके निष्पादन के रास्ते में आने वाली अनेक परेशानियों से बाहर निकलने, और बेशक उनके सभी गूगल ना किये जा सकने वाले सवालों के जवाब देकर उनकी मदद की, वहीं रोटरेकटरों ने भी रोटेरियनों की मदद की। रोटरेकटरों ने उन रोटेरियनों की मदद की जो तकनीक में पारंगत नहीं थे; उन्हें विज्ञापन हेतु सामाजिक मीडिया का उपयोग करना सिखाया और संचार के नए तरीकों से अवगत कराया। ''हमें एहसास हुआ कि यह साहचर्य में काम करने और एक साथ विकसित होने की क्षमता ही है जो इस डूगुडरी को अधिक बेहतर बना सकती है!'' ■

मेरे साथ वे सभी चीज़ें हो रही थी जो आपने अवसाद के बारे में सुनी होंगी... खाने का स्वाद चला गया था, संगीत में मजा नहीं था और दुनिया रंगहीन हो गई थी और यह वास्तव में डरावना था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं स्वयं को खो रहा हूँ।

Rotary PEOPLE OF ACTION

कोलकाता में शताब्दी समारोह का आयोजन

जयश्री

मैं पहले भी डबल अधिष्ठापन कर चुका हूँ। लेकिन यह पहली बार है जब मैं एक ट्रिपल अधिष्ठापन में भाग ले रहा हूँ,'' पीआरआईपी कल्याण बनर्जी ने कहा कि जो अपने गृह मंडल के डीजी के अधिष्ठापन, रो ई मंडल 3060 की स्थापना में भाग लेने के बाद कोलकाता में थे, और अगले दिन अपने होम रोटरी क्लब क्लब वापी के अध्यक्ष के अधिष्ठापन में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार थे। रोटेरियन के ठहाकों से हॉल गूँज उठा, जब उन्होंने कहा, ''जब शेखर ने मुझे आमंत्रित किया, तो सभी लोगों के समान, मैं भी चितकबरे बाँसुरी वाले की सुरीली धुन पर मंत्रमुग्ध चूहों की तरह दौड़ा चला आया'' और आगे कहा कि, ''इसके अलावा मैं अपने महोम टाउनफ के आमंत्रण का विरोध नहीं कर सकता। कोलकाता में वे पले-बढ़े है।''

अवसर था रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर के अध्यक्ष विनोद महिपाल; डीजी अजय अग्रवाल और आरआई निदेशक कमल संघवी की नियुक्ति का। यह कार्यक्रम, जिसकी एंकरिंग पीआरआईडी शेखर मेहता ने की, भारत में रोटरी शताब्दी समारोह की शुरूआत थी, और जब रोटरी क्लब कलकत्ता, रो ई मंडल 3291, 100 वर्ष पहले देश में चार्टर्ड होने वाला पहला क्लब बना था।

महिपाल और उनके पति ज्योति को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने कहा, ''आप एक महान इतिहास के साथ एक क्लब का नेतृत्व कर रहे हैं। वह करें जो आप इसे बहुत खास बनाने के लिए करना चाहते है।''

वर्ष 2016-17 के दौरान अपने 100 वें वर्ष में रोटरी फाउंडेशन के अध्यक्ष के रूप में अपने नेतृत्व को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''उस वर्ष को हमने दूसरे सबसे बडे.टीआरएफ दाता वाले देश के रूप में भारत के लिए बहुत विशेष बना दिया। यह वर्ष रोटरी भारत के शताब्दी वर्ष को चिन्हित करता है और हमें इसे यादगार बनाना चाहिए।'' उन्होंने सभी मंडलों से इस

संघवी दम्पत्ति के साथ बातचीत

सांघवी और सोनल के साथ एक जीवंत प्रश्नोत्तरी सत्र का आयोजन किया गया जिसकी एंकरिंग मेहता और राशी ने की जिसमें आरआई निर्देशक की हास्य प्रतिभा सामने आई और उनके कुछ शब्दों ने सीधे दिल के मर्मस्थल को स्पर्श किया।

इस अवसर पर वह कैसा महसूस करती हैं, इस सवाल के उत्तर में, सोनल ने कहा, ''मुझे उस पर गर्व है और मैं उसके साथ चलने का वादा करती हूँ।''

रोटरी में अपनी यात्रा के बारे में बताएं, यह मेहता द्वारा संघवी से पूछा गया उलझन भरा सवाल था। उसका जवाब: ''मेरी यात्रा दोस्ती और दुनिया में अच्छा करने से संबंधित है। यह सब प्यार, मोहब्बत और इश्क के बारे में है। उनमें से अनेक आज सिर्फ एक घंटे के कार्यक्रम के लिए देश के सुदूर कोने से यात्रा कर यहां आने का कष्ट किया है। यही रोटरी है। मैं सम्मानित हूँ।''

रोटरी में अपने कुछ विशेष पलों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने हैदराबाद में आयोजित दक्षिण एशिया साक्षरता शिखर सम्मेलन को याद किया। ''इसने मुझे लगभग छह महीनों के लिए समिति के 200 पिछले गवर्नरों, 100 अन्य रोटेरियन के साथ काम करने का अवसर दिया। मैंने उन सभी में जो संकल्प देखा, उसे कभी नहीं भुलाया जा सकता है।''

''कमल, आपको क्या प्रेरित करता है?'' मेहता ने पूछा, जिससे उन्होंने जल्दी से बनजी को इशारा किया और कहा, ''कल्याण द रोटरी के भगवान हैं।''

इवान्स्टन में बोर्ड रूम में अपनी पहली यात्रा के बारे में बात करते हुए, संघवी ने कहा, ''मैं उस समय अभिभूत हो गया, जब मुझे संकल्पों, अधिनियमों और नीतिगत फैसलों के कुछ 200 पन्नों को पढ़ना पड़ा। तभी मुझे लगा कि मैं अभी भी रोटरी के बारे में कुछ नहीं जानता हूँ। संसार के विभिन्न भागों से एक ही विषय के लिए अनेक प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई थी। एक जापानी प्रतिनिधि का दृष्टिकोण दक्षिण अफ्रीकी से अलग होता है।'' निवर्तमान निदेशक सी भास्कर ने पिछले महीने इवान्स्टन में दो आने वाले निर्देशकों - संघवी और भारत पांड्या के लिए एक चेंज-ओवर समारोह का आयोजन किया। ''जब भास्कर अपनी सीट देने के लिए उठे, तो मुझे टैग की व्यापकता का एहसास हुआ - 'रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर' और दूसरे क्षण सन्नाटा छा गया।'' यही वह क्षण था जब ''इस प्रतिशिष्ट कार्य'' के साथ उन्हें अपनी और पांड्या की बड़ी जिम्मेदारी का एहसास हुआ।

जब मेहता ने दंपति से प्राथमिकता के आधार पर रोटरी, कार्य और परिवार को सूचीबद्ध करने के लिए कहा, तो संघवी ने कहा, ''मैं परिवार-कार्य-रोटरी में विश्वास करता हूँ,'' जिस पर सोनल ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए कहा: ''उनके लिए यह रोटरी-रोटरी-रोटरी है।'' और संघवी ने चुहल करते हुए कहा: ''यह उनके लिए बड़ौदा-बड़ौदा-बड़ौदा है।''

कैटरीना कैफ उनकी पसंदीदा स्टार हैं और शोले उनकी पसंदीदा फिल्म। जब मेहता नए निदेशक के बारे में रोटेरियन के विचार जानने के लिए इधर-उधर गए, तो कुछ के एक पंक्ति वाला उत्तर मिला, जैसे: संघवी एक बढ़िया मुक्केबाज है, वह आसानी से दोस्त बनाते है।

बाएं से: सोनल संघवी, राखी सिन्हा, ममता अग्रवाल, RID कमल संघवी, DGE सुदीप मुकर्जी और रोटरी क्लब कोलकाता महानगर के भविष्य अध्यक्ष विनोद महिपाल की उपस्थिति में IPDG मुकुल सिन्हा मंडल का कार्यकलाप DG अजय अग्रवाल को सौंपते हुए।

बात का आह्वान किया, ''इस वर्ष कोई भी परियोजना कितनी भी बड़ी या कितनी भी छोटी क्यों न हो, इस वर्ष एक शताब्दी परियोजना करने के लिए, यहां तक कि स्मरणोत्सव को रो ई मंडल3291 में हरी झंडी दिखाई जाएगी।''

रो ई के अध्यक्ष मार्क मलोनी की उपस्थिति में माइलस्टोन को सम्मानित करने के लिए एक विशाल उत्सव की योजना बनाई जा रही है। बनजी और पीआरआईपी राजेंद्र साबू उत्सव कार्यक्रम के सलाहकार हैं। बेनर्जी ने जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के शोध पर प्रकाश डाला जिसमें कहा गया कि रोटेरियन दुनिया भर में 45 मिलियन घंटे स्वैच्छिक काम कर रहे हैं और यदि इसके लिए कोई कीमत निर्धारित किया जा सकता है, तो यह लगभग 850 मिलियन डॉलर के समतुल्य होगा।

सांघवी के साथ समानताएं दिखाते हुए उन्होंने कहा, ''हमारे प्रमुखों के अलावा जो एक समान प्रतीत होते हैं, यहां मैं एक बंगाली हूँ जो गुजरात में बस गया हैं जबकि आप बंगाल के पास बसे

बाएं से: *PRID शेखर मेहता, PRIP कल्याण बेनर्जी, RID कमल संघवी और सोनल कोलकाता में उत्सव कार्यक्रम में।*

हुए गुजराती हैं। मैं आपके मुख्यमंत्री की भाषा बोलता हूँ और कमल हमारे प्रधानमंत्री की भाषा बोलते हैं।''

संघवी ने निरंतर दो वर्षों तक अंतर्राष्ट्रीय असेंबली में आने वाले गवर्नरों के लिए प्रशिक्षक के रूप में कार्य किया था, उस वर्ष से जब वह रो ई अध्यक्ष थे। मफ्यह एक दुर्लभ विशेषाधिकार है। असेंबली में प्रशिक्षण के लिए न तो राजा साबू और न ही मुझे दूसरा वर्ष प्राप्त हुआ।''

स्टीवर्डशिप के मुद्दों और न्यायालयी मामलों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ''हम रो ई को किसी अन्य देश की तुलना में तुच्छ कानूनी मामलों पर सबसे अधिक पैसा खर्च करने वाला बनाते हैं। मेरी इच्छा है कि हम सभी अपने संस्थापक पॉल हैरिस के शब्दों को याद करें जिन्होंने रोटरी का उल्लेख 'एक संसार' के रूप किया था।''

जोरदार अभिवादन और तालियों के बीच, बनजी ने कहा, ''मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि रोटरी के पास वर्ष 2021-22 में प्रेसिडेंट होल्गर नैक का अनुसरण करने के लिए भारतीय प्रेसिडेंट नहीं हो सकता है। हाँ, हमारे पास एक सही उम्मीदवार उपलब्ध है और तैयार है, और केवल एक बात जिसे नामांकन समिति को करना है, वह है अगस्त के तीसरे सप्ताह में इसकी बैठक के दौरान अपना काम सही तरीके से करें। और जब ऐसा होता है ...'' थोड़ा विराम लेने के बाद उन्होंने कहा, ''ध्यान दें मैंने नहीं कहा कि 'यदि' - हम भारतीय रोटरी के शताब्दी को इससे अधिक उत्साह के नहीं मना सकते हैं।''

मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि रोटरी के पास वर्ष 2021-22 में प्रेसिडेंट होल्गर नैक का अनुसरण करने के लिए भारतीय प्रेसिडेंट नहीं हो सकता है।

कल्याण बेनर्जी
पूर्व रो ई अध्यक्ष

अपनी उपस्थिति के लिए बनजी को धन्यवाद देते हुए, संघवी ने कहा, ''जिस व्यक्ति की वह अनुकरण करने की कोशिश करते है और जिसके पद चिन्हों पर वह चलना चाहते है, उसकी उपस्थिति में शायद ही किसी को अपना नया काम शुरू करने का अवसर मिलता है, वह है कल्याणदा।'' मेहता और राशी के अलावा, उनके अन्य कट्टर समर्थकों में पीडीजी विवेक कु मार, संजय खेमका, डीजी गोपाल खेमका और डीजीई राजन गंडोत्रा उपस्थित थे।

उन्होंने क्लब के अध्यक्षों और रो ई मंडल 3291 के सचिवों और भारतीय रोटरी से आह्वान किया कि वे वृहद रूप से सार्थक और चिरस्थायी परियोजनाओं को निष्पादित करें तथा टीआरएफ में अधिक से अधिक दान दें। ''आइए हम इस विशेष वर्ष को अद्वितीय बनाएं और आगामी 100 वर्षों के लिए एक नया इतिहास रचें। अपने निरापद क्षेत्र में रहने से आपको कुछ प्राप्त होगा। अपरिचित क्षेत्रों की यात्रा कीजिए और अपने प्रत्येक कार्य से और हरेक कदम से हमारी दुनिया को लोगों के रहने के लिए एक बेहतर स्थान बनाएं।''

संघी परिवार के लिए यह बिल्कुल आश्चर्यचकित करने वाला अवसर था जब राशी मेहता संघवी की माँ और बहनोई को सभागार में लेकर आए, जिन्होंने उस युगल के लिए पारंपरिक आरती की।

इससे पहले दिन में, मंडल के 34 क्लबों और रोटारेक्टरों ने नए रोटरी वर्ष की शुरुआत के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर अनेक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया। डीजी अजय अग्रवाल ने कहा कि तैंतीस शिविरों में 8,000 लोगों की जांच की गई, और उन्होंने क्लब अध्यक्षों और सचिवों की अपनी टीम को ''अपने सपनों और लक्ष्यों के क्षितिज का विस्तार करने और इस शताब्दी वर्ष को बहुत खास बनाने के लिए पूरी कोशिश करने का आह्वान किया।''

चित्र: जयश्री

ADVT

bs builders
Engineers & Contractors

N. Manimaran, B.E.,

41-B, 4th Cross, Arulanandha Nagar,
Thanjavur-613 007.

+91 94433 53364

nmanibsb@gmail.com

जन्मजात दोषों से नवजातों को बचाने के लिए रोटरी साझेदारी

किरण ज़ेहरा

विक्षा, वेल्लोर की रहने वाली एक 11-माह की बच्ची को लाल और नीले फूलों वाली सुन्दर सफ़ेद पोशाक और एक मिलियन डॉलर की मुस्कान के साथ देखना रमणीय दृश्य लगता है। जब तक कि उसकी माँ आपको बच्ची की पीठ पर निशान नहीं दिखाती आप कह नहीं सकते कि उसने एक ज़िंदगी बचाने वाली मेरूदंड सर्जरी करवाने का साहस दिखाया है। *प्रोजेक्ट थालिरगल,* रोटरी क्लब मद्रास नार्थ, रोई मंडल 3232, टीआरएफ, तमिलनाडू सरकार और कावेरी अस्पताल, चेन्नई, की नवजातों को उनके मेरूदंड और मस्तिष्क की जन्मजात विकृति के लिए सुधारात्मक सर्जरियाँ प्रदान करने की एक संयुक्त पहल, के शुभारम्भ पर अन्य पांच नवजातों के साथ उसका अभिनन्दन किया गया।

गुलाम वाहनवती, टीआरएफ न्यासी, ने ''सरकार के साथ साझेदारी करने और अस्पताल के समर्थन के साथ 39 बच्चों की नि:शुल्क सफल सर्जरियाँ करने के लिए क्लब के प्रयास की सराहना की।'' उन्होंने रोटेरियनों से संस्थान को दिल खोलकर देने के लिए अपील की ''क्योंकि इससे हमारी सेवा परियोजनाएं - पोलियो उन्मूलन, शांति को बढ़ावा देना, और समुदायों

बाएं से: सतीश पी, DGE एस मुत्तु पळनियप्पन, एम अम्बलवानन, सुचित्रा सागर, IPDG बाबु पारम, अरविन्दन सेल्वराज, गणपती एम, प्रॉजेक्ट चेयरमेन डॉ बालमुरली, डॉ विजय भास्कर - तमिलनाडु स्वास्थ्य मंत्रि, TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, PDG ओलिवन्नन जी, वेंकटेश एन, DG जी चन्द्रमोहन और DGN जे श्रीधर शामिल हैं।

संस्थान को दिल खोलकर देने के लिए अपील की ''क्योंकि इससे हमारी सेवा परियोजनाएं – पोलियो उन्मूलन, शांति को बढ़ावा देना, और समुदायों का विकास जैसी परियोजनाओं – वित्तपोषित होती है। ये मुस्कराते बच्चे इस बात का सबूत है कि आपका पैसा परिवर्तन ला रहा है।

गुलाम वाहनती

TRF ट्रस्टी

रियान अपने माता-पिता के साथ।

का विकास जैसी परियोजनाओं – वित्तपोषित होती है। ये मुस्कराते बच्चे इस बात का सबूत है कि आपका पैसा परिवर्तन ला रहा है।''

डॉ जी बालमुरली, कावेरी अस्पताल के एक वरिष्ठ चिकित्सक और न्यूरोसर्जन, जो इस परियोजना का नेतृत्व कर रहे है, कहते है 1,000 नवजातों में से एक मेरूदंड और मस्तिष्क की विकृति से पीड़ित हो सकता है। ''ऐसे बच्चों का बौद्धिक स्तर कमज़ोर होता है और वे बाद में व्हीलचेयर के सहारे हो जाते है। ऐसे मस्तिष्क विकृति वाले बच्चों का इलाज चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यह जानकर आश्वासन मिलता है कि इस दोष के साथ जन्में बच्चों को टीआरएफ और राज्य सरकार की वजह से गुणवत्तापूर्ण देखभाल प्राप्त हो रही है।''

वह आगे कहते है ''आईसीयू में भर्ती नवजातों के माता-पिता के लिए, डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ उनके परिवार के सदस्य बन जाते है क्योंकि वे उनके बच्चों का जीवन बचाने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ काम करते है।'' जैसे ही कमरे में एक 8 माह के रियान की खिलखिलाकर हँसने की आवाज गूँजती है, चारों तरफ ख़ुशी और मुस्कराहट फ़ैल जाती है, अपने आंसुओं को पोछते हुए रियान की माँ कहती है, ''हमने उसे महीनों से लगातार रोते हुए सुना है; लेकिन यह खिलखिलाहट हमारे कानों के लिए संगीत जैसी है।''

तमिलनाडू के स्वास्थ्य मंत्री डॉ विजया भास्कर, जो मुख्य अतिथि थे, ने ''समाज के वंचित वर्गों के लोगों की मदद करके उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने और जन्मजात दोषों वाले बच्चों को नया जीवन प्रदान करने में रोटरी की भूमिका की सराहना की। मैं इस कक्ष में मौजूद सभी रोटेरियनों को बधाई देता हूँ एवं उनका धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने इसे संभव बनाया।''

पीडीजी जी ओलिवन्नन, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों – लिंडा (मंडल 6060, यूएसए), दुशान सोज़ा (मंडल 3220, श्रीलंका), जेम्स रोक्स्लो (मंडल 6780, यूएसए) और रोटरी क्लब ब्रेडली सनराइज, क्लीवलैंड, के अध्यक्ष रिक क्रेसी – को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने रोटेरियनों से इस बात को सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह यह परियोजना जारी रखना चाहते है ''ताकि हम जितना संभव हो उतने बच्चों को बचा सकें।'' बाल चिकित्सा सर्जरियों के अलावा, ₹34 लाख की लागत वाली थालिरगल परियोजना, गर्भावस्था के प्रारंभिक चरण में भ्रूण में मस्तिष्क और मेरूदंड के दोष का पता लगाने और गर्भवती महिलाओं में जन्मजात दोषों को रोकने के लिए जागरूकता फ़ैलाने हेतु पेशेवरों को शिक्षित और प्रशिक्षित करेगी।

चित्र: किरण ज़ेहरा

अब चेन्नई में एक बोन बैंक

जयश्री

हमने आई बैंक और एक ब्लड बैंक के बारे में सुना हैं। लेकिन हम में से अधिकांश लोगों के लिए एक बोन बैंक बहुत ही नई बात है। तमिलनाडु में पहला बोन बैंक खोला गया, जब हाल ही में चेन्नई के अड्यार कैंसर संस्थान में रोटरी क्लब मद्रास सेंट्रल, रो ई मंडल 3232 ने इस सुविधा का उद्घाटन किया। यह भारत में तीसरा ऐसा केंद्र है, जबकि अन्य दो टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट, मुंबई और बेंगलुरु में एम एस रमैया मेडिकल कॉलेज में हैं, जहाँ जीवित दाताओं की अस्थियाँ संरक्षित रखी जाती हैं।

''हम संभावित रूप से मस्तिष्क-मृत दाताओं से अस्थि प्राप्त करने वाले पहले बोन बैंक बन सकते हैं। यह उपलब्ध अस्थियों की संख्या और गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद करेगा,'' अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ के चंद्र कुमार कहते है, जो बोन बैंक के प्रमुख होंगे।

यह केंद्र मस्तिष्क-मृत मरीजों से प्राप्त किए गए अस्थियों को संरक्षित करेगी, जिसका उपयोग अस्थि कैंसर से प्रभावित रोगियों या दुर्घटना के शिकार लोगों के अस्थियों के क्षतिग्रस्त होने का उपचार किया जाएगा।

रो ई मंडल कमल सांघवी जिन्होंने हाल ही में इस केंद्र का उद्घाटन किया, उन्होंने इस ''बहुत जरूरी सेवा'' के लिए क्लब की सराहना की और कहा कि वे चाहते हैं कि ''देश के अन्य सभी हिस्सों में ऐसा केंद्र स्थापित किया जाएँ। यह वास्तव में एक अद्भुत उपहार है और कैंसर के मरीजों के लिए बहुत बड़ा वरदान है।''

रोटरी मद्रास सेंट्रल प्रहलाद दाई सरावगी बोन बैंक नामक बोन बैंक की स्थापना का कार्य केटाराक्वी किंग्स्टन, निपिगन, कंपाला नॉर्थ, सनराइज कंपाला के रोटरी क्लबों और टीआरएफ सहित वैश्विक अनुदान के सहयोग से संभव हो सका।

विनोद सरावगी ने परियोजना की उत्पत्ति के बारे में बताते हुए कहा कि इस विचार की कल्पना वर्ष 2016 में की गई थी जब तत्कालीन अध्यक्ष डॉ मनोज राजन और एस आर बालाकृष्णन ने अड्यार कैंसर अस्पताल के अध्यक्ष डॉ वी शांता के साथ विचार-विमर्श किया था। आवश्यक उपकरणों की खरीद पर 100,000 डॉलर के व्यय होने का अनुमान लगाया गया, तब सरावगी जी आगे आए और उन्होंने अपने परिवार के ट्रस्ट से 30,000 डॉलर का टर्म गिफ्ट दिया, जबकि तत्कालीन डीजी नटराजन नागोजी ने डीडीएफ से राशि की पेशकश की और मिलान राशि अंतरराष्ट्रीय भागीदारों और टीआरएफ द्वारा उपलब्ध कराया गया। अस्पताल ने अस्थि बैंक के लिए स्थान

IPP आर सरन्यन, PRID पी टी प्रभाकर, DG बाबू पेरम, विनोद सरौगी, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ के चंद्रकुमार, PDG अभिरामी रामनाथन और डॉ मनोज राजन की उपस्थिति में RID कमल संघवी (बाएं से दूसरे) बोन बैंक का उद्घाटन करते हुए।

उपलब्ध कराया और जरूरतमंद मरीजों के लिए मुफ्त में उपचार करने की सहमति दी। सरावगी जी कहा कि बोन बैंक के समुचित प्रबंधन के लिए डॉ चंद्रकुमार ने सिंगापुर और एस कोरिया में प्रशिक्षण लिया है।

प्रक्रिया

अंग दान के रूप में, मस्तिष्क-मृत व्यक्तियों की अस्थियों को गामा विकिरण का उपयोग करके जीवाणुनाशन के बाद काटा और प्रशीतित किया जाता है। उपचारित अस्थियों को एलोग्राफ्ट अस्थि कहा जाता है। इन अस्थियों का उपयोग कैंसर या ट्यूमर से प्रभावित अस्थियों को प्राकृतिक और स्थायी उपचार के लिए किया जाता है। वर्तमान में प्रभावित अस्थि के कटने के बाद ऐसे मरीजों का इलाज मेटल प्रोस्थेसिस से किया जाता है। संपूर्ण प्रक्रिया में न्यूनतम ₹1.5 लाख खर्च होंते है और इस प्रक्रिया को लगभग 15 साल बाद दोहराना पड़ता है। लेकिन एलोग्राफ्ट बोन फिटमेंट एक स्थायी समाधान है और पाँच गुना कम खर्चीला है, सरावगी जी कहते है।

देश के अन्य सभी हिस्सों में ऐसा केंद्र स्थापित किया जाएँ। यह वास्तव में एक अद्भुत उपहार है और कैंसर के मरीजों के लिए बहुत बड़ा वरदान है।

कमल संघवी
रो ई निदेशक

इन अस्थियों का उपयोग रीढ़, कूल्हे और घुटने की सर्जरी में और घातक, सामान्य और मैक्सिलोफेशियल घावों के उपचार में भी किया जाता है। कैंसर संस्थान ने लाइसेंस के लिए चिकित्सा और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, तमिलनाडु सरकार के पास आवेदन किया है ताकि केंद्र में ब्रेन-डेड डोनर से अस्थियाँ प्राप्त की जा सके, और जीवाणुनाशन के लिए कलपक्कम में इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया हैं। अस्थियों का शेल्फ लाइफ तीन से पाँच वर्षों का होगा, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वे फ्रीज-ड्रायड हैं या गहरे जमे हुए हैं।

सरावगी जी ने कहा कि प्रति वर्ष कैंसर संस्थान के बोन बैंक को कम से कम 40 से 50 मरीजों को लाभ होगा।

इसके उद्घाटन के अवसर पर पीआरआईडी पी टी प्रभाकर, डीजी बाबू पेरम, क्लब के अध्यक्ष आर सरायन, भूतपूर्व गवर्नर और क्लब के सदस्य उपस्थित थे। कैंसर संस्थान के उपाध्यक्ष हेमंत राज ने कहा कि वह इस केंद्र को स्थापित होने से वे बहुत खुश है और इसके लिए उन्होंने रोटरी को धन्यवाद दिया। ''यह वास्तव में एक मील का पत्थर है। अब हम अपने मरीजों के उपचार के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं,'' उन्होंने कहा और आगे बताया कि जरूरतमंदों को बोन ट्रांसप्लांट मुफ्त में उपलब्ध कराई जाएगी।

रोटरी परियोजना को व्यापक मीडिया कवरेज प्राप्त हुआ, जिसका श्रेय मंडल के पब्लिक इमेज एसोसिएट अध्यक्ष श्रीहरि अभिलाष, रोटरी क्लब यूनाइटेड चेन्नई के सदस्य, को जाता है। ■

रोटरी ने नासिक में रोक बांध का निर्माण किया

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब नासिक, रो ई मंडल 3030, ने दो चेक बांधों - अम्बे गांव में शिवशेत जलबांध; और शिवशेत गाँव में श्रीराम जलबांध का निर्माण किया है, दोनों ही पेठ तालुक में आते है। दोनों बांध संयुक्त रूप से 1.1 करोड़ लीटर पानी को भंडारित करने में सक्षम है।

जब रोटेरियन को इन गाँवों में पानी की गंभीर कमी के बारे में पता चला, तो उन्होंने युद्धस्तर पर कार्य करना शुरू किया। गाँवों को गोद लेने की परियोजना (2018-19) के निदेशक श्रीनंदन भालेराव ने कहा, ''अम्बे गांव में एक रोक बांध के लिए हमारी बोर्ड की स्वीकृति मिलने के बाद, हमने अपने क्लब के सदस्य के माध्यम से महिंद्रा एंड महिंद्रा के सीएसआर फंड के लिए अनुरोध किया।''

संस्था के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और बांध का निर्माण पिछले साल अगस्त के दौरान किया गया। ''ग्रामीण मानसून के बाद रोक बांध को लबालब भरे देखकर खुश थे,'' भालेराव ने कहा।

क्लब को जल्द ही शिवशेत गाँव में एक और ऐसे रोक बांध का निर्माण करने का अनुरोध प्राप्त हुआ है। इस बार वहाँ रोक बाँध बनाने के लिए भारतीय वाल्व अपनी निधि को एकसाथ समूहित करने के लिए आगे आए।

इन नए रोक बाँधों के निर्माण से, दो बस्तियों में पानी की कमी पूरी तरह से समाप्त हो गई है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि गाँवों में खेती करने का प्रतिरूप भी व्यापक रूप से बदल जाएगा क्योंकि ''अब किसान केवल एक उपज के आधार पर रोक बाँध के पानी का उपयोग करके दो फसलें उगा सकते हैं,'' भालेराव ने कहा। इस बड़े बदलाव से उनकी आय में वृद्धि होगी, और इस प्रकार शहरों की उनका पलायन कम होगा। ■

फरोजाबाद में एक विशाल सर्जरी शिविर

वी मुत्तुकुमारण

फिरोजाबाद के यूनिटी अस्पताल में एक 10-दिवसीय 'रोटापलास्ट' चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के आयोजन में आगरा ताजमहल, फिरोजाबाद, आगरा उत्तर और शिकोहाबाद के रोटरी क्लबों, रो ई मंडल 3110 ने अपना भरपूर सहयोग दिया। चिकित्सा निदेशक कार्ला वेर्नहौस की अगुवाई में 21 विदेशी डॉक्टरों की एक टीम और नर्स मरियम मैकेंजी के नेतृत्व वाले पैरामेडिक्स स्वयंसेवकों द्वारा 55 से अधिक लोगों का कटे-फटे होठ और जले हुए अंगों का उपचार किया गया। रोटरी क्लब आगरा ताजमहल से अध्यक्ष राहुल वाधवा, रोटेरियन दिव्या वाधवा; और डीजी अरुण जैन के साथ रोटरी क्लब फिरोजाबाद के अध्यक्ष पीडीजी लक्ष्मी कांत बंसल ने इस परियोजना का प्रबंधन किया।

रोटापालास्ट प्रोजेक्ट के चेयरमेन राहुल वाधवा (अंतिम पंक्ति, दाए) के साथ यु एस से आई चिकित्सा टीम। मेडिकल डायरेक्टर करला रेनइन्गहौस (बाएं, दूसरी पंक्ति) और मिशन निदेशक ब्रायन एल बॉकर (बाए, तीसरी पंक्ति) भी चित्र में शामिल हैं।

इस विशाल स्वास्थ्य परियोजना के आयोजन से अन्य गांवों में विभिन्न स्थानों से आए 218 लोगों में से 99 प्रतिशत लोगों को मदद मिलि। सर्जरी की जरूरत वाले 63 लोगों की गई और 53 सर्जरी की गई। वाधवा ने कहा कि जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी, फिरोजाबाद के सीएमओ डॉ एस के दीक्षित, रोटेरियन डी वी शर्मा और पीडीजी नरेश सूद ने शिविर के सफल निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

रोटाप्लास्ट कैंप के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए एकता अस्पताल के वरिष्ठ निदेशक डॉ रवि पचौरी और उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए वाड्वा ने कहा कि, ''उन्होंने हमें तकनीकी सहायक, ओटी और नर्सिंग स्टाफ सहित 30 बेड सहित 27 ऑपरेशन बेड, प्री-ऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव आईसीयू उपलब्ध कराया।''

ममता, 12-वर्षीय खुशी की माँ, अपनी बेटी के जले हुए चेहरे को पहले जैसा बनाए जाने को देख कर बहुत खुश हो गई। वे फिरोजाबाद से 50 किलोमीटर दूर एक गाँव से आए हैं और ''हम इस मुफ्त ग्राफ्ट सर्जरी के लिए रोटरी के बहुत आभारी हैं।'' सर्जरी के लिए उन्हें निजी अस्पताल में ₹5-7 लाख खर्च करने पडते, ''जिसे वहन करना हमारे लिए संभव नहीं है। हम सभी बहुत गरीब हैं और विपन्नता का जीवन जी रहे हैं।''

पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में रोगी।

परियोजना का समन्वय रोटरी क्लब आगरा ताजमहल के डीजी अरुण जैन, रोटेरियन दिव्या वाधवा और रोटरी क्लब फिरोजाबाद के पीडीजी लक्ष्मी कांत बंसल द्वारा किया गया था। इस विशाल स्वास्थ्य अभियान के लिए महीनों पहले से, क्लबों ने फेसबुक और व्हाट्सएप के माध्यम से प्रचार अभियान को जनता तक पहुंचाया। आगरा, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और 70 अन्य गांवों में विभिन्न स्थानों पर 100 से अधिक होर्डिंग्स और बैनर लगाए गए थे। सर्जरी की जरू रत वाले लोगों की पहचान करने के लिए विभिन्न स्थानों पर स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए गए। ■

The Rotary Foundation | END POLIO NOW | Rotary India 100 Years

हमारा "पहला" कर्तव्य

दुनिया को पोलीओ से मुक्त करना।

पोलीओ मुक्त योजना** के लिए सहयोग करें।

₹. 1 लाख

GET 3 BENEFITS

Rotary EPF
END POLIO FELLOW

3 लाभ प्राप्त करें

1. आपके द्वारा दी गई सहयोग राशी 1 लाख रुपये को मद्धेनज़र रखते हुए मेलिण्डा गेट्स फाउंडेशन के द्वारा 2 लाख रुपये का सहयोग दिया जाएगा। इस प्रकार पोलिऑ ग्रस्त रोगी को कुल मिलाकर 3 लाख रुपये का लाभ प्राप्त होगा।
2. रोटरी फाउंडेशन आपको PHF / MPHF / Major Donor जैसी मान्यता देगा और आपको 80G छुट भी प्राप्त होगी।
3. पोलिओ मुक्त योजना में आपके द्वारा सहयोग राशी को ध्यान में रखते हुए विशेष जिला मान्यता* दी जायेगी जैसे कि...

- एण्ड पोलिओ फेल्लो पिन
- अंगवस्त्र
- RID, Trustee, EPNC & DG के द्वारा प्रमाण पत्र

** Cheque or DD favouring **ROTARY FOUNDATION (INDIA)** payable at New Delhi Or online www.endpolio.org/donate

* Conditions Apply

For Details Contact - Your DG, DRFC & Dist. Polio Chair & EPNC

EPNC **Dr. Saga**
Rtn. PDG Dr E.K. Sagadhevan, Member - INPPC
End Polio Now Coordinator, for Zone 5 & 7, India & Sri Lanka.
RID 3202. Pdgdrsaga@gmail.com. +91 99944 77725
MD, Lotus Hospital, Erode - 638 002.

हैमबर्ग से

अपने परिवार और दोस्तों के साथ रो ई अध्यक्ष बेरी रेसिन और एस्थर।

रो ई निदेशक भरत पांड्या, कमल संघवी और सोनल।

कुछ यादें

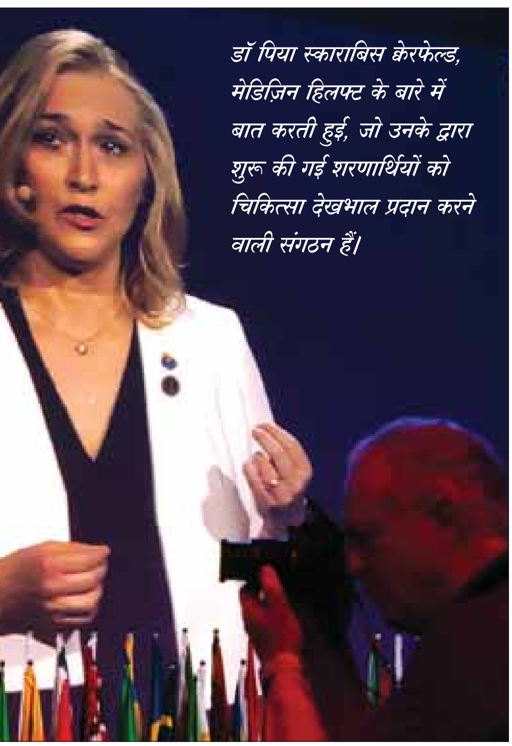

डॉ पिया स्काराबिस क्रेरफेल्ड, मेडिज़िन हिलफ्ट के बारे में बात करती हुई, जो उनके द्वारा शुरू की गई शरणार्थियों को चिकित्सा देखभाल प्रदान करने वाली संगठन हैं।

PRID अशोक महाजन, PRIP फ्रैंक देवलिन और PRID वाई पी दास।

RID सी भास्कर और
माला कन्वेंशन में।

एक रोटरी यूथ इकस्चेन्ज
स्टूडेंट भारत का
प्रतिनिधित्व करते हुए।

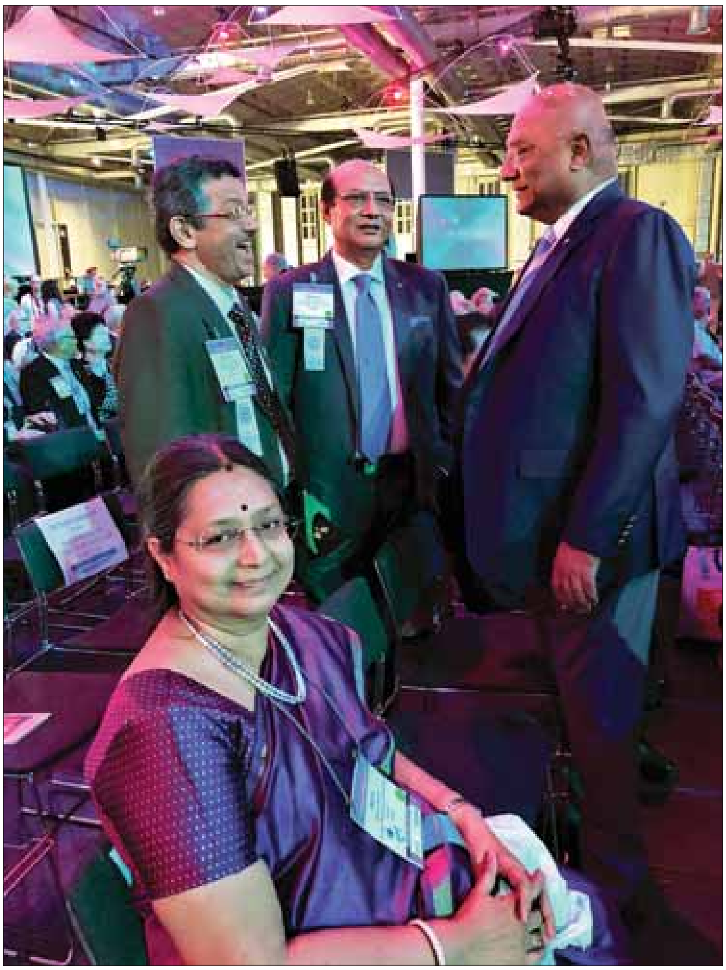

ऊपरः एक ब्रेकडांस प्रदर्शन।

बाएंः RID सी भास्कर, निर्वाचित रो ई निदेशकों भरत पांड्या और कमल संघवी के साथ। चित्र में माला भी शामिल हैं।

निचेः रो ई अध्यक्ष रेसिन और PRID वाई पी दास।

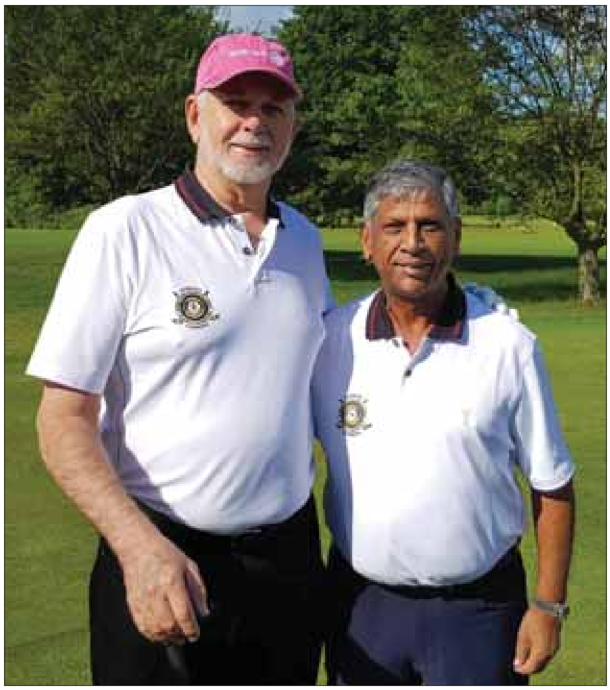

चित्र: रशीदा भगत और विशेष व्यवस्था

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी क्लब मैसूर ने मनाई प्लैटिनम जयंती

रशीदा भगत

चूंकि आप आपके 75वें वर्ष, या आपकी प्लैटिनम जयंती, का उत्सव मना रहे है, मैं आपसे गुजारिश करता हूँ कि आप एक विशेष प्लैटिनम जयंती परियोजना अपने हाथों में ले, जो कि एक बड़ी, वृहद परियोजना हो। आपके क्लब के सदस्य तय कर सकते है कि वह क्या होगी, और आपको उसे इसी वर्ष पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि स्वास्थ्य देखभाल एवं साक्षरता दोनों ही क्षेत्रों में आपकी पकड़ मजबूत है, आप इन दो क्षेत्रों में से किसी एक में जयंती परियोजना करने के बारे में विचार कर सकते है,'' रोटरी क्लब मैसूर के 75वें वर्ष के उत्सव में भाग लेने के दौरान पूर्व रो ई अध्यक्ष कल्याण बेनर्जी ने कहा।

उन्होंने कहा कि जब 5 जुलाई, 1944 को क्लब की स्थापना हुई, तो वह भारत के पहले 10 रोटरी क्लबों में से एक बन गया। (यह रो ई मंडल 3181, पूर्व में 3180, का सबसे पुराना क्लब है)। ''आपने शायद अपनी दीर्घायु का पूर्वानुमान नहीं लगाया होगा ठीक वैसे ही जैसे 1944 में एक दो-वर्षीय बालक के रूप में मैंने नहीं सोचा था कि 77 वर्ष की आयु में मैं आपके साथ आपकी प्लैटिनम सालगिरह की खुशियाँ साझा करूंगा!''

महान सेवा परियोजनाएं

अपने अस्तित्व के 75 वर्षों के दौरान क्लब द्वारा की गई महान सेवा परियोजनाओं के लिए, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, दशकों तक उन्हें बरकरार रखने एवं उन्हें बढ़ाने के लिए उनकी सराहना करते हुये, उन्होंने कहा कि मैसूर आने से पूर्व क्लब की परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के दौरान, वह रोटरी क्लब मैसूर द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में की गई विभिन्न पहलों से प्रभावित हुये। ''मुझे याद है कि मैंने रोटरी इंटीग्रेटेड स्कूल की आधारशिला रखी थी और अब आपके पास स्वलीनता एवं डिस्लेक्सिया

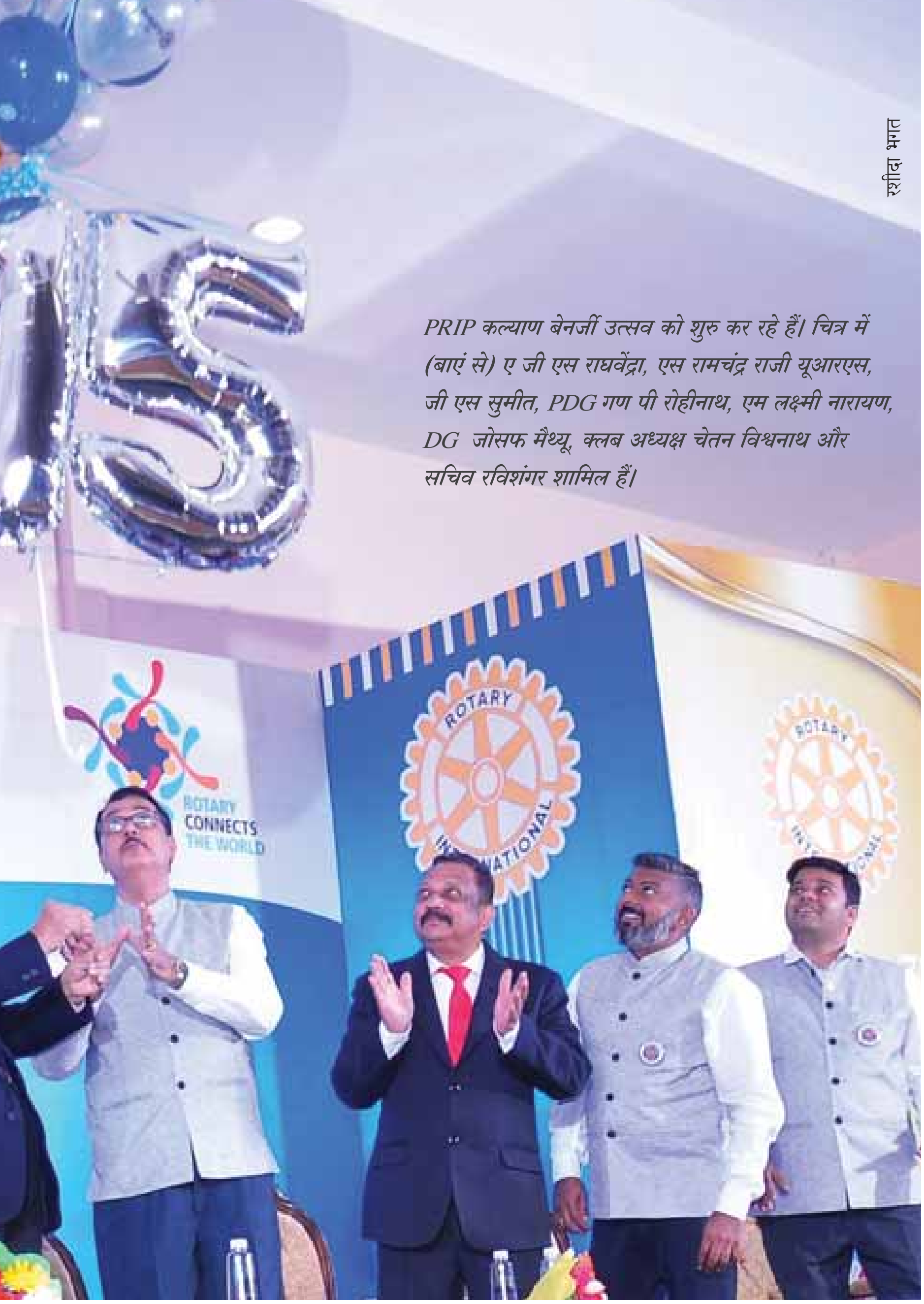

रशीद भट्ट

PRIP कल्याण बेनर्जी उत्सव को शुरु कर रहे हैं। चित्र में (बाएं से) ए जी एस राघवेंद्रा, एस रामचंद्र राजी यूआरएस, जी एस सुमीत, PDG गण पी रोहीनाथ, एम लक्ष्मी नारायण, DG जोसफ मैथ्यू, क्लब अध्यक्ष चेतन विश्वनाथ और सचिव रविशंगर शामिल हैं।

से पीड़ित बच्चों के लिए वहाँ एक सम्पूर्ण नियमित स्कूल एवं गतिविधि केंद्र है।''

उस स्कूल का विस्तार किया गया था और उस स्कूल का दौरा करके एवं उस दिन की शुरुआत में रोटरी मैसूर प्लैटिनम जयंती खण्ड के लिए आधारशिला रखकर बैनर्जी खुश थे।

रोटरी क्लब मैसूर के एक सदस्य पीडीजी एम लक्ष्मी नारायण ने कहा कि रोटरी मैसूर इंटीग्रेटेड स्कूल जो लंबे समय से स्वलीनता एवं डिस्लेक्सिया से पीड़ित बच्चों को सामान्य बच्चों की कक्षाओं में एकीकृत करने के लिए काम कर रहा है, में आने वाले इस नए खंड की लागत 60 लाख है और उसमें स्वलीनता एवं सीखने की विकलांगता से पीड़ित बच्चों के लिए 10 कक्षाएँ होंगी। वर्तमान में इन बच्चों की कक्षाएं मौजूदा स्कूल परिसर में लगाई जा रही है।

पीआरआईपी बेनर्जी ने रोटरी मैसूर आर्टिफ़िशियल लिंब सेंटर के प्लैटिनम जयंती खंड का उद्घाटन किया और उन लाभार्थियों से बातचीत की जिन्होंने इस रोटरी केंद्र से कृत्रिम अंग प्राप्त किए है। इस केंद्र की स्थापना 1998 में गरीबों, आर्थो पेडिक रूप से विकलांग व्यक्तियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए की गई थी क्योंकि मैसूर में ऐसी सुविधा का पूर्ण रूप से अभाव था जो जरूरतमंदों को मुफ्त में कृत्रिम अंग दे सकें। अब तक इसने 426 अंग वितरण शिविरों के माध्यम से 9,200 कृत्रिम अंगों का निर्माण एवं दान किया है।

सुबह इन परियोजनाओं को देखने के बाद, बैनर्जी ने अभिनंदन समारोह में कहा: ''सच में, आपका कार्य पूरी तरह उत्कृष्ट है... आपके जितने पुराने एवं परम्पराओं वाले क्लब के लायक। और एक बार फिर मैं आपसे इस वर्ष के दौरान एक अच्छी प्लैटिनम जयंती परियोजना शुरू करने का आग्रह करता हूँ।''

अपने मंडल में पूर्ण साक्षरता को सुनिश्चित करें

बैनर्जी ने कहा कि भारतीय रोटेरियन भारत सरकार के साथ हाथ मिलाकर भारत को पूर्ण रूप से साक्षर बनाने के लिए अब गूढ़ तरीके से काम कर रहे है। ''वास्तव में, वह सरकार है जिसने रोटरी से इसके लिए सहायता मांगी है जैसे कि हमने देश से पोलियो को उन्मूलित करने में की थी। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने हमसे कहा है, 'रोटरी – आपने भारत को पोलियो मुक्त किया है। अब भारत को पूरी तरह साक्षर बनाने में हमारी मदद कीजिए।' हाँ, टीके हमारे बच्चों के जीवन की रक्षा करते है; साक्षरता हमारे बच्चों को शिक्षित करती है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है, एक बड़े, बेहतर तरीके से।''

उन्होंने कहा रोटरी क्लब मैसूर को सुनिश्चित करना चाहिए कि कम से कम ''मैसूर राजस्व ज़िले का हर बच्चा साक्षर हो। जाइए और अभिभावकों एवं उनके बच्चों से मुलाक़ात कीजिए, गाँव के स्कूलों में जाइए और सुनिश्चित कीजिए कि वहाँ शिक्षक, कक्षाएँ एवं छात्राओं के लिए शौचालय हो। शायद आप मंडल के हर स्कूल में एक लैपटाप या आईटी सुविधा प्रदान कर सकें, जैसा कि वे महाराष्ट्र और गुजरात में कर रहे है। आप वास्तव में बहुत कुछ कर सकते है। क्या ये विचार आपको उत्तेजित करते है? यदि वे करते है, तो इस विशेष वर्ष में आपको इसी रास्ते चलना चाहिए।''

आपके टीआरएफ़ दान को बढ़ाइए

पूर्व रो ई अध्यक्ष ने कहा है कि उन्होंने टीआरएफ़ में दान के मामले में क्लब के इतिहास पर उनका गृहकार्य किया और पाया कि पिछले 75 वर्षों

ऊपरः आइडियल जवा रोटरी स्कूल में कंप्यूटर पर पढ़ रहे बच्चे। ***दाएंः*** *रोटरी मैसूर कृत्रिम अंग केंद्र में PRIP कल्याण बेनर्जी एक लड़के को सहारा देते हुए। चित्र में डी जी मैथ्यू, क्लब अध्यक्ष चेतन विश्वनाथ, PDG गण लक्ष्मी नारायण, रोहीनाथ भास्कर श्रीनिवास और आर गुरु भी शामिल हैं।* ***नीचेः*** *रोटरी मैसूर लाइब्रेरी।*

रोटरी इनग्रैटड स्कूल में PRIP कल्याण बेनर्जी छात्रों के साथ बातचीत में।

में क्लब का कुल दान 298,547 डॉलर है, और टीआरएफ़ में उनका औसत वार्षिक दान लगभग 12,000-13,000 डॉलर के आसपास है। सदस्यों को इस वर्ष हमारे टीआरएफ़ में एक विशेष दान देने के उनके प्रस्ताव पर गौर करना चाहिए। आप क्या देंगे वो आप पर निर्भर करता है। इस वर्ष का उत्सव मनाने के लिए शायद प्रति सदस्य 75,000 या प्रति व्यक्ति 75 डॉलर। राशि से अधिक आपके भाव की अहमियत है।

क्लब ने साक्षरता पर रोटरी मैसूर स्कूल में 48,000 डॉलर के मूल्य की एक वैश्विक अनुदान परियोजना की है। ''इसे और अधिक विस्तारित करने का समय आ गया है। अधिक स्कूलों और अधिक बच्चों की ओर देखिये। और शायद इस विशेष वर्ष में, आपका क्लब आपके मंडल को आपका पहला AKS सदस्य दे सकता है, वैसे ही जैसे बढ़ती संख्या में भारत के रोटेरियन आज कर रहे है। और आपकी उदारता को देखते हुये, मैं जानता हूँ कि आप इसे आसानी से एवं बारंबार कर सकते है।''

साथ ही, उन्होंने सुझाव दिया, क्लब को मैसूर जैसे तकनीक प्रेमी शहर में उसकी मौजूदगी का लाभ उठाना चाहिए, और उन स्कूलों में विद्यार्थियों

तक ई-अध्ययन पहुंचाने में मदद करनी चाहिए जहाँ कंप्यूटर शिक्षा मौजूद नहीं है। साथ ही, जब वे उनके 75वें वर्ष का उत्सव मना रहे है, ''पूरी रोटरी भारत में उसके 100वें वर्ष का उत्सव मना रही है। रोटरी सबसे पहले कोलकाता में 1919 में आई थी। और हमारी प्रसन्नता की कोई सीमा नहीं होगी यदि अगले माह, भारत को नामांकन समिति द्वारा चयनित उसका चौथा अंतर्राष्ट्रीय रोई अध्यक्ष मिलेगा। क्या यह कुछ ऐसा नहीं होगा जिसकी प्रार्थना की जानी चाहिए क्योंकि भारत से दो विख्यात रोटेरियनों ने उनका नाम चयन के लिए दिया है? बदकिस्मती से, अध्यक्ष हेतु चुने जा चुके दिल्ली के पीआरआईडी सुशील गुप्ता को स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ना पड़ा। इसलिए हम सभी आशा कर रहे है कि हमें भारत से एक और अध्यक्ष मिलेगा।''

शहर एवं मंडल के सभी पूर्व गवर्नरों का अभिवादन करते हुये - जैसे वसुदेव मूर्ति, जो अब 94 साल के है, लेकिन हमेशा की तरह ही चुस्त-दुरुस्त है, बी एम चेंगप्पा, एच एस शिवन्ना, जी के बालकृष्णन, आर गुरु, रवि अप्पाजी जो बाढ़ पीड़ितों के लिए घर बनवाने का बढ़िया काम कर रहे है, आर गुरु जो इस मंडल की एक नामी-गिरामी हस्ती है, लक्ष्मी नारायण जो मुझे आमंत्रित करने के बाद बॉम्बे तक आए हालांकि मैंने उनसे कहा था कि इसकी कोई आवश्यकता नहीं है, और रोहिनाथ,'' बेनर्जी ने क्लब सदस्यों से आग्रह किया कि वे उन्हें क्लब की 100वीं वर्षगांठ के उत्सव पर भी आमंत्रित करें। ''मुझे कॉल कीजिएगा और मैं आऊँगा क्योंकि तब मैं केवल 102 वर्ष का रहूँगा!''

रोटरी क्लब मैसूर का इतिहास

विशाल समारोह में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुये, पीडीजी लक्ष्मी नारायण ने क्लब के 75 वर्षों का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। रोटरी क्लब बैंग्लोर ने 1944 में इस क्लब को प्रायोजित किया था। ''ए वी अनथरमन, जो रोटरी क्लब बैंग्लोर के एक सदस्य थे, ने उन दिनों एक रोटरी क्लब बनाने के लिए मैसूर के कुलीन वर्ग को आमंत्रित किया और ऐसा 7 मार्च, 1944 को हुआ था। लेकिन हमें अधिकार पत्र 5 जुलाई को मिला था, इसलिए हम जुलाई में उत्सव मना रहे है।''

उन्होंने कहा, यह क्लब पहले दिन से ही समुदाय की जरूरतों की पूर्ति कर रहा है, और उनकी पहली परियोजनाओं में से एक थी बच्चों के पुस्तकालय की स्थापना करना। ''1955 में भारत के पहले रोटरी क्लब, रोटरी क्लब कलकत्ता, द्वारा उस शहर में स्थापित किए गए पुस्तकालय के बाद हमारा पुस्तकालय दूसरा था।''

लेकिन उन दिनों क्लब की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना, पीडीजी नारायण ने कहा, एक रोटरी स्कूल - द आइडियल जावा रोटरी स्कूल - स्थापित करने की थी। ''एक युगल, पीडीजी फारुख ईरानी, जो, मुझे कहना चाहिए, जन्म से एक रोटेरियन थे, और शीला ईरानी, दोनों की ही बच्चों को शिक्षित करने में रुचि थी, ने रोटरी चेरिटेबल ट्रस्ट के साथ हाथ मिलाया और मैसूर में इस अद्भुत रोटरी स्कूल की शुरुआत की, जो आज तक 50,000 से अधिक बच्चों को शिक्षित कर चुका है।'' उनमें से बहुत से आज दुनिया में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है। हाल ही में स्कूल ने उसकी स्वर्ण जयंती मनाई।

रशीदा भगत

PRIP कल्याण बेनर्जी और बिनोता को PDG गुरु और उनकी पत्नी सुलोचना ने सम्मानित किए।

वर्ष 1997 में, पीडीजी आर गुरु द्वारा शुरू की गई पहल की वजह से, रोटरी मैसूर आर्टिफ़िश्यल लिंब सेंटर शुरू हुआ और उसने समुदाय की अत्यंत सेवा की है। उसके बाद आता है एक रक्त बैंक और फिर एक दूसरा स्कूल, आईरोटरी इंटीग्रेटेड स्कूल, ''जो सामान्य स्कूलों की तरह नहीं है। हमने सोचा कि हमें स्वलीन बच्चों को लेना चाहिए और उन्हें प्रशिक्षित करना चाहिए और एक बार प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, उन्हें नियमित स्कूलों में शामिल किया जाता है। हमारे पास विशेष बच्चों के लिए प्रशिक्षण केंद्र और एक सामान्य स्कूल दोनों है।''

जहाँ नए खंड में 10 से 12 विशेष बच्चे ठहर सकते है, हमारी शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करने की योजना है ताकि वे ऐसे बच्चों की पहचान कर सकें क्योंकि बहुत से स्कूलों में, जब बच्चा धीरे प्रगति करता है तो शिक्षक नहीं समझ पाते कि बच्चे को सीखने की विकलांगता है। ''इसलिए ऐसे बच्चों को पहचानने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना एक अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता है। पीआरआईपी बेनर्जी ने कहा कि इस केंद्र के लिए वह ₹1 लाख दान करेंगे।''

मंडल 3181 के डीजी जोसफ़ मैथ्यू ने दशकों से किए जा रहे ''अद्भुत एवं अनुकरणीय'' कार्य के लिए रोटरी क्लब मैसूर को बधाई दी। ''आपका क्लब केवल एक क्लब नहीं है; यह एक संस्थान है जिससे दूसरे क्लब बहुत कुछ सीख सकते है, चाहे वह प्रोटोकॉल हो, अनुशासित तरीके से बैठकों का संचालन करना हो या सेवा परियोजनाएं करना हो।''

इस बात की घोषणा करके वह प्रसन्न थे कि अब तक वह मंडल से 19 प्रमुख दानकर्ता लाने में सफल हुये है: ''मैंने आपके क्लब सदस्यों में से एक, अमीर वाघ से 20वां सदस्य बनने के लिए बात की और वह तुरंत राज़ी हो गए। वाघ द्वितीय स्तर के प्रमुख दानकर्ता है और अब तक टीआरएफ़ को 10,000 डॉलर का योगदान दे चुके है।''

पीडीजी पी रोहिनाथ ने क्लब की अनुकरणीय सेवा परियोजनाओं के लिए उसको बधाई दी जिनमें विशेष रूप से 50 वर्षों से अस्तित्व में मौजूद रोटरी स्कूल और कृत्रिम अंग केंद्र शामिल है।

क्लब अध्यक्ष चेतन विश्वनाथ ने दशकों से रोटरी क्लब मैसूर के पूर्ववर्ती अध्यक्षों द्वारा स्थापित सामुदायिक सेवा और साहचर्य में सर्वश्रेष्ठ परंपराओं को बनाए रखने का संकल्प लिया और सदस्यों से समुदाय की सेवा जारी रखने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। ■

इंटीग्रेटेड स्कूल की उत्पत्ति

इंटीग्रेटेड स्कूल के इतिहास और इसकी आवश्यकता को बताते हुये, पीडीजी गुरु ने समझाया कि यद्यपि मैसूर की जनसंख्या लगभग एक मिलियन है, फिर भी यहाँ स्वलीनता एवं अन्य अध्ययन विकलांगता से पीड़ित बच्चों की शिक्षा के लिए कोई समर्पित सुविधा नहीं है, हालांकि शहर में आंकलन एवं परामर्श केंद्र मौजूद है। इस बात ने रोटरी क्लब मैसूर को एक ऐसे स्कूल की कल्पना करने के लिए प्रेरित किया जो ऐसी अक्षमताओं वाले बच्चों की जरूरतों को पूरा कर सके। ''ऐसे बच्चों को उचित रूप से प्रशिक्षित करने एवं उनका समर्थन करने के लिए हम परिस्थितियों का निर्माण करना चाहते है ताकि उन्हें एक नियमित स्कूल में बच्चों के साथ एकीकृत किया जा सके।''

जगह के लिए दत्तागल्ली का चुनाव किया गया जो मैसूर का नया विस्तारण है एवं बाहरी सीमा पर स्थित है और गांवों से घिरा हुआ है। रोटरी मैसूर ने अपने परोपकारी न्यास के माध्यम से ₹1.72 करोड़ खर्च किए जिसे संस्थानों से मिले दान एवं क्लब सदस्यों के माध्यम से इकट्ठा किया गया था।

स्कूली बच्चों के लिए सुबह का नाश्ता

टीम रोटरी न्यूज

रोटरी क्लब पर्लसिटी तूतीकोरिन, रो ई मंडल 3212 के सदस्य, एम बालमुरुगन मुस्कुराते हुए कहते हैं, ''एक स्कूल में हमने जो सुबह के नाश्ते की योजना शुरूकी है, उससे 30 और छात्र आकर्षित होकर शामिल हुए हैं।''

एक परिवर्तन की खोज के दौरान यह पाया गया कि अधिकांश छात्र सुबह का नाश्ता नहीं करते हैं, दो साल पहले क्लब को इस परियोजना को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह बात तब की है जब क्लब ने एक कॉलेज परिसर में छात्रों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया था। जब नर्स ने घोषणा की कि केवल सुबह का नाश्ता किए हुए लोग ही रक्तदान कर सकते थे, ''हम यह देखकर चौंक गए कि जो 40 छात्र रक्तदान करने के लिए आगे आए थे, उनमें से 20 ने नाश्ता नहीं किया था।'' उन्हें उसी समय नाश्ता परोसा गया।

क्लब ने तब उस क्षेत्र में स्कूली छात्रों के बीच इसी तरह का सर्वेक्षण किया। और अध्ययन ने एक और चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया - उनमें से लगभग दो-तिहाई बच्चें खाली पेट स्कू ल आए थे। गरीबी या माता-पिता दोनों के काम पर जाने के कारण, उनके पास बच्चों के लिए एक अच्छा नाश्ता तैयार करने का समय नहीं था। ''वे बडी आशा के साथ स्कूल आए, दोपहर के भोजन के लिए तत्पर थे। यह एक आंख खोलने वाली घटना थी और हमने कस्बे के एसएवी प्राइमरी स्कूल में सभी 45 छात्रों को नाश्ता उपलब्ध कराने की योजना पर काम किया,'' बालामुरुगन कहते है। सुबह का नाश्ता उपलब्ध कराने के कारण, इन दो वर्षों के दौरान 30 और छात्रों ने स्कूल में दाखिला लिया है।

क्लब अब अन्य स्कूलों में परियोजना का विस्तार करने के लिए भागीदारों की खोज कर रहा है। शहर के चार रोटरी क्लब समय-समय पर नकद या अन्य प्रकार से योगदान देते हैं। एक दिन का नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए लगभग ₹1,000 खर्च होता है। एक क्लब सदस्य गैस सिलेंडर उपलब्ध कराता है, एक रेस्तरां आधे-पके हुए पूरी देता है जिन्हें हम अपने यहां फ्राई करते हैं और सप्ताह में दो बार परोसते हैं। यह वह डिश है जिसे बच्चे सबसे ज्यादा चाव से खाते हैं, ''वह मुस्कुराते हुए कहते है। अन्य दिनों में हम नाश्ते में इडली, पोंगल या चावल का मिश्रण परोसते है।''

''यह कहा जाता है कि किसी को राजा की तरह नाश्ता करना चाहिय, लेकिन हम एक ऐसा भोजन उपलब्ध कराते हैं जो बच्चों के लिए बहुत मायने रखता है और उनके चेहरे की मुस्कान सबकुछ बयां करती है,'' वह अपनी बात को समाप्त करते हुए कहते है। ■

आई टी एच एफ का नया अध्यक्ष

पीडीजी आश्विन कर, रो ई मंडल 3262, ने वर्ष 2019-21 के लिए रो ई के ट्रेवल और होस्टिंग फैलोशिप (आईटीएचएफ) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला। वह संयुक्त राज्य अमेरिका के शीला हार्ट का स्थान ग्रहण करेंगे। वर्ष 1989 में रो ई द्वारा मान्यता प्राप्त फैलोशिप में 60 देशों के 1,200 सदस्य हैं। जो रोटरी क्लब भुवनेश्वर मीडोज के सदस्य रहे है, संभवतः पद संभालने वाले पहले भारतीय हैं। वह फैलोशिप को बढ़ावा देने, सदस्य संख्या बढ़ाने और विभिन्न मंडलों में समन्वयक नियुक्त करके अधिक देशों को जोड़ने की योजना बना रहे है। आईटीएचएफ मई 2020 के अंत के दौरान हवाई में एक प्री-कन्वेंशन क्रूज को भी बढ़ावा दे रहा है। ■

"THE FUTURE BELONGS TO THOSE WHO BELIEVE

DARE TO DREAM
Rotary

Rotary Institute
Indore
Zone 4,5,6&7 • 6-8 Dec 2019

Our distinguished guests:
Rtn. Mark Daniel Maloney
Rotary International President
and Rtn. Gay Maloney.

Convener's Message

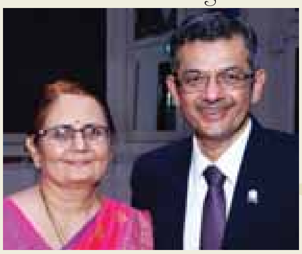

Dear friends,

The Institutes in our zones have been something we all look forward to. It is a place where we have fun, fellowship and of course meet friends from all corners of our zones. Madhavi and I are raring to welcome each one of you at the 2019 Zone Institute aptly named Dare To Dream, which will be held at the beautiful city of Indore, the city of the Holkars, the financial capital of Madhya Pradesh from 6th to 8th Dec 2019.

Indore will inspire you, captivate you and satisfy your intellectual and gastronomical pursuits. Indore has been adjudged the Cleanest City of India for the 3rd year in a row. The venue is the magnificent Brilliant Convention Center located in the heart of Indore. This city also boasts of 2 Jyotirlingas nearby and the famous 'Sarafa', a foodies paradise. We promise you good facilities, good food, an excellent program and world class entertainment.

Be inspired by our Rotary leaders as well as other leaders from different walks of life. A new place to come, see, interact and share. Rotary International President Mark Maloney and his gracious wife Gay will be happy to meet and interact with all of you and give us his message - Rotary Connects The World.

Under the chairmanship of PDG T.N. (Raju) Subramanian, the Institute team is all geared up to welcome you, host you, and make this an event to remember.

We look forward to your presence at the Indore Institute.

Warm regards,

Dr. Bharat Pandya
RI Director, 2019-21

Chairman's Message

My dear friends,

Convener Bharat and I are overwhelmed by your response to the Zone Institute at Indore. We along with the Institute Team assure you of an Institute with a difference, which will keep you engrossed and interested, at all times during the proceedings. There will be time for batch mates to meet, provided of course I am intimated on time - an opportunity probably being given for the first time- just one of the many introductions at this Institute.

The entertainment is world class with a heady mix of Indian culture and dance and a blend of foreign artistes who will take your breath away with their performances. Indore is a foodies paradise. We are assuring you of a gourmet experience as never before and a new high every evening. Rest assured that the music on the beautiful lawns, will keep you glued to the dance floor in the evening. Those who are yet to register, please do so asap. Do feel free to contact me for any help or assistance. If you have any suggestions for the Institute, please communicate the same to me. Vidhya and I look forward to receiving and welcoming you at Indore.

With warm regards,

T.N.Subramanian
Chairman, Rotary Zone Institute, 2019

IN THE BEAUTY OF THEIR DREAMS"

The Incredible Indore Awaits You

Indore Rajwada

Lalbagh Palace

Omkareshwar Jyotirlinga

Annapurna Mandir

Daly College

Mandav

SCHEDULE OF EVENTS & TARIFFS

REGISTRATION

Institute Registration		Couple	Single
Applicable till 31st Oct 2019		INR 25000	INR 15000
GETS (Couple)	3rd - 5th Dec 2019	INR 55000	
DGs Review Meeting	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
DGN Training Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
Dist Trainers Seminar	5th Dec 2019	INR 7500	INR 4000
TRF Dinner	5th Dec 2019	INR 4500	INR 2500
TRF Seminar	6th Dec 2019 (Morn)	INR 4500	INR 2500
Hotel Accommodation			
Radisson Blu Hotel	Double Executive	INR 8000 per night	

Institute Brochure and the Registration Form are available on website for download at **www.rotaryinstitute2019indore.org**
For Institute Registration (Select any one method)
1 Please visit & complete online registration formalities.
2 You can download the Registration Form from website & send it to:

PDG Bansi Dhurandhar, Chair-Registration.
Microtrol Sterilisation Services Pvt. Ltd, A 101 & 102,
Tara Co-op Hsg Society, Srushti Complex, Saki Vihar Road,
Mumbai – 400072. Tel: 91 22 40579600

Brilliant Convention Centre

For details and other Institute information please contact
PDG T. N. (Raju) Subramanian, Institute Chair
Add: 303, Bhagyodaya, 79, Nagindas Master Rd., Fort, Mumbai- 400001
Email: rtn.subramanian@gmail.com Cell: 9322223732 / 9653623732

Rotary

एक सरकारी स्कूल को मिला नया रूप

किरण ज़ेहरा

पुणे से 60 किमी दूर स्थित धामने गाँव के सरकारी स्कूल में 110 विद्यार्थी पढ़ रहे है। ''ज़्यादातर कार्य दिवसों पर बिजली नहीं रहती थी, पानी की कोई सुविधा नहीं थी और जब बारिश होती थी, तो हम बच्चों को वापस घर भेज देते थे क्योंकि छतें टपकती थी और हमें डर था कि कहीं वे गिर ना जाए। स्कूल पूरी तरह से गैर-कार्यात्मक था,'' स्कूल के एक शिक्षक अमर केदारी कहते है।

रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटि, रो ई मंडल 3131, ने रो ई मंडल 1100, यूके के क्लबों, रोटरी क्लब पुणे रिवरसाइड और टीआरएफ़ के सहयोग से हाल ही में स्कूल का नवीनीकरण किया। ''हम चाहते है कि बच्चों को एक अच्छा परिवेश मिले जिससे वे स्कूल आने एवं सीखने के लिए प्रेरित हो सकें,'' रोटरी क्लब पुणे स्पोर्ट्स सिटि के अध्यक्ष संदेश सावंत कहते है।

वैश्विक अनुदान परियोजना से कक्षाओं एवं छतों की मरम्मत करने में मदद मिली और इसने परिसर की एक नई दीवार के साथ-साथ स्कूल को एक नया प्रवेशद्वार भी प्रदान किया। इससे स्कूल में बिजली एवं जल आपूर्ति हो पाई। लड़के एवं लड़कियों के लिए पृथक शौचालय, एक हाथों की धुलाई का स्टेशन और यूवी-फ़िल्टर पेयजल सुविधा भी स्थापित की गई है। एक पुस्तकालय के साथ रोटरी डिस्टेन्स एजुकेशन सिस्टम की स्थापना की गई। संगीत कक्षाओं के लिए एक अलग कक्ष है, स्कूल के मैदान को समतल कर दिया गया है और संगीत, खेल, और खेल उपकरण सब अपने नियत स्थान पर है।

बच्चे उत्साहपूर्वक परिसर में नृत्य एवं नाट्य का अभ्यास करते है। पाँच शिक्षकों के लिए एक शैक्षणिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यान्वित किया गया है और प्रधानाचार्य ने अकादमिक प्रदर्शनों एवं अतिरिक्त पाठ्यक्रम क्रियाकलापों के लिए बेहतर मानकों को सूत्रपात किया है।

''मुझसे 'वॉलीबॉल? वो क्या है?' पूछने से लेकर राज्य स्तर पर प्रतियोगिताएं जीतने तक, बच्चों ने एक लंबा सफर तय किया है,'' केदारी कहते है। हाल ही में एक ज़िला-स्तरीय इंग्लिश भाषा संवर्धन कार्यक्रम में 406 स्कूलों में से इस स्कूल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। संवर्धन कार्यक्रम के एक नाटक कार्यक्रम में भाग लेने वाली कक्षा छह की छात्रा

छात्रियाँ अपने नए स्कूल में रोटेरियनों का स्वागत करती हुए।

अर्चना कहती है, ''मुझे नृत्य करना और एक्टिंग करना बहुत अच्छा लगता है और पहली बार मैंने एक पुरस्कार जीता क्योंकि मैं स्कूल में अभ्यास कर पाई।'' कक्षा पाँचवी के छात्र रोशन के लिए, ''नए स्कूल में सबसे अच्छी चीज़ बेंच और बिजली से चलने वाले पंखे है। मैं अब बेंच पर बैठ सकता हूँ और मुझे पसीना भी नहीं आएगा।''

61 साल में पहली बार जब से स्कूल की स्थापना हुई है विद्यार्थियों ने राज्य छात्रवृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की है। आकांक्षा विकास कोलेकर जिसने परीक्षा में 300 में से 240 अंक हासिल किए है के साथ-साथ साक्षी तानाजी बारवेकर (300 में से 226 अंक) और वंशिका शरद कोलेकर (300 में से 210 अंक) प्रत्येक को ₹1500 सालाना की आर्थिक सहायता, उत्कृष्टता का एक प्रमाणपत्र और एक साइकल मिलेगी। गर्व से मुस्कुराते हुये केदारी कहते है उपस्थिति बढ़ी है और ''हमारे 'कम प्रसिद्ध स्कूल' को अब राज्य स्तर पर पहचान मिलना शुरू हो गई है। यह सब रोटरी के कारण संभव हो पाया।''

सावंत कहते है कि परियोजना की संवहनीयता सुनिश्चित करने के लिए क्लब स्कूल के साथ काम करेगा। ■

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्तन कैंसर की जाँच करने के लिए मैमोग्राफी वैन

टीम रोटरी न्यूज़

पूर्व क्लब अध्यक्ष नमन जैन, सचिव उमंग गुप्ता और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में IPDG सुभाष जैन ने मैमोग्राफी वैन की चाबी पी के गुप्ता, शारदा विश्वविद्यालय के कुलपति को सौंपी।

रोटरी क्लब दिल्ली मोनार्क, रो ई मंडल 3012 ने स्तन कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए *आरोग्य परियोजना* शुरु की और यूपी और हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में स्तन कैंसर की जाँच करने के लिए एक मैमोग्राफी वैन दान में उपलब्ध कराया। शारदा विश्वविद्यालय के चांसलर पी के गुप्ता; डॉ संजीव दलवी, स्वास्थ्य सेवा निदेशक, गोवा राज्य; तत्कालीन क्लब अध्यक्ष नमन जैन और सचिव उमंग गुप्ता की उपस्थिति में आईपीडीजी सुभाष जैन द्वारा शारदा अस्पताल, ग्रेटर नोएडा को वैन की चाभी सौंपी गई।

लगभग 102,037 डॉलर की लागत वाली इस परियोजना को अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों जैसे टीआरएफ और रोटरी क्लब काठमांडू, रो ई मंडल 3292 के साथ वैश्विक अनुदान के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था। ■

लेबनान में स्वच्छता समाधान

एन्ने फोर्ड

लेबनान के समुद्र तटें पर कचरा और प्लास्टिक।

लेबनान के ऊँचे पर्वतों पर, देश के सबसे बहुमूल्य संसाधन - पानी - का भंडारण ताज़ी बर्फ के रूप में होता है। ''मध्य पूर्व में होने के बावजूद भी, हमारे पास बहुत सारा पानी है, रोटरी क्लब बाबदा,'' लेबनान के रोटरी क्लब, मंडल 2452 के सदस्य नाज़िह घट्टास कहते है। इस संदर्भ में, वह कहते है, ''हम इस पूरे क्षेत्र में सबसे संपन्न देश है।''

फिर भी बर्फ से ढकी उन चोटियों के हजारों फीट नीचे, लेबनान के निवासियों, जिनमें 1 मिलियन से अधिक सीरियाई शरणार्थी शामिल है, को पीने या नहाने के लिए साफ़ पानी ढूँढने की मशक्कत करनी पड़ती है।

पर्वतों से बहने वाला पानी सड़ चुकी पाइपलाइनों, गंदे पानी से भरे कुओं, और भारी प्रदूषण वाली नदियों में जाकर मिल जाता है। जो लोग उस पानी को पीते है, या उसमें तैरते है, उन्हें अक्सर पेट या त्वचा संबंधी रोग हो जाते है जिस कारण वे स्कूल या काम पर नहीं जा पाते है।

और जबकि साफ पानी को निजी स्रोतों से खरीदा जा सकता है, वह सस्ता नहीं पड़ता है: बेरूत में रहने वाला औसत परिवार उसकी मासिक आय का 15 प्रतिशत तक पानी पर खर्च करता है।

रोटरी क्लब विलिसाउ, स्विट्ज़रलैंड, मंडल 1980 के एक सदस्य आंद्रे मार्टी कहते है, ''बेरूत के बाहर कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ है। और इससे भी अधिक ख़राब बात यह है कि उद्योगों से निकलने वाला सारा अपशिष्ट जल नदियों में जा रहा है, और लोग सिंचाई के लिए, खेती के लिए नदियों से पानी ले रहे है। इसलिए अंत में, वो सभी दूषित तत्व खाने में पहुँच जाते है।''

घट्टास, मार्टी, और अन्य रोटेरियन लेबनान की पानी की स्थिति को सुधारने के लिए एक स्विस गैर सरकारी संगठन CEWAS (इंटरनेशनल सेंटर फॉर वाटर मैनेजमेंट सर्विसेज का लघु रूप) के साथ मिलकर काम कर रहे है जो संवहनीय जल, स्वच्छता, और संसाधन प्रबंधन को व्यापार विकास के साथ जोड़ता है। ''वे देश के उद्यमियों को प्रोत्साहित कर रहे है और उनका समर्थन कर रहे है: दीर्घकालिक समाधानों को निकालने के लिए लोग तब अधिक प्रतिबद्ध होते है जब वे उन समाधानों से आय अर्जित कर सकें,'' मार्टी कहते है।

उद्यमिता परियोजना का विचार एक सेमीनार से आया था जिसमें मार्टी 2016 में एक नए रोटेरियन के रूप में सम्मिलित हुए थे, इसी दौरान उन्होंने पानी, सफाई, और स्वच्छता कार्यक्रमों के प्रति रोटरी संस्थान की प्रतिबद्धता के बारे में जाना था। उन्हें तुरंत ही CEWAS का विचार आया, एक संगठन जिससे वह व्यापार विकास के क्षेत्र में उनके कार्य के माध्यम से परिचित थे।

लेबनान के रोटरी क्लबों का ध्यान पहले से ही जल परियोजनाओं पर केन्द्रित था। 2013 में, मंडल 2452 के गवर्नर जामिल मोउवाद और अन्य मंडल नेतृत्वकर्ताओं ने एक बहुवर्षीय जल परियोजना का लोकार्पण किया, जिसमें लेबनान के सभी रोटरी क्लब शामिल थे, जिसका लक्ष्य देश के हर एक स्कूल में पानी के टैंक और फ़िल्टर प्रदान करना था।

एक अन्य समस्या जिसका लेबनान सामना करता है वह है उच्च बेरोजगारी। साफ़ पानी तक पहुँच को बेहतर बनाने के साथ अवसरों का सृजन करना रोटरी और CEWAS के लिए एक साथ काम करने हेतु एक उचित परियोजना लग रही थी। लेकिन उन्हें पानी एवं स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए पर्याप्त उद्यमियों को मनाने की आवश्यकता थी।

''इस क्षेत्र में हमारे पास बहुत सारे उद्यमी नहीं है, क्योंकि इसमें जल्दी से पैसा नहीं बनाया जा सकता है,'' घट्टास कहते है। इसके अलावा, वह बताते है कि बहुत से लोग पूरे मध्य पूर्व के लिए व्यापार विकसित करने में अधिक रूचि रखते है। यह बहुत ही स्थानीय होता। अन्य शब्दों में, रोटेरियनों को पूँजी लगाने की आवश्यकता थी।

इसलिए रोटरी क्लब विलीसाऊ ने अभिनव पानी एवं स्वच्छता व्यापार विचारों को विकसित करने वाले स्थानीय उद्यमियों की नियुक्ति करने, उन्हें प्रशिक्षित करने एवं उन्हें समर्थन प्रदान करने के लिए CEWAS और

लेबनान के रोटरी क्लब बाबदा, सैदा, और त्रिपोली कॉस्मोपोलिस के साथ 233,000 डॉलर की एक परियोजना के लिए साझेदारी की। स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन, रोटरी क्लब विलीसाऊ, रोटरी मंडल 2452, CEWAS और उसके साझेदारों, और रोटरी संस्थान के एक वैश्विक अनुदान के योगदानों से वित्तपोषित यह परियोजना फरवरी 2018 में शुरू हुई।

बीच को साफ करते कुछ साफई कार्यकता।

भागीदारों की नियुक्ति करने के लिए, CEWAS ने देशभर में कार्यशालाओं का आयोजन किया जहाँ पर भावी उद्यमियों ने राष्ट्रीय जल संकट से निपटने के लिए विचारों को प्रस्तुत किया एवं उसपर चर्चा की। ''उन्होंने इन विचारों पर एक दिन तक काम किया, और अंत में, विशेषज्ञों ने मुख्य कार्यक्रम के लिए उनमें से कुछ का चुनाव किया,'' मार्टी समझाते है। इरादा 15 स्टार्टअप खोजने का था, और उन्हें इससे कई अधिक मिले।

मार्च से लेकर जुलाई तक, भागीदारों ने उद्यमिता पर कक्षाएं प्राप्त की, और अगस्त से लेकर नवम्बर तक, उन्होंने स्थानीय व्यापार विशेषज्ञों से व्यक्तिगत कोचिंग प्राप्त की।

सामूहिक शिक्षा एवं व्यक्तिगत कोचिंग प्रदान करने वाले विशेषज्ञों में रोटेरियन और CEWAS साझेदार दोनों मिश्रित रूप से शामिल थे। ''इस देश में कैसे काम होता है, कैसे उन्हें अधिकारियों से बातचीत करनी है और कैसे अपनी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए राजनीती का मार्गनिर्देशन करना है - यह एक महत्वपूर्ण दक्षता है जिसे रोटरी सदस्य प्रदान कर सकते है,'' मार्टी कहते है। उन्हें CEWAS से जल विशेषज्ञता और स्थायी संसाधन प्रबंधन विशेषज्ञता प्राप्त हुई। सबसे महत्वपूर्ण, रोटरी क्लबों ने उन बैंकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित करवाए जो नए उद्यमियों को ऋण देने के इच्छुक थे।

एक कंपनी द्वारा प्लास्टिक का पुनर्चक्रण।

नवम्बर में, परियोजना के छह प्रतिभागियों का चुनाव किया गया ताकि वे उनके विचारों को बेरूत में जल एवं व्यापार विशेषज्ञों की एक जूरी, जिसमें मार्टी शामिल थे, के साथ-साथ स्थानीय मीडिया और सैकड़ों रोटेरियनों एवं अन्य लोगों की एक दर्शक दीर्घा के समक्ष पेश कर सकें। विजेताओं - प्लास्टिक बीच, एक प्लास्टिक पुनर्चक्रण व्यापार, के राल्फ और जॉर्जियो डिएब - को उनके उपक्रम के समर्थन हेतु 5,000 डॉलर प्रदान किये गए। प्लास्टिक बीच, जिन्होंने एक वैन में फिट हो सकने वाली सुवाह्य प्लास्टिक कतरनी मशीन बनाई है, रेस्टोरेंट जैसे छोटे व्यापारों से एक मासिक शुल्क पर प्लास्टिक कचरा एकत्रित करता है। कचरे को उसी स्थान पर कतरने से उसका परिवहन किफायती होता है। तटों की सफाई का आयोजन करके कंपनी रोजगार के अवसर भी प्रदान करती है।

और उद्यमिता प्रशिक्षण परियोजना अभी पूर्ण नहीं हुई है। ''इरादा एक वार्षिक कार्यक्रम करने का है,'' मार्टी कहते है, जिसमें निजी प्रायोजकों एवं स्विस विकास संस्थानों द्वारा पैसा लगाया जाएगा।

इस दौरान, पानी के टैंक और फ़िल्टर स्थापित करने की लेबनानी रोटेरियनों की परियोजना विकसित हो रही है। ''हम सभी स्कूलों में वितरण का काम 2019 में पूरा कर देंगे और हम परियोजना के दूसरे पड़ाव - जागरूकता - की शुरुआत कर चुके है,'' रोटरी क्लब त्रिपोली-मारद के एक सदस्य अहमद हुस्सैनी कहते है जो इस परियोजना में इसकी शुरुआत से ही करीब से शामिल है। ''हम शिक्षकों को उनके स्कूलों में पानी एवं सफाई एवं स्वच्छता पर प्रशिक्षित कर रहे है। अगले वर्ष हम जेलों में जल संसाधन की शुरुआत करेंगे।''

इस तरह रोटेरियन लेबनान में साफ़ पानी ला रहे है: स्थिरतापूर्वक, धैर्यपूर्वक, इस बात को जानते हुए कि एक छोटी सी धारा भी आखिरकार एक बड़ी नदी का रूप ले सकती है।

© The Rotarian

Rotary PEOPLE OF ACTION

गाम्बिया के बच्चों की नेत्र-ज्योति को बहाल करना

एम वी रविकुमार

पश्चिम अफ्रीका के गाम्बिया में निवास करने वाले 68 वर्षीय ब्रिटिश जिओफ्री हुनविक्स (ज्योफ) 2002 से विकलांग बच्चों के देखभाल के लिए काम करते रहे हैं। दो वर्ष से ज्यॉफ को आंख की अजीबोगरीब समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यह रोग, जिसका उपचार 'बाई आंख के लोअर लिड स्पैस्टिक एन्ट्रोपियन' के रूप में किया जाता है, एक बीमारी है, जिसमें आँखों की पुतलियों के अंदर की ओर बढ़ने से आँखों में जलन तेज हो जाती है। वन साईट के क्षेत्रीय नेत्र देखभाल समन्वयक, सैनी सगी की सलाह पर, वे गाम्बिया के एकमात्र प्रमुख नेत्र अस्पताल, शेख जायद रीजनल आई केयर सेंटर (एसजेडआरईसीसी), कालीफंग में गए। वहां के डॉक्टर तात्कालिक समाधान के रूप में आंखों की पलकों को काट दिया करते थे, और ऐसा लगभग दो वर्षों तक नियमित रूप से किया जाता था।

जब भारतीय नेत्र रोग विशेषज्ञों ने अप्रैल में एक सर्जिकल मिशन पर गाम्बिया का दौरा किया, तो ज्योफ को एक स्थायी समाधान प्राप्त हुआ। उनका ऑपरेशन हैदराबाद के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ मिलिंद भिडे ने किया, जो मिशन का हिस्सा थे।

विट्रो-रेटिना विशेषज्ञ और रोटरी बैंगलोर मंडल 3190 ई क्लब के सदस्य डॉ के वी रविशंकर ने गाम्बिया के मिशन का नेतृत्व किया। उन्होंने 21 सर्जिकल मिशनों पर अनेक अफ्रीकी देशों और बांग्लादेश का दौरा किया और वयस्कों के आलावा गरीब बच्चों का उपचार किया ताकि उन्हें अँधा होने से बचाया जा सके। दो मिलियन से अधिक की आबादी वाले देश में केवल तीन नेत्र रोग विशेषज्ञ हैं, जिनमें से दो नाइजीरियाई हैं। वर्ष 2008 में एसआरईसीसीकी स्थापना के समय से ही, स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय से डॉ रविशंकर, जो कि, उषा किरण नेत्र अस्पताल, मैसूरु की निदेशक हैं, अनुरोध कर रही हैं कि वे जटिल नेत्र विकारों से पीडित बच्चों का इलाज करने में उनकी मदद करें।

गाम्बिया, आफ्रिका में लाभार्थीयों के साथ भारतीय चिकित्सा टीम।

दो वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ रविशंकर और डॉ मिलिंद भिडे; एक एनेस्थेटिस्ट डॉ के आर वसंत कुमार, जो मिशन का हिस्सा हैं, और मैंने आरआईडी 3190 में अवॉइडेबल ब्लाइंडनेस प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व किया। छह दिनों के प्रवास के दौरान, टीम ने 36 रोगियों में 39 सर्जरी की, जिनमें से 29 बच्चे थे। दो बच्चों और एक वयस्क के दोनों आंखों का ऑपरेशन किया गया। हमने यात्रा, आवास, भोजन, स्थानीय वाहन, सर्जिकल उपभोग्य सामग्रियों की लागत, आईओएल और अन्य विविध खर्चों को पूरा करने के लिए 20,000 डॉलर एकत्र किए। आइवरी सिटी मैसूरु, मैसूरु सेंट्रल और मैसूर मिडटाउन के रोटरी क्लबों, आरआईडी 3181, बैंगलोर मंडल 3190 ई क्लब, क्यूबडपार्क और आरआईडी 3190 का कोरमांगला, भारत, रोटरी सेन्होरा-दा-होरा, आरआईडीडी 1970, पुर्तगाल और बैंजुल के तीन क्लब, आरआईडी 9101, पश्चिम अफ्रीका

ने इस परियोजना के लिए मुख्य रूप से योगदान दिया। अमेरिका स्थित एनजीओ कॉम्बैट ब्लाइंड्नेस इंटरनेशनल, अफ्रीका में आंखों की देखभाल परियोजनाओं के लिए निरंतर सहयोग देता रहा है। गाम्बिया में भारत के महावाणिज्य दूत राम मोहन ने स्थानीय सहयोग प्रदान किया और देश के भारतीय उद्यमियों ने इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया ताकि वे गरीब गैम्बियन बच्चों की मदद कर सकें।

वर्ष 2017 में हमारी पहली यात्रा के दौरान, गाम्बिया में तीन रोटरी क्लबों में कुल मिलाकर 76 सदस्य थे। रोटरी की मानवीय गतिविधियों और छोटे बच्चों के आँखों की बीमारियों का उपचार करने के हमारे सर्जिकल मिशन के प्रभाव से प्रेरित होकर, अधिक से अधिक रोटेरियन परियोजना में भाग ले रहे हैं और गाम्बिया में दो रोटरी क्लबों की स्थापना के साथ सदस्य संख्या बढ़कर 120 रोटेरियन हो गई है।

जब हम भारत के लिए अपनी फ्लाइट पर सवार होने वाले वाले थे, तो राम मोहन ने कहा कि भारतीय चिकित्सा टीम न केवल युवा मरीजों बल्कि उनके परिवारों और गाम्बिया के लोगों को उजाले से भर दिया है, बल्कि विशेष रूप से भारतीय समुदाय और गैम्बियन रोटरी को प्रतिष्ठा किया है।

लेखक रोटरी क्लब बैंगलोर कोरमांगला, रो ई मंडल 3190 के सदस्य हैं।

पुणे में रोटरी-सीएसआर अवार्ड्स

टीम रोटरी न्यूज़

TRF ट्रस्टी गुलाम वाहनवती (दाएं से तीसरे स्थान पर बैठें) और IPDG शैलेश पालेकर, प्रतिनिधियों के साथ।

हाल ही में रो ई मंडल 3131 ने रोटरी-सीएसआर अवार्ड्स का आयोजन करके समाज में रोटरी की पहचान को बढ़ाने का एक अद्वितीय विचार पेश किया। *टाइम्स ऑफ इंडिया* और *इकोनॉमिक टाइम्स* ने इस अनोखे अवधारणा को सामने लाने के लिए मंडल के साथ गठबंधन किया। इस कार्यक्रम में सीएसआर प्रमुखों, एमडी और कॉर्पोरेट घरानों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को रोटरी की विभिन्न सेवा परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाली एक विस्तृत फिल्म दिखाई गई। इसने कॉरपोरेट्स को रोटरी, विशेष रूप से इसके साक्षरता और WinS कार्यक्रम, के बारे में अधिक जानने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया। ''इस कार्यक्रम ने हमें कॉपोरेट प्रमुखों के साथ चर्चा मानवीय परियोजनाओं में उनके सीएसआर फंडों को निवेश करने के लिए राजी करने में मदद की और यह संपर्क निश्चित ही रोटरी के साथ उनके लिए भरोसे और विश्वास को और मजबूत बनाएगा,'' रोटरी क्लब पुणे के (2018-19) अध्यक्ष, रवि कपूर ने कहा।

चार श्रेणियों - विनिर्माण, आईटी, गैर-आईटी और स्टार्ट-अप्स - में पुरस्कार दिए गए। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व प्रधान सचिव, महेश जगडे सहित छह सदस्यीय जूरी; प्रदीप भार्गव, अध्यक्ष, मराठा चैंबर ऑफ कॉमर्स; डॉ नितिन कर्मलकर, कुलपति, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय; विनोद शाह, अध्यक्ष जनसेवा फाउंडेशन, अरविंद सेठी, मैनेजिंग पार्टनर, अर्नस्ट एंड यंग (पुणे) और रितु छाबड़िया, मैनेजिंग ट्रस्टी, मुकुल माधव फाउंडेशन ने प्रत्येक श्रेणी में विजेताओं को चुना। अदार पूनावाला को उनके क्लीन सिटी अभियान के लिए विशेष मान्यता पुरस्कार दिया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर टीआरएफ ट्रस्टी गुलाम वाहनवती, संजय परमार, प्रबंधक (टीआरएफ) और भावना वर्मा, आरआई दक्षिण एशिया कार्यालय के प्रबंधक (सीएसआर) उपस्थित थे, जिसकी अध्यक्षता संसद सदस्य गिरि बापट और गैर सरकारी संगठन मैजिक बस के ग्लोबल सीईओ जयंत रस्तोगी ने की। ■

सत्रीया

साधुओं का नृत्य

सीता रत्नाकर

The truest expression of a people is in its dance and its music. Bodies never lie.

— Agnes de Mille

ऐसा माना जाता है कि भारत में रंगमंच कला की उत्पत्ति भगवान ने की थी। सृजनकर्ता ब्रह्मा से मानवजाति को पांचवा वेद देने के लिए कहा गया था, जो संस्कृत में लिखित पहले चार वेदों के विपरीत, सभी के द्वारा आसानी से समझा जा सके। दूसरे देवताओं की मदद से ब्रह्मा ने नाट्य वेद की रचना की और पौराणिक ऋषि भरत को वह सिखाया जिन्होंने उनकी शिक्षा को नाट्य शास्त्र में अभिलिखित किया। यह भारत में रंगमंच एवं नृत्य के सभी शास्त्रीय स्वरूपों का बुनियादी आलेख बना और शायद यह दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे व्यापक कला नियमावली है। भारत में नाट्य शास्त्र पर आधारित आठ शास्त्रीय नृत्य स्वरूप है। सत्रीया, जिसकी उत्पत्ति असम में हुई, को आधिकारिक

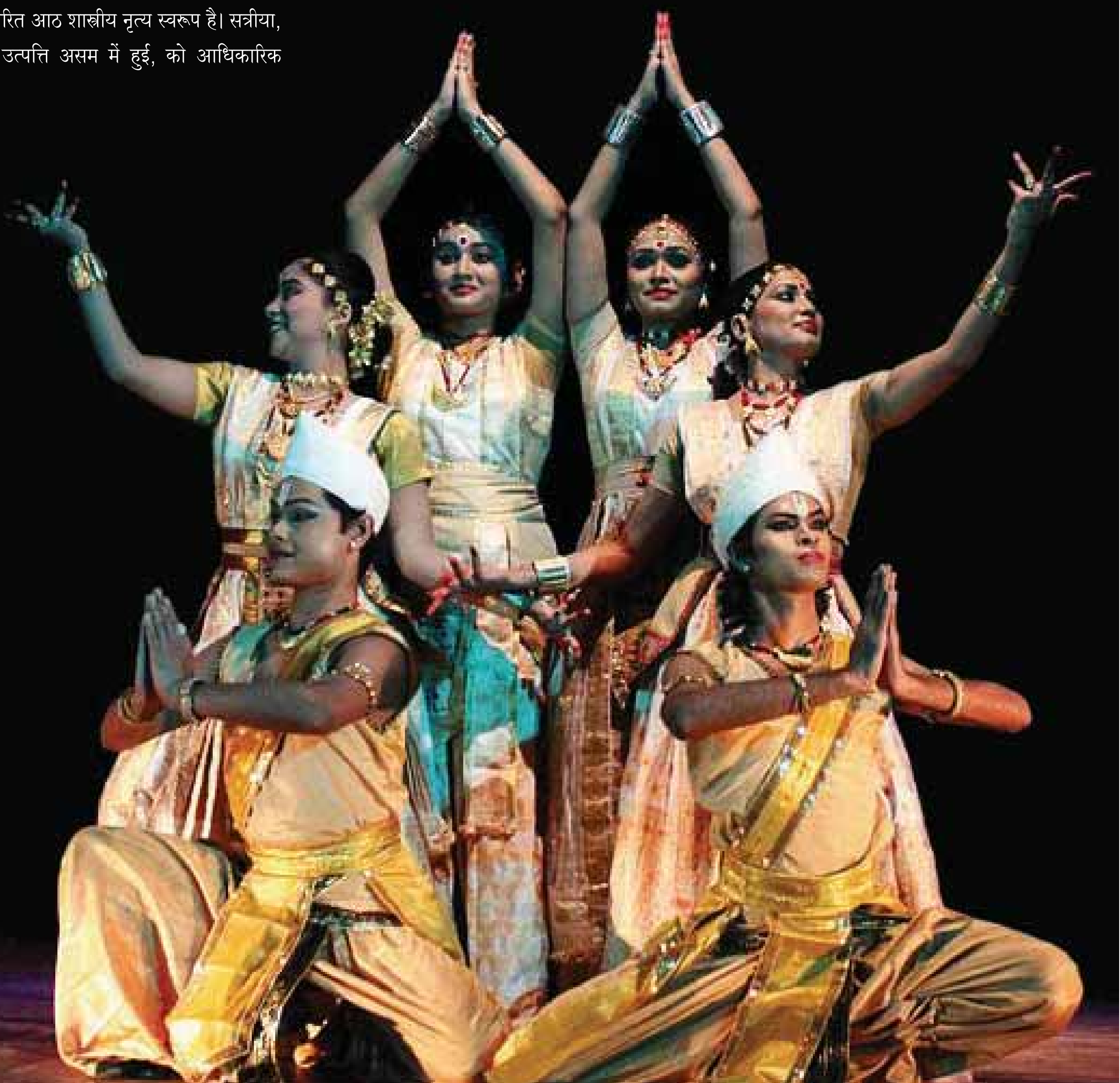

रूप से 21वीं सदी की शुरुआत में संगीत नाटक अकादमी द्वारा आठवें शास्त्रीय नृत्य स्वरूप के रूप में मान्यता प्राप्त हुई, हालाँकि, यह नृत्य सत्र के नाम से पहचाने जाने वाले वैष्णव मठों में केवल पुरुष साधुओं द्वारा कई सदियों तक किया जाता था।

साधू या भोकोट, जैसा कि उन्हें कहा जाता था, उनके दैनिक अनुष्ठान के अंतर्गत एक नृत्य-अभिनय प्रारूप में भागवत पुराण से कृष्ण के दिव्य चरित्र का वर्णन किया करते थे। महापुरुष सीमंत शंकरदेव 15वीं सदी में इस नृत्य को प्राचीन लेखों की मदद से सुव्यवस्थित करके मुख्यधारा में लाए एवं कृष्ण के प्रति भक्ति को दर्शाने के लिए नाटक एवं भावबोधक नृत्य (नृत्त और नृत्य) की शुरुआत की। वैष्णव भक्ति आन्दोलन के माध्यम से सत्रीया को प्रसिद्धि मिली और पिछली पाँच सदियों से यह एक शास्त्रीय कला के रूप में उभरा है। अब यह पुरुषों एवं स्त्रियों दोनों के द्वारा किया जाता है जो जरूरी नहीं है कि सत्र (धार्मिक समाज) के सदस्य हो। नर्तकों ने शैव विषय-वस्तुओं को शामिल करके एवं देवगाथाओं से परे जाकर रंगपटल को विविध बनाया है।

शंकरदेव के संगीत रत्नाकर उनके भक्ति रत्नाकर के पूरक है, जो उपनिषदों, भगवद गीता, योग और वेदांत विषय-वस्तुओं का अनुगमन करते है और साथ ही अहिंसा एवं सत्य जैसे नैतिक मूल्यों को भी सम्मिलित करते है जो सत्रीया को धार्मिक आधार प्रदान करते है। शंकरदेव ने हिन्दू मठों के नेताओं से उनके कार्यकाल के दौरान कम से कम एक अभिनय को तैयार करने का निवेदन किया था क्योंकि उनका मानना था कि धार्मिक मूल्यों और जीवन के आनंद प्रदर्शन कलाओं के साथ करीब से जुड़े हुए है।

सत्रीया रंगपटल (मार्ग) दो शैलियों को एकीकृत करता है, एक है पौरुष जिसे पौराषिक भंगी के नाम से जाना जाता है जो उछल-कूद के साथ ऊर्जा से परिपूर्ण होता है और दूसरी है स्त्रैण या स्त्री भंगी, जिसमें मनोहर हरकतें शामिल होती है। सभी बड़े भारतीय नृत्य रूपों की तरह, सत्रीया में नृत्त (शुद्ध नृत्य), नृत्य (भावबोधक नृत्य) और नाट्य होता है। नृत्त प्रदर्शन में भावात्मक, लयबद्ध हरकतें होती है जहाँ ज़ोर तकनीकी प्रवीणता पर होता है। नृत्य प्रदर्शन में कथा-वाचन भी शामिल होता है जिसे भाव प्रदर्शन, शारीरिक हरकतों एवं चेहरे के हाव-भाव के माध्यम से किया जाता है। नाट्य एक अभिनय होता है, आम तौर पर एक सामूहिक प्रदर्शन लेकिन इसे एकल के रूप में भी किया जा सकता है जिसमें कहानी के विभिन्न किरदारों को दिखाने के लिए नर्तक मानकीकृत शारीरिक हरकतों का इस्तेमाल करता है।

सत्रीया की मूल इकाई माटी अखाड़ा कहलाती है। सत्रीया: दी रिडिफाइनिंग ऑफ़ अ ट्रेडिशन में अभिनय का वर्णन करते हुए विद्वान और कला प्रबंधक अर्शिया सेठी कहती है कि विशिष्ट सत्रीया अभिनय लड़ाई, भोजन, हत्या, शिकार, इत्यादि जैसी गतिविधियों जिसपर संस्कृत लेख असहमति प्रकट करते है का चित्रण करके अभिजात्य प्रवृत्तियों का विरोध करता है।

वेशभूषा

सत्रीया वेशभूषा में असम की जातीयता की झलक दिखती है। पुरुष नर्तक धोती, चादर और पगड़ी पहनते है और महिला नर्तक घुरी, चादर और कंची पहनती है। वे या तो सफ़ेद या लाल, नीले और पीले रंगों के कोरे कच्चे रेशम से बने होते है जिनका उपयोग विशिष्ट नृत्यों एवं चरित्रों के लिए किया जाता है।

नृत्य

पारंपरिक रूप से सत्रीया मूर्ती के सामने किये जाने के बजाय भागवत पुराण की एक प्रति के समक्ष किया जाता है जो नृत्य कक्ष जिसे नामघर कहा जाता है में मानिकुट या पूर्वी कोने में रखी जाती है। इसमें बहुत सी शैलियाँ होती है जैसे सूत्रधार या सूत्र-भंगी, चरित्र विशेष भंगी, प्रबेश, नृत्य और झुमुरा। सूत्रधार वैष्णव के आध्यात्मिक मूल्यों को नृत्त, नृत्य और नाट्य के पूर्ण शास्त्रीय प्रारूप में प्रस्तुत करता है, साथ में दर्शकों के समझने के लिए स्थानीय भाषा में कमेंट्री भी की जाती है। अनकिया नाट एक उप-शैली है जिसमें एकांकी शामिल होते है जो गाथा, नृत्य एवं नाट्यों को पेश करते है जिन्हें आम तौर पर मठों के सामुदायिक कक्षों में किया जाता है। आम तौर पर विषय-वस्तु कृष्ण और राधा एवं विष्णु के विभिन्न अवतारों की अभिव्यक्तियों से संबंधित होती है। बहुत से नृत्य-नाट्य जो आज तक प्रचलित है असमी कवि-संत शंकरदेव और उनके मुख्य शिष्य माधवदेव द्वारा 15वीं एवं 16वीं सदी में लिखे एवं तैयार किये गए थे।

वेलवेट और साटन का उपयोग पहले किया जाता था लेकिन जब नृत्य सत्र से निकलकर मंच तक पहुँचा, डिज़ाइन और कपड़ा बदल गया। आजकल, शहतूत के पेड़ से उत्पन्न रेशम, पाट, और असम में उत्पादित होने वाले सुनहरे रंग के मुगा रेशम का ज्यादातर उपयोग होता है। महिला नर्तकियां चमकीले रंगों वाले हाथ से बुने हुए कपड़े का इस्तेमाल करती है जिनपर पेचीदे स्थानीय रूपांकन होते है जो क्षेत्र की वनस्पति एवं प्राणियों को दर्शाते है। अनकिया नाट की पोशाकें रंगीन एवं चरित्र-विशिष्ट होती है और स्थानीय कलाकारों द्वारा बनाई जाने वाली खूबसूरती से अलंकृत की गई पगड़ी एवं मुकुट का भी उपयोग किया जाता है।

कृष्ण नृत्य और नादुभंगी नृत्य की पोशाक पीली एवं नीली होती है जो भगवान कृष्ण को व्यक्त करती है। सूत्रधार नृत्य की भी एक विशेष पगड़ी वाली एक विशिष्ट सफ़ेद पोशाक होती है। इस नृत्य शैली की एक अनूठी विशिष्टता है दानव एवं विशेष किरदारों के लिए मुख (मुखौटों) का प्रयोग। मुखौटे बनाने की कला सत्रीया संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। एक निराले केसा सन या कच्चे सोने से निर्मित पारंपरिक असमी आभूषण श्रृंगार के लिए उपयोग किये जाते है। कलाकार माथे पर कोपली, गले में विभिन्न आकारों के विभिन्न प्रकार के नेकपीस जैसे गोलपात, धुलबिरी (संगीत वाद्य ढोल), बेणा (अर्धचंद), जेथीपात (छिपकली), डुगडुगी (पत्ती), सेनपात (चील), और धनसिरा (चावल के दाने) को मैचिंग की कान की बालियों एवं कंगन के साथ पहनते है जिन्हें मुठी खारु और गाम खारु कहा जाता है। महिला नर्तकियां माथे पर एक लाल बिंदी लगाकर एवं बालों में सफ़ेद फूल लगाकर स्वयं को सजाती है।

सत्रीया नृत्य बोरगीत नामक संगीत रचनाओं के साथ किया जाता है जो शास्त्रीय रागों पर आधारित होता है। मुख्य रूप से इसके साथ खोल नामक एक ढोल का उपयोग होता है जो भारत के अन्य हिस्सों में देखे जाने वाले ढोल के विपरीत असममित होता है। इसके विशेष आकार एवं मिट्टी, लकड़ी, चमड़े, चावल के आटे, लोहे की भरावन और रस्सी की बद्दियों जैसी वस्तुओं के उपयोग के कारण इसके दाईं ओर (देना) से उच्च पिच की ध्वनि निकलती है, और बाईं ओर (बेवा) तरफ से एक गहरे बास की ध्वनि निकलती है। अन्य साज़ में बांसुरी का इस्तेमाल किया जाता है और हाल ही में, वायलिन और हारमोनियम का भी प्रयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, धार्मिक रंग के मिलान के लिए वे विभिन्न प्रकार के ताल या झांझ (मंझिरा, भोरताल, बिहुताल, पतिताल, खुतिताल) को शामिल करते है।

कलाकार कृष्णाजी कश्यप, सत्रीया नृत्य करती हुई।

इंदिरा पीपी बोरा एक पथ प्रदर्शक नर्तकी है जिन्होंने सत्रीया को स्वीकृति एवं संरक्षण प्रदान करने के लिए उल्लेखनीय ढंग से योगदान दिया है। उन्होंने रोशेस्वर सैकिया बरबयाँ, घाना कान्त बोरा और प्रदीप चलिहा की देखरेख में नृत्य सीखा। 1982 से गुवाहाटी स्थित उनके संस्थान 'कलाभूमि' में उन्होंने अनेक नर्तकों को प्रशिक्षित किया है जिनमें उनकी बेटी डॉक्टर मेनका पीपी बोरा भी शामिल है। मेनका अपनी माँ के नक़्शे-कदम पर चल रही है और इस नृत्य को विश्वव्यापी पहचान दिलाने के लिए बड़े कदम उठा रही है।

यह एक अद्भुत घटना है कि भारत के प्राचीन शास्त्रीय नृत्य इतनी सदियों से जीवित रहे है और आज भी हर दिन उनका प्रदर्शन किया जा रहा है। पीढ़ी दर पीढ़ी ये हस्तांतरित हुए है और आज भी ये प्रासंगिक है क्योंकि ये निरंतर विकसित हो रहे है। शाह आज़ाद रिज़वी ने उचित रूप से कहा था, ''नृत्य जीवन का कालातीत प्रस्तुतीकरण है। धार्मिक स्थानों पर भगवानों के लिए किया जाने वाला प्रदर्शन उतना ही आकर्षक होता है जितना कि अंतर्राष्ट्रीय महानगरीय मंच पर किया जाने वाला प्रदर्शन।'' जैसा कि अमेरीकी नर्तक मर्सी कनिंघम ने कहा था, ''नृत्य में लगे रहने के लिए आपको इससे प्यार करना होगा। यह आपको वापस कुछ नहीं देता है, कोई पाण्डुलिपि नहीं जिसे आप सहेज सके, कोई तस्वीर नहीं जिसे आप दीवार पर या शायद संग्रहालय में टांग सके, कोई कविता नहीं जिसे आप छापकर बेच सकें, कुछ भी नहीं सिवाय उस एक क्षणिक पल के जब आप सजीव महसूस करते है।''

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

स्कूलों के लिए रोटरी WinS अवार्ड

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी मंडल 3170 के नव-निर्मित रोट री WinS अवार्ड का पहला विजेता धारवाड़ का एक सरकारी स्कूल बना। पीडीजी गणेश भट और उनके परिवार द्वारा स्थापित इस पुरस्कार के अंतर्गत ₹10,000 का नकद पुरस्कार, एक ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

सार्वजनिक निर्देश विभाग के अतिरिक्त आयुक्त, सिद्दलिंगय्या हिरमथ ने रोटरी क्लब धारवाड़ सेंट्रल के चार्टर नाइट उत्सव में स्कू ल को पुरस्कार प्रदान किया।

IPDG रविकिरण कु लकर्णी ने कहा कि ''समाज में व्यवहार परिवर्तन का सूत्रपात करने के अतिरिक्त, यह पुरस्कार रोटरी की सार्वजनिक छवि को बेहतर बनाएगा और स्वस्थ और स्वच्छ समुदायों के लिए काम करने में इसके प्रयासों को प्रसारित करेगा।''

रोटरी इंडिया WinS रेकग्निशन कमेटी के सदस्य पीडीजी भट ने पुरस्कार के मानदंड को रेखांकित किया। यह WinS स्टार-वन की मान्यता और स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार की आवश्यकताओं के अनुरूप है, और इसमें जेंडर-विशिष्ट, स्वच्छ शौचालय, समूह हैंडवाश सुविधाएं, प्रभावी एमएचएम योजना और बच्चों की कैबिनेट के साथ एक सक्रिय स्कूल प्रबंधन समिति का गठन करना शामिल हैं।

PDG गणेश भट, विद्या भट, अध्यक्ष उत्तम किनांके, सचिन उदय बंदे और स्कूल के छात्रों की उपस्थिति में IPDG रविकिरन कुलकर्णी और अतिरिक्त अयुक्त सिद्दलिंगय्या हिरेमठ विद्यालय के प्राचार्य को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

इस वर्ष 884 स्कूलों ने पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा में भाग लिया था। स्कू ल के प्रधानाचार्य श्रीदेवी लद्दीमठ ने कहा कि स्कूल के पुरस्कार विजेता बनने के बाद, स्कूल में प्रवेश के लिए पूछताछ करने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है, और इसका श्रेय रोटरी और रेकग्निशन को जाता है।

सम्मेलन

HONOLULU HAWAII 2020

होनोलूलू के संग्रहालय

हेंक सार्टिन

होनोलूलू में, आपको मिलेगी प्राकृतिक सुन्दरता, रोमांच और शांति। हवाई की राजधानी, जो 6 से 10 जून तक 2020 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगी, बहुत से आकर्षक संग्रहालयों का घर भी है। इसलिए समुद्र तट पर जाने या लुआउ का मज़ा लेने की योजना बनाते समय, सुनिश्चित कीजिये कि आप कुछ समय इनमें से कुछ संस्थानों को घूमने के लिए भी निकाले।

हवाई द्वीप पर स्थित बर्निस पौअही बिशप म्यूजियम (चित्रित, *bishopmuseum.org*) के बारे में जानिए, जो दावा करता है कि उसके पास पोलिनेशियाई सांस्कृतिक कलाकृतियों एवं प्राकृतिक इतिहास के नमूनों का दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है।

होनोलूलू म्यूज़ियम ऑफ आर्ट (*honolulumuseum.org*) में हवाई कला के साथ-साथ जापानी लकड़ी के ठप्पे वाले छापे और यूरोपीय एवं अमेरीकी छापे एवं चित्रों को देखिये।

इओलानी पैलेस (*iolanipalace.org*) का दौरा कीजिये जो हवाई साम्राज्य के शासकों का शाही निवास था और जहाँ कलाकृतियों का एक संग्रह है जिसमें काँच के बर्तनों से लेकर सैन्य प्रतीक शामिल है।

पर्ल हार्बर नेशनल म्यूज़ियम (*nps.gov/valr*) और यूएसएस एरिज़ोना मेमोरियल में जंग में शहीद हुये लोगों को याद कीजिये और शांति स्थापित करने की रोटरी की प्रतिबद्धता पर विचार कीजिये। हवाई के लिए निकलने से पहले अपनी यात्रा की योजना बनाइये और अपनी टिकटें आरक्षित कीजिए (सीमित वॉक-इन टिकटें भी उपलब्ध है)।

सुरक्षित करने के लिए 15 दिसंबर तक *riconvention.org* पर पंजीकरण कीजिये।

उनका ध्यान साक्षरता और WinS पर

राजीव गर्ग

ईंट निर्माता, रोटरी क्लब सिरसा, रो ई मंडल 3090

एक रोटेरियन के रूप में विकसित होने के दौरान 1987 से 1993 तक वह एक रोटरेक्टर थे। ''मुझे रोटरी से प्यार है और लोगों को बदलने में जो जादू वह करती है वह शानदार है,'' राजीव गर्ग कहते है। उनकी सबसे अच्छी यादें क्लब अध्यक्ष के उनके कार्यकाल के दौरान की है।

गर्ग साक्षरता और WinS परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करके उनके क्षेत्र, जिसमें हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के कुछ हिस्से शामिल है, के लोगों को सशक्त एवं समृद्ध बनाना चाहते है। ''महिलाएं किसी भी देश की रीढ़ होती है जबकि बच्चे उसका भविष्य। इसलिए मुझे हमेशा से ऐसा लगा कि किसी भी परिवार को सुखी रहने के लिए हमें इन दो खंडों के विकास पर ध्यान देना होगा। मैं सबसे पहले उनकी शिक्षा पर ध्यान दूँगा,'' वह कहते है।

वह वैश्विक अनुदान सहायता से आगे काम करने की सोच रहे है और ''बड़ी मात्रा में संचित डीडीएफ़ का इस्तेमाल संवहनीय परियोजनाओं'' के लिए करना चाहते है जिससे रोटरी का नाम बहुत लंबे समय तक ऊंचा रहेगा। उनकी मंडल में एक डायलिसिस केंद्र स्थापित करने एवं विभिन्न कैंसर जांच शिविरों का आयोजन करने की भी योजना है।

सदस्यता वृद्धि के लिए, उनका लक्ष्य पाँच प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हासिल करने का है और पिछले वर्ष बने छह नए क्लबों के नए सदस्यों की रुचि बनाए रखने का है। चूंकि यह एक ग्रामीण इलाका है, इसलिए महिलाएं रोटरी में हिस्सा लेने से झिझकती है।

गर्ग को उम्मीद है कि टीआरएफ़ के लिए 80,000 डॉलर इकट्ठा हो जाएंगे और अधिकारियों के संस्थापन हेतु उनके दौरों के दौरान वह क्लब के सदस्यों से इसकी जानकारी ले रहे है।

आपके गवर्नरों से मिलें

जयश्री

रोटरी उनकी ज़िंदगी है

सुहास लक्ष्मणराव वैद्य

परिदृश्य कलाकार, रोटरी क्लब औरंगाबाद एलीट, रो ई मंडल 3132

वह सामाजिक कार्यकर्ताओं के परिवार से ताल्लुक रखते है; उनके पिता स्वतंत्रता सेनानी है। सुहास वैद्य रोटरी से संबन्धित स्मारिकाओं के उत्सुक संग्राहक है और उन्हें उनके 'रोटरी पुस्तकालय' पर गर्व है। वह कहते है कि वह दो कारणों से रोटरी के ऋणी है: उनके रोटेरियन मित्रों ने कुछ वर्ष पूर्व उन्हें दिवालिया होने से बचाया था जिसके लिए वह बहुत आभारी है। ''मैं ज़िंदगी में कभी भी उन्हें भूल नहीं सकता।'' दूसरा अवसर तब था जब 2007 में वह गंभीर रूप से बीमार हो गए थे तो एक चिकित्सीय शिविर में काम करने वाले एक रोटरी डॉक्टर ने उनकी जान बचाई थी। मेरा जीवन रोटरी के लिए है क्योंकि उस दिन रोटरी ने मेरी जान बचाई थी, वह सत्यनिष्ठापूर्वक कहते है।

एक किसान होने के नाते वह पर्यावरण की अवनति और लोगों द्वारा झेले जा रहे जल संकट के प्रभाव को बेहतर समझते है। इसलिए ''मेरी प्राथमिकता तत्काल इन मुद्दों को संबोधित करने की है।'' उनकी कार्यसूची में महिला सशक्तिकरण के लिए कार्यक्रम आयोजित करना एवं व्यक्तियों, विशेष रूप से युवाओं में, आंतरिक शांति को प्रोत्साहित करना भी शामिल है।

उनका लक्ष्य मंडल सदस्यता को पांच प्रतिशत से बढ़ाने के साथ-साथ वर्तमान सदस्यों के अवरोधन पर भी ध्यान देने का है। और टीआरएफ़ के लिए, उनकी 300,000 डॉलर इकट्ठा करने की योजना है।

नेत्र देखभाल उनकी प्राथमिकता

डॉक्टर गिरीश मासूरकर,

नेत्र-विशेषज्ञ, रोटरी क्लब बागलकोट, रो ई मंडल 3170

वर्ष 1993 में वह रोटरी से जुड़े और रो ई के 100वें वर्ष में क्लब अध्यक्ष के रूप में एवं भारतीय रोटरी के शताब्दी वर्ष में अब एक गवर्नर के रूप में सेवा देकर वह खुश है। डॉक्टर गिरीश मासूरकर के पास उनके अध्यक्षीय वर्ष के दौरान बागलकोट के स्कूलों में बोरवेल प्रदान करने एवं दृष्टिहीनता से बचाव को संबोधित करने वाली मिलान अनुदान परियोजनाओं पर काम करने की मीठी यादें है।

मोतियाबिंद से पीड़ित 10,000 लोगों का इलाज करने एवं अन्य प्रकार के नेत्र विकारों से पीड़ित 5,000 लोगों का इलाज करने के लिए वह कॉर्पोरेट सहायता हासिल करने हेतु उन्हें मना रहे है। वह उनके कार्यकाल के दौरान छह देशों के लिए मित्रता विनिमय कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करने हेतु उत्सुक है।

मासूरकर खुश है कि सदस्यता के मामले में उनका मंडल बेहतर प्रदर्शन कर रहा है हालांकि वह कई स्थानों पर रोटरी में रुचि खोने वाले सदस्यों के मुद्दों को सुलझा रहे है। उनका मंडल विशाल मंडलों में से एक है जो बागलकोट से लेकर डापोली तक फैला हुआ है और क्लब सदस्यों का उत्साहवर्धन करने के लिए वह नियमित रूप से हर एक क्लब का दौरा करना चाहते है। मंडल में रोटरेकट क्लब भी अत्यंत सक्रिय है, वह कहते है, आगे कहते हुये कि उन्होंने उनके मंडल सम्मेलन के लिए रोटरेकटरों को आमंत्रित किया है। ''उनकी रोटरी सदस्यता में छूट देकर मैं रोटरेकटरों को दोहरी सदस्यता के लिए प्रोत्साहित कर रहा हूँ।''

टीआरएफ़ के लिए, वह कहते है कि पिछले तीन वर्षों में मंडल द्वारा औसत 1 मिलियन डॉलर का योगदान दिये जाने के साथ, ''मैं इसे करने के लिए पूरी तरह से तत्पर हूँ।'' हालांकि, टीआरएफ़ के लिए वह हर एक सदस्य को जितना हो सके उतना दान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है और उन्होंने 15 प्रमुख दानकर्ताओं को तैयार किया है, जिसमें से तीन दूसरे-स्तर के प्रमुख दानकर्ता है।

जल-संबंधी परियोजनाओं पर काम करना

नयन पाटिल

शिक्षाविद, रोटरी क्लब दवानगेरे साउथ, रो ई मंडल 3160

वर्ष 1978 में उनका नाम 'रोटरी बॉय' रख दिया गया क्योंकि वह रोटरी क्लब दावनगेरे मिडटाउन, जहाँ उनके पिता एक सदस्य थे, के समाचार एकत्रित करने में मदद किया करते थे। 1989-91 के दौरान नयन पाटिल एक रोटरेक्टर थे। "जब 2000 में मेरे पिता चल बसे, मैं प्रतीक्षा कर रहा था कि क्लब मुझे एक सदस्य बनने के लिए आमंत्रित करे। लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ।" 2004 में वह उनके क्लब से जुड़े।

उन्हें मंडल सम्मेलन सबसे ज्यादा पसंद है क्योंकि वे उन्हें मित्रताओं को गहरा करने एवं नए मित्र बनाने के अवसर प्रदान करता है।

वैश्विक अनुदानों के माध्यम से ई-शिक्षण और हैप्पी स्कूलों की परियोजनाओं के निष्पादन एवं डीडीएफ़ के माध्यम से जरूरतमंदों को साइकलें, सिलाई मशीनें, इत्यादि के वितरण पर उनका ध्यान है। एक जन-सहयोग एजेंसी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वॉटर व्हील ठेले प्रदान करने के लिए पाटिल काम कर रहे है और साथ ही वह विभिन्न स्थानों पर आरओ संयंत्र प्रदान करने एवं रोकबाँध बनवाने के लिए उत्सुक है क्योंकि क्षेत्र का अधिकांश हिस्सा सूखा-ग्रस्त है।

मंडल सदस्यता को वह 10 प्रतिशत से बढ़ाना चाहते है और निष्क्रिय क्लबों को सक्रिय करना चाहते है। हालांकि मंडल में दो अखिल-महिला क्लब है, वह इन क्लबों से पुरुष सदस्यों को शामिल करने एवं सामान्य क्लबों से महिला सदस्यों को आमंत्रित करने का आग्रह कर रहे है। "मैं रोटेरियनों के जीवनसाथियों को भी रोटरी से जुडने के लिए प्रेरित कर रहा हूँ। शिखा, मेरी पत्नी, मेरे क्लब की एक सदस्य है और वह रोटरी की एक बड़ी समर्थक है," वह कहते है।

टीआरएफ़ के लिए डीजी की 367,000 डॉलर इकट्ठा करने की योजना है और वह एक AKS सदस्य को भर्ती करने पर काम कर रहे है।

छोटे क्लबों के लिए एक बड़ी ना

डॉक्टर मोहन चंदावरकर,

स्त्रीरोग विशेषज्ञ, रोटरी क्लब ठाणे नॉर्थ, रो ई मंडल 3142

वह 1986 से एक रोटेरियन है। डॉक्टर मोहन चंदावरकर उस पल को याद करके मुस्कराते है जब उनके दल ने 1993 में आए भूकंप के दौरान एक ट्रक भरकर आपातकालीन दवाइयाँ देकर लातूर के लोगों की मदद की थी। "हम में से छह लोग चार दिन तक सड़क पर थे, विभिन्न दुर्घटनाओं के लिए लोगों का इलाज करते हुये। मेरा पेशा किसी तरीके से लोगों के लिए काम आया इस बात ने मुझे सबसे ज्यादा संतुष्टि प्रदान की," वह कहते है। एक अन्य घटना, वह बताते है, उनके क्लब द्वारा एक बच्चे को बचाने के लिए दी गई आर्थिक सहायता की है जिसे हृदय सर्जरी की तुरंत आवश्यकता थी।

चंदावरकर का मानना है कि मंडल गवर्नर के कार्यालय को उन परियोजनाओं को करने के लिए क्लबों की सहायता अवश्य करना चाहिए जो स्थानीय समुदाय के लिए उचित हो और पूरे मंडल पर चिन्हक परियोजनाओं को करने के लिए ज़ोर नहीं डालना चाहिए। इसी तरह, उन्होंने सेवाओं के समूह बना दिये है। दस क्लब उनके द्वारा चुने गए किसी भी समूह को निष्पादित करने के लिए एक साथ हो जाते है। वह इन्नप्रथम महिलाओंफ - क्लब अध्यक्षों की पत्नियों - से साथ मिलकर कुछ गतिविधियों को करने का आग्रह कर रहे है। ₹5.3 करोड़ की लागत से स्कूलों में आधारभूत संरचनाओं को प्रदान करने, जिनमें पर्यावरण-संबंधी परियोजनाएं शामिल है, के लिए उन्होंने कुछ गैर सरकारी संस्थानों का सहयोग प्राप्त किया है।

सदस्यता पर, उनका लक्ष्य 20 प्रतिशत की वृद्धि करने का है। वह कहते है, वह 'अखिल महिला' क्लब बनाने के प्रयास में नहीं है। वह चाहते है कि महिलाएं सामान्य रोटरी क्लबों का हिस्सा बनें और इससे क्लबों के स्वस्थ विकास को बढ़ावा मिलेगा। वह छोटे क्लबों को बढ़ावा देने के खिलाफ है। "मैं चाहता हूँ कि कम से कम 20 सदस्य एक क्लब की शुरुआत करें।"

यद्यपि टीआरएफ़ अनुदान के लिए उनका लक्ष्य 500,000 डॉलर का है, उनका मानना है बड़े-बड़े वादे नहीं करना चाहिए। "मैं शब्दों से अधिक कर्मों में विश्वास रखता हूँ।"

विदाई लेते समय, गवर्नर ने पिछले वर्ष मुंबई में रो ई अध्यक्ष मार्क मलोनी के साथ हुई बातचीत का उल्लेख किया। वह विमान यात्रा से हुई थकान से पीड़ित थे, फिर भी तस्वीरें खिंचवाने के लिए खड़े थे। "मैंने उनसे पूछा कि वह ऐसा कैसे कर लेते है और उनका जवाब कुछ ऐसा था जिसे मैं जहाँ कहीं भी जाता हूँ उद्धृत करता हूँ। उन्होंने कहा, 'मैं इसके लिए तैयार हुआ था। यह मेरा काम है।' आप एक नेतृत्वकर्ता हो सकते है, लेकिन आप कभी भी काम की अधिकता या आपके द्वारा सामना किए जाने वाली समस्याओं के बारे में शिकायत नहीं कर सकते।"

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

रो ई दक्षिण एशिया
कार्यालय से संदेश

My Rotary - ऑनलाइन पोर्टल

अपने ई-मेल अंशदानों का प्रबंध करने, बैठकों के लिए पंजीकरण करने और अन्य सदस्यों के संसाधनों को देखने के लिए *My Rotary* पर पंजीकरण कीजिए। क्लब नेतृत्वकर्ता साथ में:

- रोटरी क्लब सेंट्रल के माध्यम से लक्ष्यों को निर्धारित कर सकते है एवं उपलब्धियों की रिपोर्ट दे सकते है।
- रोटरी के साथ सदस्यता रिकॉर्ड एवं क्लब आंकड़ों को अपडेट कर सकते है
- अगले वर्ष के अधिकारियों के नाम जमा कर सकते है (31 दिसंबर तक)
- रोटरी को क्लब शुल्क दे सकते है (जुलाई/जनवरी)
- *My Rotary* के माध्यम से या *data@rotary.org* पर ई-मेल करके सदस्यता परिवर्तनों सहित क्लब डेटा को अपडेट कर सकते है
- ऑनलाइन आधिकारिक डायरेक्टरी को खोज सकते है

क्लब और सदस्यता आंकड़ों में आए किसी भी परिवर्तन को अपडेट करने के लिए *My Rotary* पोर्टल का उपयोग कीजिए। अगर कोई परेशानी आए तो आंकड़ों को *data@rotary.org* पर भेजिये। माय रोटरी के पंजीकरण या उसके एक्सेस से संबन्धित किसी भी मुद्दे के लिए रोटेरियन *rotarysupportcenter@rotary.org* पर लिख सकते है।

रो ई एक्स्चेंज रेट - संशोधित नीति

1 जुलाई 2019 से, रोटरी की विनिमय दरें प्रत्येक माह की पहली तारीख की प्रचलित बाज़ार दर पर आधारित होंगी। यदि आपके कोई सवाल है, कृपया हमसे संपर्क कीजिये। रोटरी विनिमय दरों को *https://my.rotary.org/en/exchange-rates* पर देखा जा सकता है।

सीएसआर गतिविधियां

रोटरी वर्ष 2018-19 में, संस्थान को 24 कॉर्पोरेट साझेदारों से विभिन्न ध्यानाकर्षण क्षेत्रों के तहत 1.64 मिलियन डॉलर का सीएसआर कोष प्राप्त हुआ है। अक्टूबर 2016 से भारत में सीएसआर प्रयोगिक परियोजना की शुरुआत से ही, संस्थान को 46 कॉर्पोरेट साझेदारों से सीएसआर परियोजनाओं के लिए कुल 3 मिलियन डॉलर प्राप्त हुये है। कॉर्पोरेटों से सीएसआर धन के लिए अनुरोध करने एवं अपने मंडल में वैश्विक अनुदान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए हम सभी मंडलों से मंडल नेतृत्वकर्ता एवं मंडल सीएसआर प्रमुखों के साथ काम करने का निवेदन करते है।

ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में परिवर्तन

अप्रैल में, वैश्विक अनुदान के पात्रता मापदंड, अतिरिक्त परियोजना प्रकारों, एवं पर्यावरण पर केन्द्रित गतिविधियों पर बेहतर स्पष्टता देने के लिए न्यासियों ने ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में परिवर्तनों को मंजूरी (1 जुलाई 2019 से प्रभावी) दी है। न्यासियों ने रोटरी सदस्यों द्वारा की जा रही परियोजनाओं के प्रकारों को बेहतर तरीके से दर्शाने के लिए वर्तमान छह क्षेत्रों को बरकरार रखते हुए केवल तीन नामों में संशोधन किया है (एक तारक चिन्ह द्वारा दर्शाया गया है)। संशोधित क्षेत्रों के नाम है:

- शांति निर्माण और संघर्ष निवारण
- रोग की रोकथाम एवं उपचार
- पानी, सफाई एवं स्वच्छत
- मातृ एवं बाल स्वास्थ्य
- बुनियादी शिक्षा एवं साक्षरता
- सामुदायिक आर्थिक विकास

यदि आपके कोई सवाल है तो आप निःसंकोच होकर *grants@rotary.org* पर या *aof@rotary.org* पर संपर्क कर सकते है।

योगदानों के पुनर्वर्गीकरण (संशोधन) के लिए टीआरएफ़ दिशा-निर्देश:

पूर्व के रोटरी वर्ष/वर्षों में किए गए योगदानों को एक नियत दान से दूसरे में पुनर्वर्गीकरण करने या रोकने के अनुरोध को संस्थान स्वीकार नहीं करता है। (जैसे, वार्षिक अनुदान से अक्षय निधि, पोलियो से वार्षिक अनुदान, वार्षिक अनुदान से अनुदानों इत्यादि और इसके विपरीत)। दान प्राप्ति की दिनांक से 90 दिनों के भीतर ही संशोधन किए जा सकते है और संशोधन को उसी रोटरी वित्तीय वर्ष में करना होगा।

परिवार नियंत्रित कॉर्पोरेटों/परिवार न्यासों से मिलने वाले योगदानों के लिए टीआरएफ़ दिशानिर्देश

टीआरएफ़ दिशानिर्देशों के अनुसार, परिवार-नियंत्रित कॉर्पोरेटों और परिवार न्यासों से मिलने वाले योगदानों को कॉर्पोरेट/न्यास नाम के अंतर्गत अभिलिखित किया जाएगा। हालांकि, ऐसे कॉर्पोरेट/न्यास परिवार के किसी सदस्य को नामित कर सकते है जिसे दान के लिए प्रमुख दानकर्ता के रूप में पहचान मिलेगी। ऐसे अनुदानों के लिए व्यक्तिगत प्रमुख दानकर्ता मान्यता केवल तब मिलेगी जब कॉर्पोरेट/न्यास के लेटरहेड पर लिखित एक पत्र प्राप्त होगा, जो इस बात कि पुष्टि करेगा कि कॉर्पोरेट/न्यास परिवार-नियंत्रित या परिवार-पोषित है। सार्वजनिक दान या कॉर्पोरेट से मिलने वाले दान जो परिवार-नियंत्रित नहीं है उन्हें कॉर्पोरेट मान्यता प्राप्त होगी। ■

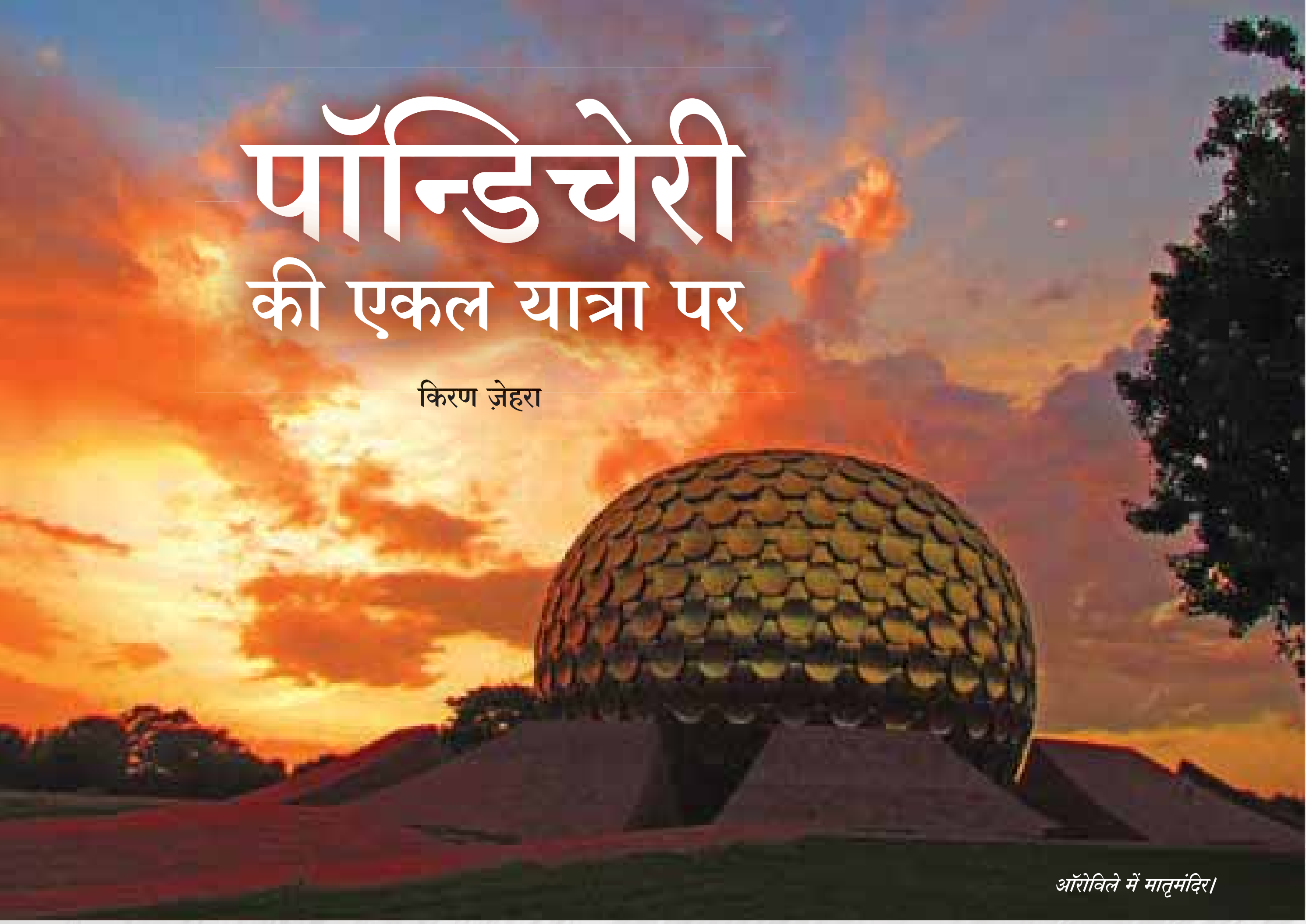

पॉन्डिचेरी की एकल यात्रा पर

किरण ज़ेहरा

ऑरोविले में मातृमंदिर।

क्या मैं एक तस्वीर ले सकती हूँ?'' मैंने रंगा, एक बंजारे, से पूछा जो पॉन्डिचेरी के प्रोमनेड बीच पर मनकों से बने हार बेच रहा था। चट से उसने उत्तर दिया: ''आप मुझे कितने पैसे देंगी?''

उसके अँग्रेजी उत्तर से विस्मित होकर मैं मुस्कुराती हूँ और कहती हूँ ''मैं तुमसे एक हार खरीदूँगी। ठीक है?'' और फिर वह कैमरे का सामना करने के लिए तैयार हो जाता है।

वह दो वर्षों से मेरी बेटी और मेरी पत्नी द्वारा घर पर बनाए गए हारों को बेच रहा है। मैंने उसे खरीद लिया और एक खूबसूरत फीरोज़ा हार मेरे गले पर लटक रहा है। मैंने उससे एक बढ़िया कॉफी की जगह के बारे में पूछा। एक सड़क की तरफ इशारा करते हुये, वह कहता है, ''500 मीटर सीधा जाइए, फिर बाएँ मुड़िए। वहाँ एक छोटी सी कॉफी की दुकान पर आपको बहुत बढ़िया कॉफी मिलेगी। वहाँ ए सी नहीं है। ठीक है?''

''ठीक है,'' मैं मुस्कुराई।

एक स्थानीय व्यक्ति की बात मानने का फायदा, भले ही वह पूरी तरह अजनबी था - 13 में एक बढ़िया कॉफी।

यद्यपि पहली नज़र में यह डरावना लग सकता है, फिर भी अकेले यात्रा करना एक लाभप्रद अनुभव होता है, यह आपको आपके सुविधा क्षेत्र से बाहर निकालता है और आपको उन तरीकों से आगे बढ़ाता है जैसा कि साथी यात्री नहीं कर सकता।

कम बजट के साथ, बाली जैसे एक असाधारण द्वीप पर जाना संभव नहीं था। इसलिए, पॉन्डिचेरी (चेन्नई से 152 किमी दूर), राजमार्ग में नीचे की ओर स्थित एक शहर, एकल यात्रा के लिए बिलकुल ठीक लगा। पॉन्डिचेरी के निकट स्थित प्रायोगिक पूजा नगरी ऑरोविले में बजट के अनुकूल एक एयरबीएनबी घर (2 रातों के लिए ₹2670) ठीक वैसा ही था जैसा वैबसाइट की तस्वीरों में दर्शाया गया था। ऑरोविले तट चलने योग्य दूरी पर था और मुख्य नगर तक आसानी से स्थानीय बस या ऑटोरिक्शा द्वारा पहुंचा जा सकता था।

ऑरोविले

इस जगह के बारे में हर एक चीज़ दिलचस्प है। 2,000 से अधिक लोग जिनमें लेखक, कलाकार, डॉक्टर, इंजीनियर, बावर्ची, किसान और 40 से भी अधिक देशों के विद्यार्थी शामिल है, एक हरे-भरे परिसर में रह रहे है, उसमें कोई पक्की सड़क या शहरी भवन नहीं है - कोई गिरिजाघर, मंदिर या मस्जिद नहीं, यहाँ तक कि पुलिस थाना भी नहीं! ङ्गशहर की आत्माफके नाम से भी पहचाने जाने वाले मात्री मंदिर तक जाने वाली मिट्टी के रास्ते पर चलते हुये आप पेड़ों के बीच से छनकर आती हुई सूर्य की रोशनी को देख सकते है। हरी भूमि का पूरा हिस्सा वर्षों तक सावधानीपूर्वक किए गए वनरोपण का परिणाम है - 1,250 एकड़ भूमि में तीन मिलियन पेड़ लगे हुये है।

एक दिन में पूरे ऑरोविले को देखना किसी के लिए भी संभव नहीं है। किसी रहवासी से बात करने पर आपको पता चलेगा कि यह एक आत्मनिर्भर समुदाय है, जो अपनी स्वयं की अर्थव्यवस्था से चलता है। ऑरोविले फ़ाउंडेशन के स्वामित्व में 150 से अधिक आय-अर्जित करने वाली इकाइयां जैसे मरोमा, एक हस्तशिल्प निर्माण इकाई, ऑरोविले हैंडमेड पेपर फ़ैक्टरी और ऑरोविले बेकरी उनके लाभ में कम से कम एक तिहाई का योगदान दे रही है, और एक दर्जन से अधिक रेस्टोरेन्ट रोजाना आने वाले तकरीबन 3,000 आगंतुकों से पैसा कमा रहे है।

जिप्सीमैन रंगा।

व्हाइट टाउन

मेरी मेजबान रेखा ने पॉन्डिचेरी टूरिज्म डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित व्हाइट टाउन – पॉन्डिचेरी में एक पूर्व फ्रांसीसी आवास जहाँ शानदार स्मारक एवं वास्तुकला के बढ़िया नमूने है – का हेरिटेज वॉक टूर करने की अनुशंसा की। ''नाममात्र शुल्क में क्षेत्र के वास्तुकला सौन्दर्य को देखने का एक बढ़िया तरीका। आपको बस एक टोपी और पानी की एक बोतल की आवश्यकता है,'' अंडे और मेगी नूडल्स का लंच करने के बाद अपने मिनी ट्रक में मुख्य शहर तक मुझे लिफ्ट देते हुये उन्होंने कहा।

युवराज, टूर गाइड और एक दिलचस्प कहानीकार, बोगनवेलीया की पंक्ति वाली सड़कों के बीच से मुझे लेकर जाता है, जहाँ समानान्तर सड़कें एक दूसरे को समकोण में काटती है। ''ठीक ऐसा ही फ्रांसीसी शहरों में होता है और किसी को भी भ्रम को सकता है कि वह मोंटेपेलियर या बोर्दो में तो नहीं है,'' वह कहता है।

दीवार पर बनी एक भित्ति चित्र।

हर सड़क में सुंदर औपनिवेशिक भवनों की कतार थी जो खूबसूरत सरसों, ग्रे और गुलाबी रंगों से पुते हुये थे। फ्रांसीसी भवनों के बीच घूमने के दौरान, यात्री दीवारों पर या किसी पुराने स्कूटर पर बहुत से विचित्र शहरी भित्ति चित्र देख सकते है और वो भी सबसे विचित्र स्थानों पर। पैदल टूर पूरा फ्रांसीसी इलाका कवर करता है जिसमें शामिल है डुप्लेक्स की प्रतिमा, ओल्ड कोर्ट इमारत, जोएन डी आर्क की प्रतिमा, एक फ्रांसीसी मिलिटरी बैरक की इमारत, एग्लीस डी नोत्रे दाम देस आंज (दी चर्च ऑफ अवर लेडी ऑफ एंजल्स), फ्रांसीसी टाउन हॉल भवन, पुराना फ्रांसीसी पुस्तकालय जो अब एक सरकारी दफ्तर है, गोबर्ट की प्रतिमा, रोमन रोलेंड पुस्तकालय,

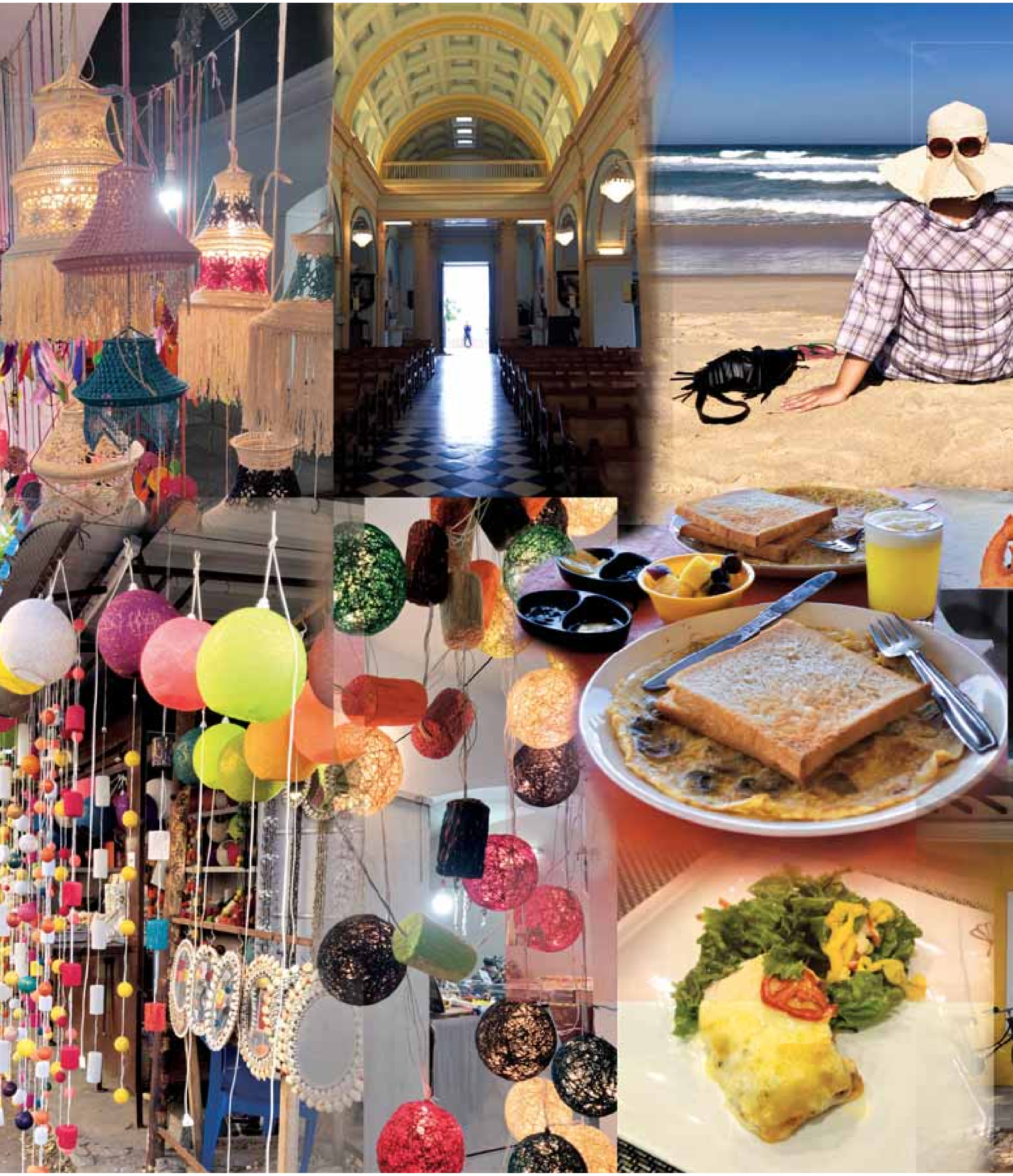

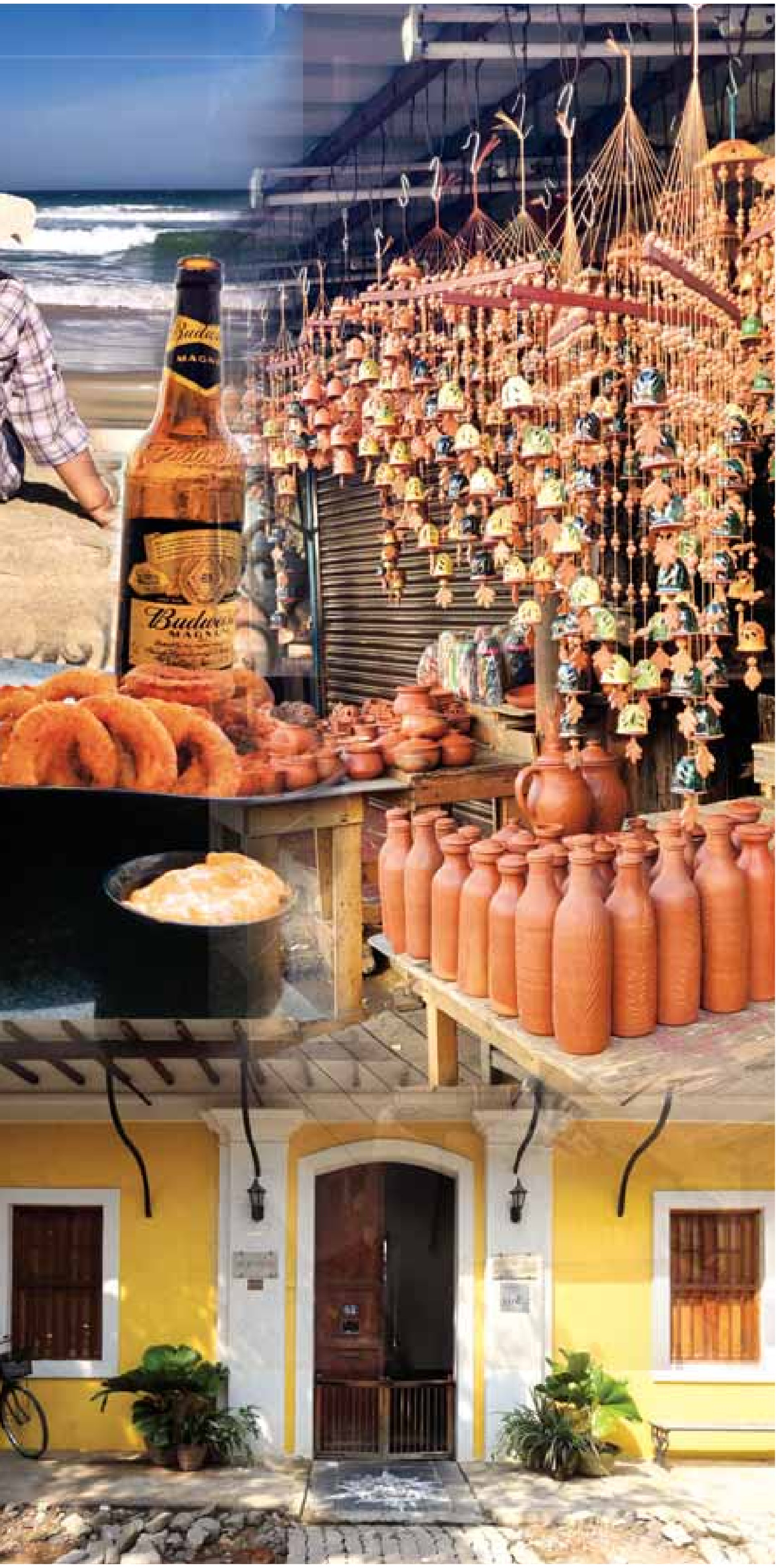

ओल्ड लाइटहाउस, एशिया की सबसे ऊंची गांधी की प्रतिमा। टूर का समापन ओल्ड पोर्ट ऑफिस में स्थित ले कैफ़े पर एक कॉफी के साथ हुआ। हमने पूरा फ्रांसीसी इलाका घूमा था।

व्हाइट टाउन के कुछ कैफ़े ना केवल बढ़िया खाना देते है, बल्कि उनके इन्टीरीअर की शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर डालने लायक होती है। उनमें से बहुत से रेस्टोरेन्ट में *राताटूइल, गेज़पेचें* (सूप), *फोंडेंट ओ चोकोलेट* (फ्रांसीसी चॉकलेट केक) और *लासान्या* परोसते है जो पॉन्डिचेरी के अधिकांश रेस्टोरेन्ट में ज़रूर ट्राय की जाने वाली चीज़ है। गेलेटेरिया मोंटीकेटिनी टर्म में एक वेफ़ल के कोन में मिलने वाले जलाटो को ज़रूर आजमाना चाहिए। कीमतें जेब को हल्का नहीं करती है। आप समुद्र किनारे स्थित अनेक होटलों में से किसी एक की बालकनी में बैठकर समुद्री हवाओं एवं बंगाल की खाड़ी के अद्भुत नज़ारों का मज़ा लेते हुये ब्रीज़र की चुस्कियाँ ले सकते है या बीयर पी सकते है।

समुद्र तट शानदार है और पॉन्डिचेरी का हर समुद्री किनारा आपको कुछ नया पेश करता है। प्लाज़ परादीसो के नाम से भी मशहूर पेरडाइज़ बीच तक चुन्नम्बर नावघर से एक नौका के माध्यम से ₹300 में पहुंचा जा सकता है। यहाँ पर कायाकिंग, जेट स्कीइंग से लेकर बनाना बोटिंग जैसी अनेक गतिविधियों की व्यवस्था है। यहाँ आप चमचमाते सूरज की रोशनी में तट पर चल सकते है, लहरों को देख सकते है, सीप इकट्ठे कर सकते है या बैठकर अपना पसंदीदा उपन्यास पढ़ सकते है।

अपने दोस्तों एवं परिवार के लिए यादगार की तलाश में है? खुली सड़क पर खरीददारी करने के लिए जवाहरलाल नेहरू स्ट्रीट पर जाइए या रू डुप्लेक्स जाइए जहाँ दुकानों पर आकर्षक मिट्टी के बर्तन और हाथ से बनी लालटेन मिलती है। हेरिटेज टाउन स्थित दी कॉटन हाउस में अविश्वसनीय कीमतों में बढ़िया कपड़े मिलते है। मात्री मंदिर मार्ग पर स्थित ऑरोविले बुटीक में भी हस्तशिल्पों का बढ़िया संग्रह था। दुकान में असली पत्तों से बनी ट्रे, प्राकृतिक रूप से परिष्कृत जैम, सुगंधित मोमबत्तियाँ, इत्र और हस्तनिर्मित लेखन-सामग्रियाँ थी।

वहाँ की दुनिया जादुई है। अकेले यात्रा कर रहे है? आप तब भी अकेला या खोया हुआ महसूस नहीं करते है। यह उन अनुभवों में से एक है जहाँ आप अपनी स्वयं की संगत को पसंद कर सकते है। मैं, निस्संदेह, तरोताज़ा होकर लौटी हूँ, और हमारे आस-पास मौजूद एक अन्य खज़ाने की खोज में जाने के लिए अगले सप्ताहांत का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ।

चित्र: किरण ज़ेहरा

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

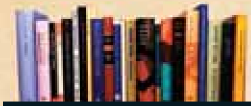

शब्दों की दुनिया

पुरानी किताबें हमें नई ज़िंदगी देती है

संध्या राव

सेकेंड हैंड किताबों की दुकानों में घूमने का आनंद अवर्णनीय होता है

चाहे मौसम कैसा भी हो - गीला या सूखा या ठंडा या गर्म - हर मौसम पढ़ने के लिए अच्छा होता है। पिछले 10 दिनों में, मुझे सौभाग्य से सैन फ्रांसिस्को की दो बेहतरीन किताबों की दुकानों में जाने का अवसर मिला, दोनों ही दुकानें नई के साथ-साथ पुरानी किताबें भी रखती है। पहली है हिप मिशन में वेलेंशिया स्ट्रीट स्थित डॉग इयर्ड, और दूसरी है क्लीमेंट स्ट्रीट पर स्थित ग्रीन एप्पल, जिसके सामने की ओर कुछ दूरी पर बर्मा सुपरस्टार नामक एक बढ़िया खाने की जगह स्थित है (उनके समोसा सूप को ट्राय कीजिए)। डॉग इयर्ड के सामने है उदिपी पेलेस जहाँ अत्यंत मुलायम इडली मिलती है।

डॉग इयर्ड पर मैंने *इन अदर वर्ड्स* का एक रियायती संस्करण खरीदा जो पुलित्ज़र प्राइज-विजेता लेखिका झुम्पा लाहिरी की किताब है जिसे मूल रूप से इतालवी भाषा में लिखा गया था। चेन्नई की एक स्थानीय किताब की दुकान पर मैंने इसे देखा था, लेकिन कुछ दंभ होने के कारण कभी इसके पन्नों को पलटकर भी नहीं देखा था। उनकी *इंटरप्रेटर ऑफ़ मेलेडीस* लघुकथाओं का एक उत्कृष्ट संग्रह है, जैसा कि *अनअकस्टम्ड अर्थ* भी है। परन्तु वे अंग्रेजी में लिखी गई थी जबकि इतालवी में लिखी गई *इन अल्ट्रे पेरोल* एक प्रयोग अधिक लगी। बिना जाने ही मैंने सोचा कि यह हद से अधिक एवं आसक्त होगी और इसलिए यह किताब उपेक्षित रही। जब आखिरकार मैंने इसे पढ़ना शुरू किया तब मुझे एहसास हुआ कि मैं कितनी अबोध थी।

सबसे पहले, यह एक द्विभाषी संस्करण है। दूसरा, यह भाषा और भाषा से संबंध के बारे में है। हम में से बहुत से लोग औपनिवेशिक छतरी के नीचे बड़े हुए है और हमें, लगभग पूरा जीवन, अंग्रेजी बोलने एवं अपनी स्वयं की मातृ भाषाओं से दूर होने से निपटना पड़ा है। झुम्पा (यह उनके घर का नाम है; वास्तव में उनका नाम नीलंजना सुदेशना है!) एक ऐसी भाषा में पढ़ना एवं लिखना सीखने का प्रयास करती है जिससे उन्हें प्यार है और इस प्रेम संबंध के सभी परिणामों का सही मायनों में उचित अर्थ निकलता है। और बेशक, वह नजाकत से लिखती है - कम से कम अंग्रेजी अनुवाद 'एस्सेंसुअल' है झुम्पा; मैं इतालवी के बारे में नहीं कह सकती! जैसा कि होवर्ड नार्मन ने *द वाशिंगटन पोस्ट* में लिखा है, ''यह लेखन जीवन का एक विचारोत्तेजक, सच्चा, दक्ष वृत्तांत है।''

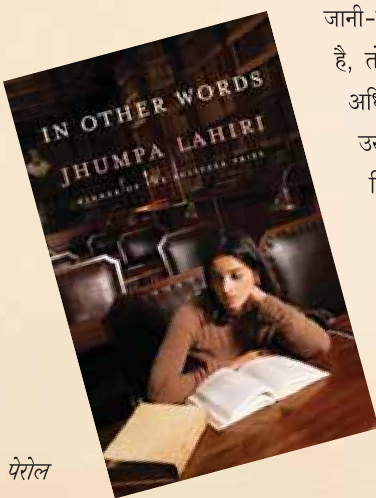

मैंने दो वर्ष पूर्व पीटर मेंडेलसंड द्वारा लिखित *व्हाट वी सी व्हेन वी रीड* को बर्कली में मोस बुक्स नामक एक अन्य आकर्षक दुकान, यहाँ पर भी नई एवं पुरानी दोनों किताबें मिलती थी, पर देखा था। इस बार मैंने इसे खरीद लिया। *मेंडेलसंड अल्फ्रेड ए नोप्फ़* (प्रकाशक) में सहायक कला निदेशक है। ''पढ़ने की कहानी,'' वह लिखते है, ''एक जानी-पहचानी कहानी है। जब हम पढ़ते है, तो हम डूब जाते है। और जितना अधिक हम डूबते है, उतना ही कम, उस पल में, हम हमारे विश्लेषणात्मक दिमाग का प्रभाव उस अनुभव पर डाल पाते है जिसमें हम डूबे होते है। इसलिए, जब हम पढ़ने की भावना की चर्चा करते है तो वास्तव में हम पढ़ाई की स्मृति के बारे में बात कर रहे होते है।''

...पढ़ने की यह स्मृति ''बनावटी स्मृति होती है,'' वह दावा करते है। ''वह हमें याद दिलाते है कि कहानी जो पाठन कहलाती है, चित्रों एवं चित्रण की कहानी होती है और वह हमें सुन्दर ढंग से प्रस्तुत इस काली एवं सफ़ेद रचना में मूल विषय के अत्यधिक दृश्य अन्वेषण के माध्यम से इसे दिखाने की शुरुआत करते है।''

साथ ही एक 16वें जन्मदिन का उपहार भी था जो खरीदे जाने के इंतजार में था: एक किताब से बेहतर क्या हो सकता था? डॉग इयर्ड में मुझे एक ऐसी किताब मिली जो मेरे हिसाब से एक ऐसी बच्ची के लिए उपयुक्त थी जिसकी परवरिश भारतीय तरीक से हुई थी और जो यूएस में पैदा एवं पली-बढ़ी थी: मीरा जेकब्स की *गुड टॉक,* जाति और रंग और पसंद एवं अलग होने के बारे में अक्सर उनकी छह वर्ष की बेटी के साथ की गई बातचीतों का एक चित्रात्मक संस्मरण। व्यंग्यपूर्ण, मज़ेदार, ज्ञानविषयक, स्पष्ट, कड़ी बात, किताब एक प्रतिध्वनि का वादा करती है जिसकी मुझे मेरी भतीजी को पसंद आने की उम्मीद है।

ऐसा प्रतीत होता है कि 25-वर्षीय रिचर्ड सेवॉय ने आर्मी में अपनी कार्यावधि के समाप्त होने के पश्चात 1967 में ग्रीन एप्पल बुक्स स्थापित की थी। उनके

पास काफी अच्छी मात्रा में किताबें, कॉमिक्स और नेशनल जियोग्राफिक्स थी और उसके साथ उन्होंने दुकान खोली। सैन फ्रांसिस्को की अपने प्रकार की सबसे पुरानी किताबों की दुकानों में से एक, ग्रीन एप्पल को आकार एवं स्टॉक में काफी बड़ा होने के कारण नियमित रूप से बे एरिया की सबसे अच्छी किताबों की दुकान के रूप में चुना जाता है।

तीन संभावित आकर्षक पुस्तकों को चुनने के लिए पैसे देने के अलावा मुझे दुकान के अंदर तक भी नहीं जाना पड़ा। ठण्ड को चीरते हुए आती तेज धूप में फुटपाथ पर खड़े होकर, मैं पुरानी किताबों की कतारों को ध्यान से देख रही थी और फिर मैंने आसमां ज़ेह्नत खान की *द लैंग्वेज ऑफ़ सीक्रेट्स* उठाई। कनाडा में स्थापित और एसा खट्टक नामक एक जासूस को दर्शाती हुई इस किताब का राज मेरे उत्सुकता के समक्ष उजागर होने के इंतज़ार में था। ज़ेह्नत खान के पास अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में एक पीएचडी है और वह युवा मुस्लिम महिलाओं के लिए निकाली गई पहली पत्रिका, *मुस्लिम गर्ल,* की मुख्य संपादक रह चुकी है। केवल 1.98 डॉलर में मिली यह किताब बहुत ज्यादा सस्ती लग रही थी, और इसी दाम में मैंने दो अन्य किताबें भी खरीदी।

ए बी येहोशुआ द्वारा लिखित *अ वुमन इन जेरूसलम* पर चिपके एक स्टीकर पर लिखा था कि यह *लॉस एंजिलस टाइम्स* की पुस्तक पुरस्कार विजेता किताब है। यदि आप और कहीं देखेंगे तो आपको पता चलेगा कि इस किताब को अनेक स्थानों पर सर्वश्रेष्ठ किताब के रूप में चुना गया है, जिसमें *पब्लिशर्स वीकली* और *वाशिंगटन पोस्ट* शामिल है। एक बार फिर, यह एक ऐसे लेखक है जिन्हें मैंने नहीं पढ़ा था: एक प्रख्यात इजराइली लेखक, येहोशुआ हाइफ़ा में रहते है हेब्रू भाषा में लिखते है। यह कहानी आत्मघाती धमाके में मारे जाने वाली एक अज्ञात महिला और उसका पता लगाने एवं उसे सम्मानपूर्वक दफनाने के उन प्रयासों के बारे में है जो उन चिंतित लोगों द्वारा किये गए थे जिन्हें इसका खेद था। *वाशिंग पोस्ट बुक वर्ल्ड* का यह पैसेज सब कुछ कह देता है: जबकि यह उपन्यास आधुनिक इजराइल की व्यथा के बारे में पूरा समय अवगत रहता है, फिर भी वह बुद्धिमान पंखों को खराब परिदृश्य से काफी ऊपर उठाता है... परिणामस्वरूप एक छोटी अति उत्तम रचना का सृजन होता है, चेकोवियन आकर्षण, दु:ख, समझ और सहानुभूति का एक संक्षिप्त, अनोखा कार्य। अभी से ही, पहले कुछ पन्नों में, आप हिल्लेल हल्किन के अनुवाद में उपयुक्त रूप से संप्रेषित व्यंगपूर्ण चातुर्य का अनुभव करते है।

ग्रीन एप्पल से तीसरी किताब है *ट्रेल ऑफ़ क्रम्ब्स,* जो लेखिका किम सूनी के बड़े होने के दौरान का संस्मरण है जिन्हें एक कोरियाई बाज़ार में छोड़ दिया गया था, गोद लिया गया, और न्यू ऑरलियन्स में पाला गया। उनका जीवन और भी अधिक नाटकीय होता है और केवल रसोईघर में ही वह उनकी अंतरात्मा से जुड़ पाती है। किताबों और खाने में कुछ तो बात है जो अपने आप में ही मानवीय है: *बेकिंग केक्स इन किगाली, द सेटलर्स कुकबुक, चॉकलेट, पीचेस फॉर फादर फ्रांसिस, जूलिया एंड जूलिया, द हंड्रेड-फुट जर्नी...* यह बहुत लंबी सूची है। इस संस्मरण की प्रस्तावना देती हुई लेखिका फ्लेनेरी ओफ्क्रानर का उद्धरण विस्थापन के बारे में इस किताब के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है: ''आप जहाँ से आए है वह जा चुका है, आपने जहाँ जाने का सोचा था वह कभी वहाँ था ही नहीं, और आप जहाँ है उसमें तब तक कोई भलाई नहीं है जब तक कि आप उससे दूर ना जाए। फिलहाल आप के अंदर सभी जगह है।'' यह ज़िंदगी के लिए अच्छा है, वाकई।

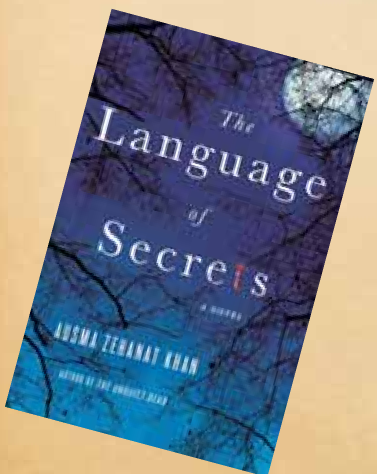

हर जगह की तरह पुरानी किताबें डॉग इयर्ड, मोस और ग्रीन एप्पल जैसी दुकानों की शेल्फ पर रखी होती है। या बेंगलुरु में चर्च स्ट्रीट पर स्थित ब्लॉसम बुक हाउस में, जो हर किताब प्रेमी के लिए एक अनमोल स्थान है। आप कभी निराश नहीं होंगे, आप कभी खाली हाथ नहीं लौटेंगे, आपके अंदर हमेशा एक संतोषजनक पाठन की प्रतीक्षा होगी। मैं हाफ प्राइस बुक्स को कैसे भूल सकती हूँ, जो कि बर्कली में है, जहाँ से मुझे सू मोंक किड्ड द्वारा माताओं एवं बेटियों पर लिखी एक अद्भुत किताब *द सीक्रेट लाइफ ऑफ़ बीस* मिली थी?

शायद सभी किताबों की दुकानों को पुरानी किताबें रखना चाहिए। हो सकता है दुकानों के लिए यह अच्छा साबित हो। इसके अलावा, निस्संदेह पाठक एक ऐसे मुकाम पर पहुँचते है जहाँ वे उनकी पुस्तकों की अलमारी को खाली करने के लिए मजबूर हो जाते है। यहाँ तक कि जमा करने वाले भी। जगह की हमेशा कमी होती है। सबसे अच्छी जगह जहाँ हम अपने प्रिय मित्रों को भेज सकते है वह है एक किताब की दुकान जहाँ उनकी देखरेख की जाएगी जब तक कि फिर से उनकी देखभाल करने वाला कोई ना आ जाए। और ऐसा हो इसके लिए हमें अपनी किताबों को अच्छी हालत में, अचिन्हित, साफ़ रखना होगा एवं उनके पन्नों को सफाई से पलटना होगा।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

रोटरी क्लब पांडेचरी सेंट्रल - रो ई मंडल 2981

क्लब ने 1 लाख की लागत से सैंट एन्स सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल की विज्ञान प्रयोगशाला को नई डेस्क एवं बेंचें दान की।

रोटरी क्लब उलुंदूरपेट - रो ई मंडल 2982

पुडुचेरी के अरविंद आइ हॉस्पिटल के सहयोग से कलामरुथुर गाँव में एक विशाल नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। 200 से अधिक लोगों की जाँच हुई जिनमें से 60 लोगों की पहचान मोतियाबिंद के इलाज के लिए की गई।

रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर - रो ई मंडल 3054

एक सीएसआर संगोष्ठी में खझऊ्रनीरज सोगानी और कॉर्पोरेट संस्थानों द्वारा तीन समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किए गए। पीडीजी अजय काला, रमेश अग्रवाल, रत्नेश कश्यप, और कॉर्पोरेट नेताओं ने इस बात पर प्रस्तुतियाँ दी कि कैसे सामुदायिक परियोजनाओं के निधीयन के लिए उद्यमों को मनाया जाए।

रोटरी क्लब चंद्रपुर - रो ई मंडल 3030

टडोबा वन्यजीव अभ्यारण में गाइडों एवं वन-वाहन चालकों के लिए एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। डॉक्टरों की एक पैनल द्वारा साठ लोगों की जांच की गई और मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए पाँच लोगों की पहचान की गई।

विधियाँ

रोटरी क्लब सूरत - रो ई मंडल 3060

पोनसारा प्राथमिक स्कूल के विद्यार्थियों को फटी एवं फेंकी हुई जीन्स से निर्मित 150 से अधिक स्कूल बैग दिये गए। परियोजना का विचार रोटेरियन रूपल दमानी को आया था और इसका समर्थन क्लब के सदस्यों एवं उनके मित्रों ने किया था।

रोटरी क्लब डोंबिवली ईस्ट - रो ई मंडल 3142

IPDG एशेस गांगुली ने स्कूली बच्चों के लिए डोंबिवली ओलिंपिक्स का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बहुत से नामी-गिरामी लोग उपस्थित थे। शतरंज और कैरम जैसे आंतरिक खेलों के साथ-साथ प्रतिभागियों के लिए टीम प्रतियोगिताओं एवं एथलेटिक्स का भी आयोजन किया गया।

रोटरी क्लब अमृतसर नॉर्थ - रो ई मंडल 3070

उनकी चालू परियोजना *अन्नपूर्णा डे* के अंतर्गत रोटेरियनों ने 20 जरूरतमन्द परिवारों को सूखा राशन वितरित किया। इस विचारपूर्ण भाव के लिए महिला लाभार्थियों ने रोटरी के प्रति उनका आभार प्रकट किया।

रोटरी क्लब धर्मवरम मिडटाउन - रो ई मंडल 3160

चेन्नेकोथा पल्ली में ज़िला परिषद स्कूल में आँखों के ऑपरेशन के शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 150 मरीजों की मोतियाबिंद एवं अन्य नेत्र-विकारों के लिए जांच की गई। इस चालू परियोजना से अब तक 638 लोग लाभान्वित हुये है।

रोटरी क्लब पनवेल एलीट - रो ई मंडल 3131

पेन गाँव से 25 किमी दूर स्थित एक छोटे गाँव में कपड़े, जूते और अनाज दान किया गया। इस परियोजना से आसपास के गांवों में रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि हुई। शिविर में अच्छी संख्या में रोटेरियनों ने हिस्सा लिया।

मंडल गति

रोटरी क्लब कुशलनगर - रो ई मंडल 3181

खझञ्ऋ रोहिनाथ पी. ने बोइकेरी के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल में एक शौचालय खंड का उद्घाटन किया। इस सुविधा को रोटरी क्लब बैंगलोर साउथवेस्ट, माइक्रोलैंड बैंगलोर और वसावी क्लब्स इंटरनेशनल ने प्रायोजित किया था। परियोजना की लागत ₹3.10 लाख है।

रोटरी क्लब कोटेश्वर - रो ई मंडल 3182

डीजी अभिनंदन शेट्टी ने एक नवनिर्मित घर की चाबियाँ एक गरीब एवं जरूरतमन्द परिवार को सौंपी। घर का निर्माण ₹3.15 लाख रुपये की लागत से किया गया था।

रोटरी क्लब तेल्लीचेरी - रो ई मंडल 3202

IPDG ई के उम्मेर ने अपने क्लब दौरे के दौरान एक वृद्धाश्रम को एक वॉटर प्युरीफ़ायर और छह स्टील की कुर्सियाँ उपहार स्वरूप दी। रोटेरियन डॉक्टर जोस ने भी इस आश्रम को ₹10,000 दान किए। परियोजना की कुल लागत ₹30,000 थी।

रोटरी क्लब त्रिवेन्द्रम सबअर्बन - रो ई मंडल 3211

एक विकलांग बच्चे को एक चेंदा वाद्ययंत्र प्रस्तुत किया गया जिसे वह आजीविका के लिए बजाता है। क्लब अध्यक्ष बी सुषिर के अंतर्गत नए पदाधिकारियों के संस्थापन के दौरान रोटेरियन फ़सील मारेकर ने लड़के को यह वाद्ययंत्र उपहारस्वरूप दिया।

रोटरी क्लब कूठातुकुलम - रो ई मंडल 3201

विधायक अनूप जैकब की मौजूदगी में IPDG ए वी पेथी ने हाल ही की बाढ़ों से प्रभावित सुविधाओं से वंचित एक परिवार को रोटरी की *होप परियोजना* के अंतर्गत बने एक नवनिर्मित मकान की चाबियाँ सौंपी।

विधियाँ

रोटरी क्लब कौरतल्लम - रो ई मंडल 3212

चित्रा नदी की सफाई हेतु IPDG के राजगोपालन ने ज़िला कलेक्टर शिल्पा प्रभाकर को ₹3 लाख का एक चेक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर रोटरी मंडल महासचिव सी वैयाली मुथइया और चित्रा नदी सफाई परियोजना के समन्वयक प्रोफ़ेसर शक्तिनाथन उनके साथ मौजूद थे।

रोटरी क्लब वेल्लोर मिडटाउन - रो ई मंडल 3231

क्लब द्वारा गोद लिए गए एक गाँव कालरपलायम के सरकारी माध्यमिक स्कूल में ₹50,000 की लागत की खेलकूद किटें और कुर्सियाँ, लॉकर और मेज जैसे फर्नीचर दिये गए।

रोटरी क्लब मद्रास साउथवेस्ट - रो ई मंडल 3232

उनके द्वारा की जा रही गरीब परिवारों की सेवा करने की सराहना करने के लिए, शहर के खीवराज चोरदिया मेमोरियल डायलिसिस केंद्र में ₹7 लाख की लागत की एक डायलिसिस मशीन दान की गई।

रोटरी क्लब बोकारो मिडटाउन कपल्स - रो ई मंडल 3250

एक शवगृह वाहन 'मुक्तिधाम वाहिनी' को रहवासियों की सेवा में समर्पित किया गया। गाड़ी गरिमापूर्ण तरीके से दिवंगत आत्माओं के अंतिम संस्कार में मदद करेगी। डीजी गोपाल खेमका और DGE राजन गंदोत्रा ने क्लब अध्यक्ष साजन कपूर की मौजूदगी में इस सुविधा का उद्घाटन किया।

रो ई मंडल 3261

रोटेरियनों और उनके साथियों के एक 10-सदस्यीय दल ने 15 दिवसीय मैत्री विनिमय दौरे पर रो ई मंडल 6540, इंडियाना, यूएस, का दौरा किया। RFE प्रमुख डॉन हार्वी और IPDG लीसा वाटरमैन ने अलग-अलग स्थानों पर चार मेज़बानों के साथ उनके और उनके रहने का ध्यान रखा।

वी मुत्तुकुमारण द्वारा संकलित

एल गुणाशेकरण द्वारा रुपांकन

चिंता से लेकर परमानंद तक

भरत और शालन सवुर

चिंता और परमानंद एक दूसरे के उलट है। चिंतित लोग शांति के लिए प्रयास नहीं कर रहे है, वे अनजाने में परमानंद के लिए प्रयास कर रहे है। चिंता और परमानंद का स्वरमान एवं तीव्रता समान होती है, केवल गुणवत्ता का फर्क होता है। चिंता आपको बैचेन करती है, आप बैठ नहीं सकते, आप हमेशा तनाव में रहते है, आप लगातार आगे-पीछे होते रहते है, परेशान होते है और डरते है।

हम आम तौर पर किस बारे में चिंतित होते है? अपने माता-पिता, भाई-बहन, जीवनसाथी, दोस्त, पैसा, धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, हमारे अंदर मौजूद कौशल और प्रतिभा और, बेशक, स्वयं ज़िंदगी को खोने के बारे में चिंता करते है। चिंता खोया हुआ परमानन्द है। हम अस्तित्व के परमानन्द को भूल गए है। हम भूल गए है कि कुछ ना होना क्या होता है। यह कैसे हमें मुक्त रखता है। यह कैसे हमें आनंदित करता है।

बैठक कक्ष में एक बन्दर

वर्षों पहले, हम हिमाचल प्रदेश के एक सुरम्य शहर धर्मशाला में एक मित्र से मिले। वह एक बड़े से मकान में रहती थी। वह चाय बनाने के लिए रसोईघर में गई, और हम उसके बड़े से बैठक कक्ष में बैठे थे। अचानक एक बंदर खुले दरवाजे से लम्बे डग भरता हुआ तेज़ी से अंदर आया, केले का एक गुच्छा उठाया और तेज़ी से बाहर निकल गया। जाते हुए उसने हमारी तरफ देखा। उसकी आँखों में ना कोई भय था ना कोई शत्रुता, उसे केवल हमारी उपस्थिति की बुद्धिजीवी अभिज्ञता थी। इस क्रियाकलाप की तीव्र सहजता से हम भौंचक्के थे।

हम आश्चर्यचकित थे कि क्यों हमारे दोस्त ने दरवाज़ा खुला छोड़ दिया जब...खैर...एक बन्दर अंदर आकर कुछ चुरा कर बाहर चला जाता है। जब हमने उस बड़े से बैठक कक्ष के चारों तरफ देखा तो हमें धीरे-धीरे समझ आने लगा। हमारी दोस्त

ने इसे बहुत सरल रखा था। वहाँ कोई दिखावटी सामान नहीं था, वहाँ केवल एक सोफा सेट था, एक कॉफ़ी टेबल थी जिसपर एक बड़ा सा बाउल रखा था और उसमें केले रखे हुए थे, बस इतना ही। यह अपनी स्पष्ट सरलता में आकर्षक था। और यह सादगी ही थी जिसके कारण वह दरवाज़ा खुला रख पाई और हवा के प्रवाह को खुले रूप से अपने घर के अंदर आने दे पाई। जब बंदर अंदर आया, तो उसने उसके केले उठाए और चला गया। वहाँ पर उसे रोके रखने या आकर्षित करने के लिए और कुछ मौजूद नहीं था। यह एक शानदार व्यवस्था थी।

मस्तिष्क हमारा बैठक कक्ष है। जब हम इसे विश्लेषण, परिकल्पना, अफवाह, आलोचना, जलन और इसी तरह की तुच्छ चीज़ों से भरने के बजाय इसे स्वीकृति के फर्नीचर और प्यार से भरे एक कटोरे से भरकर स्पष्ट रखते है, तब हम हमेशा इसका दरवाज़ा खुला रख सकते है बिना किसी डर या चोरी हो जाने की चिंता के। एक सरल जीवन हमें चिंता को परमानन्द में बदलने में सक्षम बनाता है।

एकांत चुने

प्रतिदिन बहुत कम मेल-मिलाप करें, वास्तव में, मेरी माने तो अगर आपका काम उसके बिना चल जाए तो कोई मेल मिलाप ना करें। कारण बहुत ही सरल है। जब आप प्रतिदिन बहुत लोगों से मिलते है, तो आप उनकी समस्याओं को भी अवशोषित करते है। साथ ही, जब आप रोज़ाना बातचीत करते है, इस प्रकार, आपकी चिंता का स्तर बढ़ जाता है। जबकि, जब आप अपने मन के बैठक कक्ष में अकेले होते है, तो आप शांति से अपना काम करते है।

एकांत में होने से आपको बैठकर सचेत होने का समय मिलता है कि आपकी ऊर्जा चिंता में निहित है। इस महत्वपूर्ण स्वामित्व तथ्य का एहसास होना ही एक संभावित आकस्मिक बदलाव की कुंजी है। यह मानो ऐसा है जैसे कि कोई आपकी बिजली का उपयोग उनके व्यवसाय को चलाने के लिए कर रहा है। और चूंकि आपके बिजली के बिल हास्यास्पद ढंग से ज्यादा होते है उसी प्रकार आपके स्वास्थ्य के बिल भी ज्यादा हो जाते है - रक्तचाप, आघात, अपच, स्थायी इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम और भी बहुत कुछ के कारण।

चिंता की एक और नकारात्मक शाखा है बहुलता में भी कमी देखना (एक करोड़पति महसूस करता है कि वह कंगाल है), पूर्णता में शून्यता देखना। भयावह निराशावाद, अत्यधिक संदेह, पीड़ितता की धुंधली भावना में जीवन जीना बहुत ही बुरा तरीका है - यह परिवार और साथ ही मित्रों के लिए भी तनावपूर्ण है।

इसलिए, एक शांत मन के लिए पहला चरण है इस बारे में जागरूक होना, सचेत होना कि चिंता में आपकी खुद की ऊर्जा का दुरुपयोग होता है। ज्ञान आपको अधिक सावधान, अधिक चौकस बनाता है। यह ऊर्जा कहाँ बर्बाद हो रही है? जैसे जब आप कमरे में नहीं होते है तो लाइट और पंखें बंद कर देते है, वैसे ही अपने दिमाग से अपने अहंकार को बाहर निकलने दें जब आप अपनी आलोचनाओं को बंद कर देते है, तो वहाँ शांति होती है, जब आप अपनी शिकायतों को बंद करते है, वहाँ पर ख़ामोशी होती है।

युद्ध से लेकर प्रेम तक

नकारात्मक होने से बचकर, आप युद्ध को शांति में, एक भयावह वातावरण को गैर-भयावह वातावरण में परिवर्तित करने में सफल हुए है। इस शांतिपूर्ण रास्ते पर चलते रहें और, जल्द ही, आप गैर-भयावह वातावरण को और बेहतर - एक *प्यार भरे* वातावरण - में परिवर्तित करेंगे। जब आप अचेत होते है, तो दिमाग के नकारात्मक, असंतुलित, विकार आप पर शासन करते है। जब आप सचेत होते है, तो यह सब फालतू चीज़ें गायब हो जाती है।

सचेत होने का अर्थ है पूरी तरह से मौजूद होना, हम जो सोच रहे है जो कर रहे है उस बारे में पूरी तरह से अवगत होना। यह हमें अन्य लोगों की पक्षपात एवं नकारात्मकता की राजनीति में डूबकर प्रतिक्रिया देने और अभिभूत होने से रोकने में मदद करता है। यदि हम किसी रेस्टोरेंट में जाते है और हमें बासी एवं पुनर्चक्रित भोजन परोसा जाए, तो क्या हम उसे पसंद करते है? हम उसे लौटा देते है और कहते है सुनो, ''मुझे ताज़ा भोजन दो।'' उसी प्रकार, अपने दिमाग में अतीत को क्यों दोहराना? उसे उस विस्मृति में लौटा दें जहाँ से यह आया था। अपने आप को नए विचारों से भरें। अपने आप को शांति से, धैर्य से, बार-बार बोले, यह खत्म हो गया है। इसे जाने दो।

भावनात्मक संतुलन प्राप्त करने के लिए इन अभ्यासों का प्रतिदिन अनुसरण करें।

- अपनी भावनाओं, आलोचना, निंदा, शिकायत करने की प्रवृत्ति को अनुशासित करें।
- जब आप अकेले होते है, अपने भीतर के संवादों पर ध्यान दें। उन्हें मधुर और शांतिप्रिय रखें।
- जब आप लोगों के साथ हो, तो अपनी भाषा पर ध्यान दें। मृदुलता से, मीठा और धीमा बोलें। अन्य समय पर, खामोश रहें और गैर-आलोचनात्मक तरीके से सुनें।
- किसी भी तरह की दुविधा या परेशानी में होने पर, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करें। अपने भीतर एक युद्ध की स्थिति को आरंभ ना होने दें, बल्कि, याद रखें: सभी चीज़ें गुज़र जाएंगी और आतंरिक स्थिरता बनाए रखें। जानें कि उस स्थिति से निपटने के लिए आपके पास अनेक विकल्प मौजूद है।

और, अंततः, जब चीज़ें आपके हिसाब से चलती है, जब लोग आपकी तारीफ करते है, आपको आशीर्वाद देते है, आपके प्रति प्यार और स्नेह प्रदर्शित करते है, तब कृपया अपने अहंकार को जीवन के इन शानदार उपहारों को रूखेपन से ख़ारिज ना करने दें। उन्हें शिष्टता के साथ अपनाएं। अपने दिमाग को - उसकी नयूरोप्लास्टिसिटी के साथ - आपके रिश्तों के नए स्वरूपों को अपनाने दें। अपने दिमाग को इस व्यापक वास्तविकता को अपनाने दें। जैसा कि एक बुद्धिमान व्यक्ति ने धीरे से समझाया, जब आप अपने जीवन को केवल अपने परिवार और अपने काम के रूप में देखते है, तो यह उसे एक पानी के गिलास में देखने जैसा है, फिर इसमें एक पत्थर गिरने से लगभग पूरा पानी विस्थापित हो जाता है। यह बहुत बड़ा लगता है। ख़ुशी को अपनी आँखों, कार्यों और अपने अस्तित्व के माध्यम से चमकने दें। बिना किसी विचार के इस अवस्था में बने रहें। मौन नृत्य को देखें। यह, मेरे दोस्तों, परमानन्द है।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और फिटनेस फॉर लाइफ कार्यक्रम के शिक्षक है।*

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

Rotary News Subscription Remittances

You can pay the
Rotary News / Rotary Samachar
subscription online

Our Bank details:

Bank	:	HDFC Bank SB Account
Branch	:	Egmore, Chennai
A/c Name	:	Rotary News Trust
A/c No.	:	50100213133460
IFSC Code	:	HDFC0003820

E mail us following details:

Name of Club

President/Secretary's name

Amount/Date of transfer/UTR Number

For physical payment by cheque or cash in bank, write **Club Name only** without prefixing "Rotary club of". Eg. Rotary Club of Delhi Central should be written: Delhi Central.

Rotary at a glance

Rotarians	:	1,196,211
Clubs	:	35,893
Districts	:	538
*Rotaractors	:	169,845
Clubs	:	10,234
*Interactors	:	566,214
Clubs	:	24,618
RCC	:	10,565

As on July 12, 2019

Membership Summary

As on July 2, 2019

RI District	Rotary Clubs	No of Rotarians	Women Rotarians	Rotaract Clubs	Interact Clubs	RCC
2981	111	4,568	220	45	237	216
2982	68	3,015	156	69	117	54
3000	132	5,238	488	234	691	207
3011	85	3,590	839	47	119	25
3012	93	3,749	972	59	133	56
3020	72	3,799	180	57	467	349
3030	92	4,874	604	85	327	210
3040	94	2,105	234	33	138	143
3053	68	2,963	519	12	60	96
3054	126	5,794	957	81	328	475
3060	99	4,081	530	59	130	140
3070	103	3,084	352	49	164	58
3080	84	3,469	325	90	230	110
3090	81	2,011	49	36	39	122
3100	79	1,924	118	12	80	146
3110	123	3,932	383	30	53	104
3120	79	3,382	436	32	63	52
3131	134	5,288	1,126	98	318	91
3132	97	3,778	394	40	220	156
3141	104	5,612	1,298	113	274	86
3142	96	3,358	639	80	206	64
3150	95	3,589	363	63	253	111
3160	75	2,617	166	29	48	82
3170	129	5,681	673	62	354	165
3181	85	3,572	334	58	275	115
3182	84	3,138	229	32	283	97
3190	124	4,797	631	127	372	54
3201	144	5,375	344	98	141	49
3202	128	4,947	273	80	450	47
3211	141	4,450	288	8	98	129
3212	100	4,004	314	98	302	144
3231	85	3,726	347	53	226	355
3232	124	5,283	921	121	354	83
3240	88	3,048	392	53	361	186
3250	101	3,826	664	65	221	179
3261	70	2,505	331	12	113	43
3262	92	3,364	423	40	81	77
3291	146	3,589	714	85	144	608
India Total	**3,831**	**147,125**	**18,226**	**2,445**	**8,470**	**5,484**
3220	73	1,971	275	80	212	73
3271	87	1,354	221	56	19	18
3272	134	1,648	290	51	40	43
3281	210	5,693	864	224	97	192
3282	153	4,612	546	131	50	44
3292	119	4,645	699	123	139	114
S Asia Total	**4,607**	**167,048**	**21,121**	**3,110**	**9,027**	**5,968**

Source: RI South Asia Office

On the racks

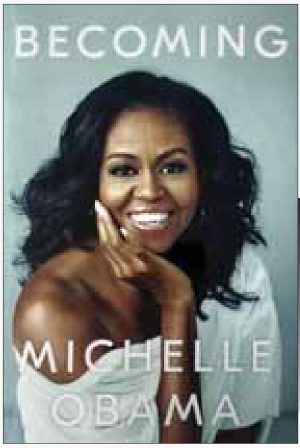

Becoming

Author : **Michelle Obama**
Publisher : **Viking**
Pages : **426; ₹999**

In her memoir, a work of deep reflection, Michelle Obama invites readers into her world, chronicling the experiences that have shaped her. She talks about her childhood on the South side of Chicago to her years as an executive balancing the demands of motherhood and work, to her time spent at the world's most famous address. With honesty and lively wit, she describes her triumphs and her disappointments, both public and private, telling her full story as she has lived it. *Becoming* is the deeply personal reckoning of a woman of soul and substance who has steadily defied expectations — and whose story inspires us to do the same.

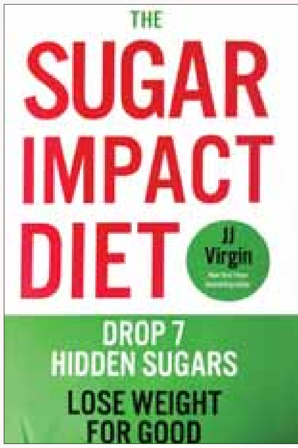

The sugar impact diet

Author : **J J Virgin**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **344; ₹499**

This book describes how foods contain different types of sugars that have unique effects in your body. JJ Virgin explains the role of sugar metabolism in weight loss. Foods with a high sugar impact cause weight gain, fatigue and inflammation. Low sugar impact foods promote fat burning and sustained energy. The diet claims if you switch foods with a high sugar impact for those with a low sugar impact you can lose up to 10 pounds in 2 weeks. It identifies the most damaging types of sugars that you may be eating every day without realising it. Virgin promises her programme will help you cut sugar out of your diet — without the cravings and the crashes. Her plan, she says, will also lead to high energy levels, better focus, less bloat and will reverse chronic diseases, such as obesity, diabetes and heart disease. Oh, and for those of you who diet to fit into skinny jeans, Virgin says followers will "look and feel younger almost overnight."

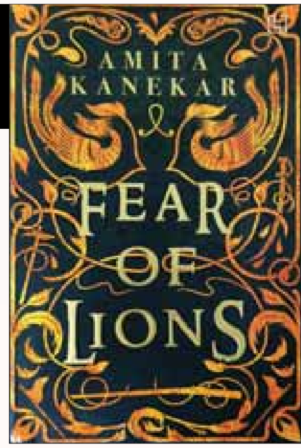

Fear of Lions

Author : **Amita Kanekar**
Publisher : **Hachette India**
Pages : **336; ₹399**

Set twelve years into the rule of the austere Emperor Aurangzeb Alamgir, Amita Kanekar's intricately woven and powerful novel tells the story of an unlikely rebellion that almost brought imperial Dilli to its knees. Two young Mughal nobles, Shamsher and his sister Zeenat, leave Shahjahanabad for a trip down the royal Ajmer highway to the market town of Narnaul. The reluctant Shamsher is on a secret mission for his father; an excited Zeenat on one of her own. Their journey takes them through the shattered landscape of a recently crushed mutiny. This revolt was rumoured to have been led by a witch inspired by the Bhakti saint Kabir; her militant followers, many of them women, called themselves *Satnami*: those whose name was truth. The rebels were finally defeated, but the questions remained: Where had they come from and what did they want? Who really was Kabir, the acid-tongued weaver-poet of Banaras? How could Bhakti, the cult of passionate devotion, inspire violence?

Compiled by Kiran Zehra
Designed by Krishnapratheesh S

आधी-पढ़ी किताबें

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

बहुत से लोग मुझसे पूछते है कि क्या उन्हें किताब लिखना चाहिए। बिलकुल, मैं उनसे कहता हूँ लेकिन सचेत रहिए, यदि आप नाम और शोहरत के लिए ऐसा करना चाहते है तो यह निरर्थक है। मैं जानता हूँ क्योंकि 1975 से 1980 के बीच मैंने एक बड़े ब्रिटिश प्रकाशन घराने में काम किया था। वह आँखें खोल देने वाला अनुभव था। तब तक मैं एक निर्दोष था जिसकी आँखें नहीं खुली थी, सबकी तरह मैं भी सोचता था कि किताबें खास होती है। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि वे बस एक अन्य साबुन की टिकिया या बिस्कुट के पैकेट की तरह ही है। बनाइये, मूल्य निधारित कीजिये और बेचिए। बस इतना ही।

खैर, 30 वर्षों के बाद मैं अपनी खुद की सलाह ही भूल गया और मैंने एक नहीं बल्कि चार किताबें लिखी। मैंने समीक्षाओं का व्याकुलता से इंतज़ार किया। तीन किताबों की समीक्षा ही नहीं की गई परंतु एक की कई प्रकाशनों ने की। तब मुझे यह एहसास हुआ कि मुझे 90,000 शब्द लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है। लगभग 10,000 शब्दों से ही काम हो जाता क्योंकि ऐसा लगा कि लोग एक अकाल्पनिक किताब का सिर्फ दसवां हिस्सा ही पढ़ते है। पलटो, छोड़ो, और कम करो ही मार्गदर्शक सिद्धान्त है। बहुत से समीक्षक ऐसा करके समीक्षा देते है। लेकिन वास्तव में सबसे ज्यादा गुस्सा उस बात पे आता है कि वे उस दसवें भाग में क्या था उसके बारे में नहीं लिखते है, बल्कि इस बारे में लिखते है कि पूरी किताब में क्या छूटा है।

मुझे यह एहसास हुआ कि मुझे 90,000 शब्द लिखने की कोई आवश्यकता नहीं है। लगभग 10,000 शब्दों से ही काम हो जाता क्योंकि ऐसा लगा कि लोग एक अकाल्पनिक किताब का सिर्फ दसवां हिस्सा ही पढ़ते है।

फिर मैंने एक मित्र से पूछा जो हर महीने छह या सात किताबें खरीदता है: तुम क्यों एक किताब पर सैकड़ों रुपये खर्च करते हो जब तुम्हें उसका केवल एक छोटा हिस्सा ही पढ़ना है? मेरा मतलब है, क्या तुम एक बड़ा मसाला डोसा या स्कॉच की एक बोतल खरीदकर उसे आधा खाकर या पीकर छोड़ सकते हो, वो भी नियमित रूप से? मैंने उससे कहा कि लोग 30 मिनट के बाद ही मूवी से बाहर नहीं आ जाते या 30 मिनट की सीडी को केवल पाँच मिनट ही नहीं सुनते। जब आप उसकी कीमत देते है, मैंने कहा, तो आप उसका पूरा मूल्य वसूलना चाहते है। तो किताबों के बारे में ऐसा क्यों नहीं है? लोग ऐसा क्यों सोचते है कि उन पर खर्च किए गए पैसों को बर्बाद करना बिलकुल ठीक है? वास्तव में, मैं ऐसे लोगों को जानता हूँ जो एक किताब खरीदते है पर उसे महीनों तक खोलकर नहीं देखते है। उसने मुझसे कहा, क्योंकि एक पुराना मित्र ही कह सकता है, मूर्खता मत करो।

इसलिए मैंने एक अर्थशास्त्री मित्र से पूछा। उसने कहा कि किताब में एक अजीब विशेषता होती है: यह एक ही समय पर खराब होने वाली और टिकाऊ चीज़ दोनों है और इससे उसका अर्थशास्त्र बहुत भ्रमित होता है। प्रकाशक या किताब विक्रेता के हाथों में यह खराब होने वाली चीज़ है क्योंकि एक बार बेचे जाने पर, फल या सब्जी की तरह, उसे वापस नहीं लिया जाता है। लेकिन क्रेता के हाथों में यह टिकाऊ होती है क्योंकि यह शेल्फ पर सौ सालों तक भी रखी रह सकती है, भले ही पढ़ी हो या ना हो। उसने आगे कहा कि चूंकि प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता उसे एक फल या सब्जी की तरह देखते है, वे लंबे समय तक उन्हें रखना पसंद नहीं करते है। वे क्रेताओं को सस्ते में उसे बेच देते है जो या तो उसे फेंक सकते है या सौ सालों तक रख सकते है क्योंकि यह खराब नहीं होती है।

सात दिनों के अंदर मेरी किताब की कीमत आधी हो गई। मेरा यकीन मानिए, इससे वास्तव में आपको आपकी औकात पता चलती है।

फिर मैंने एक महिला मित्र से पूछा जो मोल भाव करने में एकदम पक्की है। वह मुझपर हँसी और कहा तरकीब यह है कि छूट की प्रतीक्षा करनी चाहिए। इन दिनों यह आसान है क्योंकि छूट किताब के प्रकाशित होने के दो हफ्तों के भीतर ही मिलना शुरू हो सकती है। यदि आप ऑनलाइन खरीदते है, तो पहले दिन से ही छूट मिलना शुरू हो जाती है। वह सही थी: सात दिनों के अंदर मेरी किताब की कीमत आधी हो गई। मेरा यकीन मानिए, इससे वास्तव में आपको आपकी औकात पता चलती है।

लेकिन उस स्पष्टीकरण ने अनजाने में मूल प्रश्न को स्पष्टीकरण प्रदान किया कि लोग इतनी कीमत चुकाने के बावजूद भी उसे बिना पढ़े या आधी पढ़े या चौथाई पढ़कर ही क्यों छोड़ देते है: यदि आपने कवर की कीमत से कम कीमत चुकाई है तो आप किताब का केवल एक छोटा हिस्सा ही पढ़ सकते है - या छूट बहुत बड़ी हो तो आप उसे नहीं भी पढ़ सकते है। ■

संक्षेप में

डिफ़ाल्ट रूप से अंग दानकर्ता

नीदरलैंड ने एक कानून पारित किया है जो हर एक वयस्क को एक संभावित अंग दानकर्ता बनाता है जब तक कि वे ऐसा ना किये जाने का चुनाव करता है। कानून 2020 से प्रभाव में आएगा और इसका लक्ष्य देश में अंग दानकर्ताओं की कमी को कम करने का है। 18 साल से ऊपर के व्यक्तियों को दो डाक भेजे जाएंगे, जिसमें अंग दान के लिए उनकी सहमति मांगी जाएगी। इस डाक का जवाब ना देने वालों को स्वतः ही अंग दानकर्ता समझ लिया जाएगा। इस स्थिति को किसी भी समय बदला जा सकता है। दानकर्ता ये भी चुन सकते है कि वे कौन सा अंग दान करना चाहते है।

सिंकहोल में समाई एक रोल्स रॉय्स

घटना चीन की हर्बीन सिटि की है जहाँ एक कार ट्रेफिक सिग्नल पर बत्तियों के पीला होने का इंतज़ार कर रही थी। जैसे ही ड्राईवर ने कार चलाई, सड़क धस गई और रोल्स रॉय्स धीरे-धीरे गड्ढे में गिरने लगी। हालांकि चालक खिड़की से बाहर कूद गया और केवल कार ही दुर्घटनाग्रस्त हुई। बाद में वाहन को निकाल लिया गया परंतु क्षतिग्रस्त स्थिति में।

गधे बने ज़ेबरा

एक स्पेनी समुद्री तट शहर में एक सफारी-थीम वाले शादी के रिसेप्शन के लिए दो गधों को ज़ेबरा दिखाने के लिए काली एवं सफ़ेद धारियों से पोत दिया गया। तस्वीरें वायरल हो गई और इस कृत्य की 'पर्यटक शोषण' के लिये घोर निंदा की गई। इसी प्रकार के तमाशे के लिए मिस्र के एक चिढ़ियाघर को फटकार लगाई गई थी।

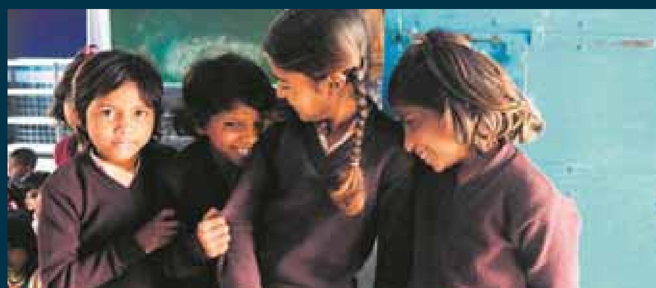

दिल्ली के स्कूलों में हैप्पीनेस ऑवर

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रतिदिन पहले 50 मिनट हैप्पीनेस ऑवर होंगे। स्कूलों के निदेशालयों का दावा है कि इससे बच्चों में सकारात्मकता एवं रचनात्मकता जागृत हुई है। बच्चों को ललित कला या चित्रकारी या कोई भी अन्य रचनात्मक गतिविधि करने को मिलती है जिससे कि उनका प्रसन्नता अनुपात बेहतर होता है।

टिकटों के लिए दंड बैठक

नागरिकों के मोटापे से परेशान मेक्सिको और रूस जैसे देश लोगों को वजन के प्रति सचेत करने के लिए प्रयास कर रहे है। सरकारों ने एक योजना शुरू की है जिसके तहत कोई व्यक्ति दंड बैठक लगाकर मुफ्त में रेल टिकिट हासिल कर सकता है। मॉस्को ने मेट्रो स्टेशनों में 'स्वास्थ्य विराम' स्थापित किए है जहाँ पर एक इलेक्ट्रिक मीटर व्यक्ति द्वारा लगाए जाने वाली दंड बैठकों को गिनता है। मेक्सिको में 10 दंड बैठक लगाने से एक रेल टिकट मिलता है, जबकि मॉस्को में 30 दंड-बैठकों पर टिकट मिलता है। कुछ स्टेशन मोटापे की समस्या से समाधान के लिए क्लीनिकों से सुसज्जित है।

जयश्री द्वारा संकलित; एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Regn. No. TN/CCN/359/2018-2020
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP-421/2018-2020
Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹35
Registered with Registrar of News Papers for India TNHIN/2001/05271 Rotary Samachar Published on 1st of every month